RNI No. : MPHIN/2010/38129 | MP/IDC/1375/2020-22 | www.hariyalikeraste.com | email : hariyalikeraste2010@gmail.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 12 » अंक : 1 » नवंबर 2021 » मूल्य : 40 रु.

12 वाँ
स्थापना वर्ष

सहकारी सप्ताह विशेषांक 2021

बिन संस्कार नही सहकार
बिन सहकार-नही उद्धार

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस

9 महीने में 100 करोड़ वैक्सीन

सभी किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल. मकवाना (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)
श्री ओ.पी. गुप्ता (उपायुक्त)
श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री विशेष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. उज्जैन

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री सुनील सिंह (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
सौजन्य से : जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. मंदसौर

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 12 » अंक : 1 » नवंबर 2021 » मूल्य : 40 रु.

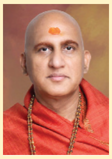

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर
आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित
स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज
» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी
» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी
» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी
» सलाहकार मंडल :
व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत्त सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)
» विशेष संवाददाता
इंदौर-उज्जैन संभाग : परीक्षित शर्मा (मो. 7999692727)
भोपाल संभाग : शिवम त्रिपाठी (मो. 9669779674)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)
» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी
111/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186
» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com
» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
के-29, एल.आय.जी. कॉलोनी, इंदौर

12 वाँ स्थापना वर्ष

9
नौ महीनों में सौ करोड़

12
अंधेरे के विरुद्ध उजाले की खोज

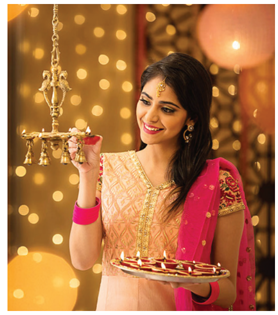

15
आत्मनिर्भरता की राह पर मध्यप्रदेश

20
सहकारिता में समन्वय जरूरी

34
नवंबर माह के कृषि कार्य

60
लिप सर्जरी के बाद ट्रोल हुई कटरीना

संपादकीय

12वाँ स्थापना वर्ष

तिहरा संयोग

इस वर्ष नवंबर माह हमारे और हमारे स्नेहियों के लिए तिहरा संयोग लेकर आया है। पांच दिवसीय दीपोत्सव, आपकी प्रिय पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' का प्रकाशन उत्सव और अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह इसी माह में आए हैं। पत्रिका का प्रकाशन दिवस और सहकारिता सप्ताह तो हमेशा नवंबर माह में ही आते हैं लेकिन दीपोत्सव का मास यदाकदा अक्टूबर भी हो जाता है। इस तिहरे संयोग पर हम अपने स्नेहियों का अभिनंदन करते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस वर्ष दीपावली पर ग्रहों का विशेष योग रहा। सूर्य, मंगल, बुध और चंद्रमा तुला राशि में रहने से इस वर्ष दीपावली विशेष फलदाई रही। खेती किसानी, व्यापार व्यवसाय और उद्योग जगत में वांछित हलचल रही। इस सुखद संयोग ने त्योहार का आनंद भी तिहरा कर दिया। पिछली दीपावली को तो कोरोना का ग्रहण लग गया था लेकिन इस बार की दीपावली ग्रहण मुक्त रही। लोगों ने पारंपरिक उत्साह के साथ त्योहार का आनंद लिया। आपकी पत्रिका हरियाली के रास्ते ने अपने प्रकाशन के ग्यारह वर्ष पूर्ण कर लिये। बारहवें वर्ष में प्रवेश इस दुर्लभ संयोग के साथ करते हुए हमें विशेष आनंद की अनुभूति हो रही है। आगामी वर्षों में भी हम इसी तत्परता के साथ कृषि, सहकारिता और शिक्षा जगत की सेवा करते रहेंगे। हर वर्ष देशभर में सहकारिता सप्ताह 14 से 20 नवंबर तक मनाने की परंपरा पिछले 67 वर्षों से चली आ रही है। सहकारिता जगत में भी यह वर्ष विशेष महत्व लेकर आया है। केंद्र सरकार में सहकारिता के पृथक मंत्रालय की स्थापना ने इस वर्ष चार चांद लगा दिए हैं। इस मंत्रालय की कमान भी श्री अमित शाह जैसे सशक्त व्यक्ति के हाथों में सौंपी गई है। निश्चय ही उनके नेतृत्व में देश के सहकारिता जगत को नई उड़ान भरने के अवसर मिलेंगे। सहकारिता के माध्यम से सबके विकास का लक्ष्य हासिल करना मोदी सरकार की नीतियों में शामिल है। मध्यप्रदेश के सहकारिता जगत में भी यह वर्ष तिहरा संयोग लेकर आया है। श्योपुर जिले की ग्रामीण महिलाओं ने सहकारिता के आधार पर तीस लाख रुपए जुटाकर एक आक्सीजन संयंत्र खड़ा कर दिया जो सचमुच एक मिसाल है। उधर बालाघाट जिले में कोरोना महामारी के कारण बंद चावल मिल को श्रमिकों ने ही खरीद कर सहकारिता के माध्यम से चलाने का दुर्लभ कार्य किया है। इसी तरह खरगोन जिले की बंद पड़ी सनावद सूत मिल को अब सहकारिता के आधार पर मिल के ही श्रमिक संचालित करेंगे। मिल के श्रमिकों ने अपनी भविष्य निधि की राशि से इस मिल को खरीद लिया है। प्रदेश के सहकारिता इतिहास में इस तिहरे संयोग की वजह से यह वर्ष सदैव याद किया जाएगा।

शिवराजसिंह चौहान
मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश शासन
भोपाल-462004

शुभकामना संदेश

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रीय मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' अपने सफलतम 11 वर्ष पूर्ण कर 12वें वर्ष में प्रवेश करने जा रही है। इस अवसर पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

इन 11 वर्षों में 'हरियाली के रास्ते' ने अपनी निष्पक्ष पत्रकारिता के माध्यम से पाठकों में एक अलग पहचान बनाई है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आगे भी पत्रिका अपनी परंपरा और विश्वसनीयता को बनाए रखेगी।

मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(शिवराज सिंह चौहान)

डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया
मंत्री
सहकारिता, संसदीय कार्य
एवं सामान्य प्रशासन विभाग
मध्यप्रदेश शासन

निवास : बी-28, 74 बंगले
स्वामी दयानंद नगर,
भोपाल-462003

शुभकामना संदेश

मुझे जानकर बड़ा हर्ष हुआ कि कृषि, सहकारिता और स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित राष्ट्रीय मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के अपने 11 वर्ष पूर्ण कर 12वें वर्ष में प्रवेश करने के अवसर पर विशेषांक का प्रकाशन किया जा रहा है।

उक्त संग्रहणीय विशेषांक में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर प्रकाशित लेख, संस्मरण एवं रचनाएँ रुचिकर होने के साथ ही शिक्षाप्रद भी होगी तथा कृषि और सहकारिता क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ताओं के लिए उपयोगी साबित होगी।

विशेषांक की सफलता के लिए और समस्त प्रदेश वासियों को दीपावली पर्व की मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया)

गोपाल भार्गव
मंत्री
लोक निर्माण एवं कुटीर उद्योग
विभाग
मध्यप्रदेश शासन

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' अपने प्रकाशन के 12वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। कोई भी प्रकाशन लंबे समय तक सफलतापूर्वक तभी कार्य कर सकता है जब उसके द्वारा प्रकाशित सामग्री समसामयिक एवं उपयोगी हो। 'हरियाली के रास्ते' पत्रिका में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, कृषि एवं सहकारिता से संबंधित उपयोगी जानकारियाँ प्रकाशित होती रही हैं। पत्रिका भविष्य में भी उपयोगी विशेषांक प्रकाशित कर कृषि एवं सहकारिता के क्षेत्र में अपनी भूमिका का निर्वहन करती रहेगी। मेरी शुभकामनाएँ हैं कि यह पत्रिका उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर हो।

(गोपाल भार्गव)

नरोत्तम मिश्रा
मंत्री
गृह विभाग
मध्यप्रदेश शासन

निवास : बी-4, चार इमली
भोपाल
दूरभाष : 0755-2464232

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' नवंबर 2021 में अपने प्रकाशन के 12वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। पत्रिका में कृषि , सहकारिता और स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित सामग्री समय-समय पर प्रकाशित हो रही है जिससे इन क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ मिला है।

मैं उम्मीद करता हूँ कि पत्रिका द्वारा प्रकाशित 'सहकारिता विशेषांक 2021' में भी जनोपयोगी आलेख प्रकाशित होंगे।

इस विशेषांक के सफल प्रकाशन पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(नरोत्तम मिश्रा)

कमल पटेल
मंत्री
किसान कल्याण तथा कृषि
विकास विभाग
मध्यप्रदेश
एवं
प्रभारी मंत्री- खरगोन, छिंदवाड़ा

कार्यालय : कक्ष क्र. बी-205, द्वितीय तल,
वल्लभ भवन क्र. 2, मंत्रालय, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष : 0755-2708041
निवास : बी-10, चार इमली, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष एवं फैक्स : 0755-2760188,
2765511
ई-मेल : agrimin2020@gmail.com

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि 'हरियाली के रास्ते' पत्रिका के 11 वर्ष पूर्ण होने पर वर्षगाँठ विशेषांक 2021 का प्रकाशन किया जा रहा है। हरियाली के रास्ते पत्रिका में कृषि एवं सहकारिता से संबंधित जनोपयोगी जानकारियाँ प्रकाशित की जाती हैं जो कि किसानों एवं कृषि के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए उपयोगी रहती है।

'हरियाली के रास्ते' पत्रिका के 11 वर्ष पूर्ण होने पर वर्षगाँठ विशेषांक 2021 के प्रकाशन पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई।

(कमल पटेल)

उषा ठाकुर
मंत्री
पर्यटन एवं संस्कृति विभाग
मध्यप्रदेश शासन

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि 'हरियाली के रास्ते' विगत कई वर्षों से निरंतरता के साथ प्रकाशित हो रही है।

आपकी पत्रिका के माध्यम से कृषि, सहकारिता, स्थानीय प्रशासन एवं जन उपयोगी कल्याणकारी योजनाओं के विषयक सामयिक विषयों से एवं जन हितैषी सूचनाओं से समाज को लाभान्वित करते आ रहे हैं।

पत्रिका के 12वें वर्ष में प्रवेशांक को विशेषांक के रूप में प्रकाशित किये जाने पर हार्दिक शुभकामनाएँ।

सही/-
(उषा ठाकुर)

नरेश पाल कुमार
आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक
सहकारी संस्थाएँ,
मध्यप्रदेश

कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ, म.प्र.
विंध्याचल भवन, भोपाल
दूरभाष : 0755-2551513

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' नवंबर 2021 में अपने प्रकाशन के 12वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। पत्रिका में कृषि , सहकारिता और स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित सामग्री समय-समय पर प्रकाशित हो रही है जिससे लोगों को काफी लाभ मिला है।

मैं उम्मीद करता हूँ कि पत्रिका द्वारा प्रकाशित 'सहकारिता विशेषांक 2021' में भी जनोपयोगी आलेख प्रकाशित होंगे।

इस विशेषांक के सफल प्रकाशन पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(नरेश पाल कुमार)

पी.एस. तिवारी
प्रभारी प्रबंध संचालक

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित
टी.टी. नगर, भोपाल-462003

अपेक्स बैंक

शुभकामना संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि 'हरियाली के रास्ते' मासिक पत्रिका अपनी स्थापना के 11 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करते हुए 12वें स्थापना दिवस पर आगामी अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। इस पत्रिका ने विगत 11 वर्षों के दौरान निरंतर शासन के नीति-निर्देशों एवं योजनाओं के सकारात्मक पहलुओं को जन-जन तक पहुँचाने का सफल प्रयास भी किया है तथा पंचायत क्षेत्र से जुड़े सभी पहलुओं का भी सदैव ध्यान रखा है।

आपकी सफलता की अनवरत यात्रा सदैव जारी रहे, यही मंगल कामना करता हूँ।
शुभकामनाओं सहित

(पी.एस. तिवारी)

सभी किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

श्री चंद्रमौलि शुक्ला (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री महेन्द्र दीक्षित (उपायुक्त सहकारिता) | श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री पी.एस.पुरी

सौजन्य से

श्री मनोज कुमार तोमर (पर्य. खातेगाँव)

श्री विष्णु प्रसाद पवार (शा.प्र. कन्नौद)

श्री छगनसिंह कर्मा (पर्य. कन्नौद)

श्री राजेन्द्रसिंह राजावत (शा.प्र. खातेगाँव)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. खातेगाँव, जि.देवास
श्री दिनेश चौहान (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. अजनास, जि.देवास
श्री सुरेशचंद जोशी (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. इकलेरा, जि.देवास
श्री महेन्द्र सिंह राजावत (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. जियागाँव, जि.देवास
श्री बृजमोहन वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. सोमगाँव, जि.देवास
श्री बलराम यादव (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. पीपल्या नानकर, जि.देवास
श्री कैलाश मीणा (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. हरणगाँव, जि.देवास
श्री गजानंद शुक्ला (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. विक्रमपुर, जि.देवास
श्री दिनेशचंद शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पटरानी, जि.देवास
श्री कमलसिंह अरोरा (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. खल, जि.देवास
श्री महेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. मुरझाल, जि.देवास
श्री मनोहर पंवार (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. कांकरिया, जि.देवास
श्री संतोष जायसवाल (प्रबंधक)

उन्नत सेवा सह. संस्था मर्या. संदलपुर, जि.देवास
श्री रमेशचंद यादव (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. नेमावर, जि.देवास
श्री ओमप्रकाश शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कन्नौद, जि.देवास
श्री गोपाल पुरोहित (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कुसमानिया, जि.देवास
श्री दिलीप भारतीय (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. डोकाकुई, जि.देवास
श्री हरेन्द्रसिंह सेंधव (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. डोंगराखेड़ा, जि.देवास
श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. ननासा, जि.देवास
श्री संतोष व्यास (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बावड़ीखेड़ा, जि.देवास
श्री मोतीलाल मीणा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पानीगाँव, जि.देवास
श्री बलराम भूरिया (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बिजवाड़, जि.देवास
श्री सतीश जोशी (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. कलवार, जि.देवास
श्री ओमप्रकाश जोनवाल (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. खारपा, जि.देवास
श्री संतोष शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. थूरिया, जि.देवास
श्री पुरुषोत्तम चौबे (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

9 महीने में 100 करोड़

■ **नरेन्द्र मोदी**

प्रधानमंत्री

दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में मिली सफलता हमारे युवाओं, हमारे शोधकर्ताओं और सरकार के सभी स्तरों को सार्वजनिक सेवा वितरण के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करेगी जो न केवल हमारे देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक मॉडल होगा।

भारत ने टीकाकरण की शुरुआत के मात्र 9 महीनों बाद ही 21 अक्टूबर, 2021 को टीके की 100 करोड़ खुराक का लक्ष्य हासिल कर लिया है। कोविड-19 से मुकाबला करने में यह यात्रा अद्भुत रही है, विशेषकर जब हम याद करते हैं कि 2020 की शुरुआत में परिस्थितियां कैसी थीं। मानवता 100 साल बाद इस तरह की वैश्विक महामारी का सामना कर रही थी और किसी को भी इस वायरस के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। हमें यह स्मरण होता है कि उस समय स्थिति कितनी अप्रत्याशित थी, क्योंकि हम एक अज्ञात और अदृश्य दुश्मन का मुकाबला कर रहे थे, जो तेजी से अपना रूप भी बदल रहा था। चिंता से आश्वासन तक की यात्रा पूरी हो चुकी है और दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के फलस्वरूप हमारा देश और भी मजबूत होकर उभरा है।

इसे वास्तव में एक भगीरथ प्रयास मानना चाहिए, जिसमें समाज के कई वर्ग शामिल हुए हैं। पैमाने का अंदाजा लगाने के लिए, मान लें कि प्रत्येक टीकाकरण में एक स्वास्थ्यकर्मी को केवल 2 मिनट का समय लगता है। इस दर से, इस उपलब्धि को हासिल करने में लगभग 41 लाख मानव दिवस या लगभग 11 हजार मानव वर्ष लगे। गति और पैमाने को प्राप्त करने तथा इसे बनाए रखने के किसी भी प्रयास के लिए, सभी हितधारकों का विश्वास महत्वपूर्ण है। इस अभियान की सफलता के कारणों में से एक, वैक्सीन तथा बाद की प्रक्रिया के प्रति लोगों का भरोसा था, जो अविश्वास और भय पैदा करने के विभिन्न प्रयासों के बावजूद कायम रहा। हम लोगों में से कुछ ऐसे हैं, जो दैनिक जरूरतों के लिए भी विदेशी ब्रांडों पर भरोसा करते हैं। हालांकि, जब कोविड -19 वैक्सीन जैसी महत्वपूर्ण बात सामने आई, तो देशवासियों ने सर्वसम्मति से मेड इन इंडिया वैक्सीन पर भरोसा किया। यह एक महत्वपूर्ण मौलिक बदलाव है।

भारत का यह टीका अभियान इस बात का एक उदाहरण है कि अगर यहां के नागरिक और सरकार जनभागीदारी की भावना से लैस होकर एक साझा लक्ष्य के लिए मिलकर साथ

आएं, तो यह देश या कुछ हासिल कर सकता है। जब भारत ने अपना टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया, तो 130 करोड़ भारतीयों की क्षमताओं पर संदेह करने वाले कई लोग थे। कुछ लोगों ने कहा कि भारत को 34 साल लगेंगे। कुछ अन्य लोगों ने कहा कि लोग टीकाकरण के लिए आगे नहीं आएंगे। कुछ ने कहा कि टीकाकरण प्रक्रिया घोर कुप्रबंधन और अराजकता की शिकार होगी। कुछ ने तो यहां तक कह दिया कि भारत सप्लाई चेन को व्यवस्थित नहीं कर पाएगा। लेकिन जनता कर्फ्यू और उसके बाद के लॉकडाउन की तरह, भारत के लोगों ने यह दिखा दिया कि अगर उन्हें भरोसेमंद साथी बनाया जाए तो परिणाम कितने शानदार हो सकते हैं। जब हर कोई जिम्मेदारी उठा ले, तो कुछ भी असंभव नहीं है। हमारे स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को टीका लगाने के लिए कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में पहाड़ियों और नदियों को पार किया। हमारे युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कर्मियों, सामाजिक एवं धार्मिक नेताओं को इस बात का श्रेय जाता है कि टीका लेने के मामले में भारत को विकसित देशों की तुलना में बेहद कम हिचकिचाहट का सामना करना पड़ा है। अलग-अलग हितों से संबद्ध विभिन्न समूहों की ओर से टीकाकरण की प्रक्रिया में उन्हें प्राथमिकता देने का काफी दबाव था। लेकिन सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि हमारी अन्य योजनाओं की तरह ही टीकाकरण अभियान में भी कोई वीआईपी संस्कृति नहीं होगी। वर्ष 2020 की शुरुआत में जब दुनिया भर में कोविड -19 फैल रहा था, तो हमारे सामने यह बिल्कुल स्पष्ट था कि इस महामारी से अंततः टीकों की मदद से ही लड़ना होगा। हमने जल्दी तैयारी शुरू कर दी। हमने विशेषज्ञ समूहों का गठन किया और अप्रैल 2020 से ही एक रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया। आज तक केवल कुछ चुनिंदा देशों ने ही अपने स्वयं के टीके विकसित किए हैं। 180 से भी अधिक देश टीकों के लिए जिन उत्पादकों पर निर्भर हैं वे बेहद सीमित संख्या में हैं। यही नहीं, जहां एक ओर भारत ने 100 करोड़ खुराक का अविश्वसनीय या जादुई आंकड़ा सफलतापूर्वक पार कर लिया है, वहीं दूसरी ओर दर्जनों देश अब भी अपने यहां टीकों की आपूर्ति की बड़ी बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं।

जरा कल्पना कीजिए कि यदि भारत के पास अपना टीका नहीं होता तो क्या होता। इसका श्रेय निश्चित रूप से भारतीय वैज्ञानिकों और उद्यमियों को दिया जाना चाहिए जिन्होंने इस बेहद कठिन चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करने में अपनी ओर से कोई भी कसर नहीं छोड़ी। उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा और कड़ी मेहनत की बदौलत ही भारत टीकों के मामले में वास्तव में 'आत्मनिर्भर' बन गया है। इतनी बड़ी आबादी के लिए टीकों की व्यापक मांग को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए हमारे टीका निर्माताओं ने अपना उत्पादन स्तर वृहद रूप से बढ़ाकर यह साबित कर दिया है कि वे किसी से भी कम नहीं हैं।

एक ऐसे राष्ट्र में जहां सरकारों को देश की प्रगति में बाधक माना जाता था, हमारी सरकार इसके बजाय बड़ी तेजी से देश की प्रगति सुनिश्चित करने में सदैव अत्यंत मददगार रही है। हमारी सरकार ने पहले दिन से ही टीका निर्माताओं के साथ सहभागिता की और उन्हें संस्थागत सहायता, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं आवश्यक धनराशि मुहैया कराने के साथ-साथ नियामकीय प्रक्रियाओं को काफी तेज करने के रूप में भी हरसंभव सहयोग दिया। 'संपूर्ण सरकार' के हमारे दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप सरकार के सभी मंत्रालय वैक्सीन निर्माताओं की सहूलियत और किसी भी तरह की अड़चन को दूर करने के लिए एकजुट हो गए।

भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में सिर्फ उत्पादन करना ही काफी नहीं है। इसके लिए अंतिम व्यक्ति तक को टीका लगाने और निर्बाध लॉजिस्टिस पर भी फोकस होना चाहिए। जरा कल्पना करें कि टीके की एक शीशी को आखिरकार कैसे मंजिल तक पहुंचाया जाता है। पुणे या हैदराबाद स्थित किसी दवा संयंत्र से निकली शीशी को किसी भी राज्य के हब में भेजा जाता है, जहां से इसे जिला हब तक पहुंचाया जाता है। फिर वहां से इसे टीकाकरण केंद्र पहुंचाया जाता है। इसमें विमानों की उड़ानों और ट्रेनों के जरिए हजारों यात्राएं सुनिश्चित करनी पड़ती हैं। टीकों को सुरक्षित रखने के लिए इस पूरी यात्रा के दौरान तापमान को एक खास रेंज में बनाए रखना होता है, जिसकी निगरानी केंद्रीय रूप से की जाती है। इसके लिए 1 लाख से भी अधिक शीत-श्रृंखला (कोल्ड-चेन) उपकरणों का उपयोग किया गया। राज्यों को टीकों के वितरण कार्यक्रम की अग्रिम सूचना दी गई थी, ताकि वे अपने अभियान की बेहतर योजना बना सकें और टीके पूर्वनिर्धारित तिथि को ही उन तक सफलतापूर्वक पहुंच सकें।

टीकाकरण अभियान में भारत की सफलता ने पूरी दुनिया को यह भी दिखाया है कि लोकतंत्र हर उपलब्धि हासिल कर सकता है। मुझे उम्मीद है कि दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में मिली सफलता हमारे युवाओं, हमारे शोधकर्ताओं और सरकार के सभी स्तरों को सार्वजनिक सेवा वितरण के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करेगी जो न केवल हमारे देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक मॉडल होगा। ■

किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पी.एन. गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री पी.एस. धनवाल (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री अनिल दवे (शा.प्र. निसरपुर), श्री ओम नरेन्द्र सिसोदिया (शा.प्र. कानवन)
श्री अनिल राजपुरोहित (शा.प्र. बदनावर), श्री विनायक शर्मा (पर्यवेक्षक बदनावर)
श्री राजेन्द्र वर्मा (शा.प्र. केसूर), श्री बाबूलाल रघुवंशी (पर्यवेक्षक केसूर)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. निसरपुर, जि.धार
श्री दशरथ पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सन्दला, जि.धार
श्री कांतिलाल पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. चिखल्दा, जि.धार
श्री मोहम्मद मंसूरी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. धारसीखेड़ा, जि.धार
श्री ओमप्रकाश दशोरे (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सुसारी, जि.धार
श्री प्रवीण उपाध्याय (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. ढोलाना, जि.धार
श्री विनायक शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कानवन, जि.धार
श्री ओमप्रकाश चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. घटगारा, जि.धार
श्री गोपाल सिसोदिया (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. गाजनोद, जि.धार
श्री सदाशिव पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कठोडिया, जि.धार
श्री शंकरदास बैरागी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रेशमगारा, जि.धार
श्री शरद गेहलोत (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बखतगढ़, जि.धार
श्री धनपालसिंह चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बदनावर, जि.धार
श्री वरदीचंद पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. केसूर, जि.धार
श्री बाबूलाल रघुवंशी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. काछी बड़ौदा, जि.धार
श्री विनायक शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खाचरोदा, जि.धार
श्री महेश जोशी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

अंधेरे के विरुद्ध उजाले की खोज

■ विश्वनाथ त्रिपाठी

महंगाई, बेरोजगारी, कोरोना महामारी के भय ने हमें उत्साहहीन कर दिया है। हमें अंधकार के इन रूपों के विरुद्ध प्रकाश पर्व मनाना है। अगर हम वाकई इस देश की समृद्धि और कल्याण चाहते हैं, तो हमें महालक्ष्मी की समग्रता में पूजा करनी पड़ेगी और इस देश की विविधता का सम्मान करना पड़ेगा। मन के कलुष को मिटाना होगा, तभी ज्ञान और समृद्धि का प्रकाश फैलेगा।

रोशनी के उत्सव दीपावली में महालक्ष्मी की पूजा होती है। इसका शरद लक्ष्मी से बहुत गहरा संबंध है। शरद लक्ष्मी मतलब शरद की प्राकृतिक शोभा। वर्षा के उपरांत आकाश निरभ्र-निर्मल हो जाता है। चंद्र-ज्योत्सना निखर उठती है। न अधिक शीत होता है और न अधिक उष्णता। नदियों का जल शांत और स्वच्छ हो जाता है। कालिदास ने मंगल-स्नाता पार्वती की उपमा दी है वर्षा के उपरांत प्रफुल्लकाशा धरती से।

शरद लक्ष्मी का सौंदर्य खाली हाथ नहीं आता, वह धन-धान्य लेकर आता है। वर्षा में आकाश जो कुछ धरती को देता है, शरद में धरती उसे लौटा देती है। वह वसुधा हो जाती है। हम सब जानते हैं कि हमारे देश में पर्व-त्योहारों का संबंध ऋतुओं और उसके उत्पादन से है। सीधे शब्दों में कहें, तो दीपावली का संबंध कृषि सभ्यता है। वस्तुतः महालक्ष्मी काली रूपा और सरस्वती रूपा भी हैं। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने बताया है कि यह जो महालक्ष्मी हैं, वे आद्या शक्ति हैं यानी मूल शक्ति हैं।

महालक्ष्मी के तीन रूप हैं, एक काली हैं, दूसरी लक्ष्मी हैं और तीसरी सरस्वती हैं। वस्तुतः काली, लक्ष्मी और सरस्वती आद्या शक्ति के तीन रूप हैं। इन्हीं को त्रिपुर भैरवी कहा जाता है। काली तमोगुणी हैं, लक्ष्मी रजोगुणी हैं और सरस्वती सतोगुणी हैं। काली, लक्ष्मी और सरस्वती क्रमशः क्रिया, इच्छा और ज्ञान का प्रतीक हैं। यह देवी-त्रयी सार्वत्रिक, सर्वकालिक है। आप ज्ञान प्राप्त कर लें, इच्छा भी कर लें, लेकिन क्रिया न कर सकें, तो लक्ष्मी पूजन व्यर्थ जाएगा। दीपावली में सामान्यतः भौतिक समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पर्व मनाया जाता है।

अमावस्या घोर अंधकार का प्रतीक है और इसी रात्रि को दीपावली यानी प्रकाश का पर्व मनाया जाता है। यानी साफ है कि हम अंधकार पर प्रकाश के विजय का उत्सव मनाते हैं। अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की मनुष्य की आदिकालीन इच्छा रही है। तमसो मा

ज्योतिर्गमय। पारंपरिक रूप से अमीर-गरीब सभी अपने-अपने ढंग से दीपावली का उत्सव मनाते हैं और अपने लिए उजाले की खोज करते हैं। हर कोई अपने घर और उसके आसपास साफ-सफाई करता है, स्वच्छता का ध्यान रखता है, रोशनी का इंतजाम करता है।

अंधकार के अनेक रूप हैं और उन रूपों की खोज और उनके बारे में जानकारी हम केवल इतिहासबोध से कर सकते हैं। जब हम कहते हैं कि यह समय बड़ा अंधकारपूर्ण है, तो यह अंधकार किन रूपों में है, इसे तो हमारा समय ही बताएगा। इसलिए दीपावली तो हर वर्ष मनाई जाती है, लेकिन हर दीपावली नई होती है और हर अंधकार नया होता है। दीपावली मनाते हुए हमें ध्यान रखना होगा कि हमारे इस समय का अंधकार क्या है?

महंगाई, बेरोजगारी, महामारी, सांप्रदायिक विद्वेष-ये सब हमारे समय के अंधकार हैं। महामारी शुरू होने पर जब अचानक लॉकडाउन की घोषणा की गई, तो दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लाखों प्रवासी श्रमिक हजारों किलोमीटर दूर अपने गांव-घर की ओर पैदल ही चल पड़े। रास्ते में वे जिन भयावह कठिनाइयों को झेलते हुए महज अपनी और अपने परिजनों की जान बचाने के लिए पलायन कर रहे थे, उस समय के दृश्य देखकर आंखें भर जाती थीं और आज भी उस मंजर को याद कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

न जाने कितने रास्ते में ही भूख से मर गए, बहुत से लोग दुर्घटनाओं में मर गए। उनके प्रति प्रशासन तंत्र का संवेदनहीन रवैया भी अंधकार ही कहा जाएगा। यह हमारी मानसिक संकीर्णता और आर्थिक असमानता का अंधकार है कि एक तरफ हजारों-लाखों लोगों की नौकरियां छिन गईं, सैकड़ों लोग आत्महत्याएं कर रहे हैं, लाखों लोग भयंकर गरीबी में धकेल दिए गए, वहीं दूसरी तरफ अरबों रुपये खर्च कर आईपीएल का आयोजन हो रहा है। सेंसेक्स लगातार बढ़त पर है।

देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ गई है। अपार धन-संपत्तियां पैदा की जा रही हैं। यह सब हमारे समय के अंधकार के ही तो रूप हैं। एक तरफ संचय की समृद्धि का हिमालय है, दूसरी तरफ गरीबी का रसातल है। यह हमारे समय का महान अंधकार है-है अमानिशा, उगलता गगन घन अंधकार। आज हमारे समय में

अमावस्या घोर अंधकार का प्रतीक है और इसी रात्रि को दीपावली यानी प्रकाश का पर्व मनाया जाता है। यानी साफ है कि हम अंधकार पर प्रकाश के विजय का उत्सव मनाते हैं। अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की मनुष्य की आदिकालीन इच्छा रही है। तमसो मा ज्योतिर्गमय। पारंपरिक रूप से अमीर-गरीब सभी अपने-अपने ढंग से दीपावली का उत्सव मनाते हैं और अपने लिए उजाले की खोज करते हैं। हर कोई अपने घर और उसके आसपास साफ-सफाई करता है, स्वच्छता का ध्यान रखता है, रोशनी का इंतजाम करता है।

अंधकार का सबसे भयावह रूप प्रकृति का प्रकोप है।

पेड़-पौधे, नदियां-झरने, विविध प्रकार के जीव इस धरती की शोभा हैं। लेकिन हमने पेड़ों को काट डाला, पहाड़ों को खोद डाला, नदियों को प्रदूषित कर दिया और हवा में भी जहर घोल दिया। हम अंधेरे पर उजाले और अज्ञान पर ज्ञान के विजय का पर्व दीपावली मनाते हैं और उत्सव मनाते हुए हवा में पटाखों का जहर घोलने की नासमझी करते हैं! मनुष्य ने प्रकृति का शोषण करना ही विकास मान लिया है।

ऐसे में मुझे जयशंकर प्रसाद की कामायनी की याद आ रही है, जिसके नायक मनु ने श्रद्धा की उपेक्षा करके बुद्धि-केवल बुद्धि का भरोसा कर लिया है। वह बुद्धि और विवेक का अंतर भूल गया है। फलतः विकास विनाश का समानार्थक हो गया है। विवेकहीनता हमारे समय का सबसे भयावह अंधकार है। इस तरह सबका साथ-सबका विश्वास हमारी सांस्कृतिक उदारता की पारंपरिक सदिच्छा है, किंतु इस इच्छा रूपी लक्ष्मी को क्रिया से संयुक्त होना चाहिए। केवल इच्छा व्यर्थ होगी।

इच्छा को क्रिया और ज्ञान से युक्त होना चाहिए। महंगाई, बेरोजगारी, कोरोना महामारी के भय ने हमें उत्साहहीन कर दिया है। हमें अंधकार के इन रूपों के विरुद्ध प्रकाश पर्व मनाना है। इन समस्याओं से पार पाना है। हमारे देश की सबसे बड़ी विशेषता है-इसकी विविधता। यह विविधता इसकी घुट्टी में पड़ी है। लोग, भाषा, संस्कृति, रहन-सहन, पोशाकें, धर्म-पंथ, पर्व-त्योहार ही नहीं, ऋतुओं में भी विविधता है।

इस विविधता का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि यह विविधता ही हमारी आंतरिक शक्ति है। अगर कोई एकता की बात करता है, लेकिन विविधता का सम्मान न करके एकरूपता की वकालत करता है, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। एकता और एकरूपता अलग-अलग चीजें हैं। अगर हम वाकई इस देश की समृद्धि और कल्याण चाहते हैं, तो हमें महालक्ष्मी की समग्रता में पूजा करनी पड़ेगी और इस देश की विविधता का सम्मान करना पड़ेगा। मन के कलुष को मिटाना होगा, तभी ज्ञान और समृद्धि का प्रकाश फैलेगा। ■

समस्त कृषक भाइयों को दीपोत्सव की शुभकामनाएँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

- किसान क्रेडिट कार्ड
- कृषि यंत्र के लिए ऋण
- खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से

श्री सुरेश सोलंकी (शा.प्र. मांगल्या सड़क)
श्री धर्मेन्द्र चौहान (पर्य. मांगल्या सड़क)
श्री ओमप्रकाश चौहान (शा.प्र. क्षिप्रा)
श्री हरीश पाण्डेय (पर्य. क्षिप्रा)
श्री कमल किशोर मालवीय (शा.प्र. सांवेर)
श्री मांगीलाल पटेल (पर्य. सांवेर)
श्री तेजराम मालवीय (पर्य. सांवेर)

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक प्रभारी सीईओ)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मांगल्या सड़क, जि.इंदौर
श्री धर्मेन्द्र चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कदवाली खुर्द, जि.इंदौर
श्री कल्याणसिंह बरोठ (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरलई, जि.इंदौर
श्री मनीष परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पचोला, जि.इंदौर
श्री तेजराम मालवीय (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. टोड़ी, जि.इंदौर
श्री अजबसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. डकाच्या, जि.इंदौर
श्री माखनलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दर्जी कराड़िया, जि.इंदौर
श्री जितेन्द्र राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पुवार्डा हप्पा, जि.इंदौर
श्री कपिल राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सांवेर, जि.इंदौर
श्री माँगीलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ोदिया खान, जि.इंदौर
श्री जगदीश सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गुराण, जि.इंदौर
श्री हरीश पाण्डेय (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कुडाना, जि.इंदौर
श्री सुभाष चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जामोदी, जि.इंदौर
श्री सुरेश पिंडलाया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पलासिया, जि.इंदौर
श्री लाखनसिंह कुशवाह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. राजोदा, जि.इंदौर
श्री सुभाष चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोलसिन्दा, जि.इंदौर
श्री रामलाल वर्मा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

आत्मनिर्भरता की राह पर मप्र

■ **शिवराजसिंह चौहान**

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के स्वप्न को साकार करने के लिए आपका प्रेम और विश्वास मुझे प्राप्त होता रहेगा। आइये हम सब मिलकर स्वर्णिम, समृद्ध और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाएं।

आप सभी को मध्यप्रदेश के 66वें स्थापना दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। सच में आज का दिन पूरे प्रदेशवासियों के लिए प्रसन्नता का दिन है, हर तरफ उल्लास का माहौल है। आज से 65 वर्ष पहले देश के हृदय स्थल कहे जाने वाले मध्यप्रदेश की स्थापना हुई थी। मध्यप्रदेश ने इतने वर्षों में कई पड़ाव देखे हैं। कभी बीमारू राज्य कहे जाने वाले इस प्रदेश ने पिछले 15 वर्षों में विकास की करवट ली है। तभी से हमने समृद्ध और स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। उन्हीं की संकल्पना के अनुरूप हमने आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की परिकल्पना की। हमारा लक्ष्य वर्ष 2023 तक प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का है।

देखा जाए तो मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का बीज हमने आज से 15 वर्ष पहले ही रोपित कर दिया था। मैंने 15 वर्ष पूर्व जब पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, उस समय मध्यप्रदेश में मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोज़गार इन सभी सुविधाओं की प्रदेश में कमी थी। मैंने अपने जीवन का हर पल प्रदेश के विकास और लोगों के उत्थान के लिए समर्पित किया है। मैंने हर समय यह कोशिश की है कि मध्यप्रदेश की एक अलग पहचान पूरे देश में बने। पिछले डेढ़ दशक में प्रदेश में हुए सकारात्मक बदलाव व अधोसंरचना के निर्माण का हर नागरिक साक्षी है। आज मुझे इस बात का गर्व है कि आप सभी के सहयोग और आशीर्वाद से हम प्रदेश को बीमारू से विकासशील और विकासशील से आत्मनिर्भर की ओर अग्रसर करने में सफल हुए हैं।

सबसे पहले हमने सभी वर्गों से जुड़े लोगों की पंचायतें मुख्यमंत्री निवास पर बुलाईं और उनकी समस्याओं को करीब से समझा। चर्चा कर हर समस्या के अनुरूप योजनाएं शुरू कीं। महिलाओं को आत्मसम्मान और गरिमा प्रदान की। किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण, मेधावी विद्यार्थी योजना, लाडली लक्ष्मी, कन्या विवाह, संबल जैसी योजनाएं लागू कीं।

हमने प्रदेश में महिलाओं और बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के लिये योजनाएं

मध्यप्रदेश की तस्वीर बदलेगी ये 5 योजनाएँ

मध्यप्रदेश की गिनती देश के अग्रणी राज्यों में होने लगी है। देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया। इस संकल्प को पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश ने सबसे पहले पहल की। नतीजा यह रहा कि देश में मप्र ने सबसे पहले आत्मनिर्भर मप्र का रोडमैप तैयार किया। इस दौरान मप्र ने कुछ अभिनव योजनाओं की शुरुआत की। ये योजनाएँ मध्यप्रदेश की तस्वीर बदलने में बड़ा योगदान देंगी। आइये जानते हैं वे 5 योजनाएँ कौनसी हैं?

जल जीवन मिशन

जल-जीवन मिशन योजना प्रदेश के शहरी और ग्रामीण आबादी के बीच पेयजल संकट को हमेशा के लिए दूर कर देगी। मप्र सरकार ने वर्ष 2023 तक प्रदेश की पांच करोड़ से अधिक आबादी को इस योजना का फायदा देने का लक्ष्य तय किया गया है। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की राह में इस योजना को मील का पत्थर माना जा रहा है। इस योजना की विशेषता है कि इसमें भूमिगत जल का उपयोग नहीं किया जा रहा है। केवल सतही जल का उपयोग किया जा रहा है और पाइप के माध्यम से सुदूर गांवों तक पानी की पहुंच को आसान बनाया जा रहा है। प्रत्येक घर में नल के माध्यम से पानी की आपूर्ति होगी। इस योजना में 15 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की जा रही है।

गृह स्वामित्व योजना

गांव में चाहे पुश्तैनी घर हो या फिर ग्रामीण आबादी क्षेत्र में बना किसी भी व्यक्ति का घर। अब तक गृह स्वामी को उस घर का मालिकाना हक सरकारी रिकॉर्ड में नहीं मिल सका था। मध्यप्रदेश सरकार की स्वामित्व योजना अब ग्रामीणों को उनके घर मालिकाना हक दिलाने जा रही है। इसकी शुरुआत शुरू में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हरदा और सिवनी जिले से की गई थी, बाद में अब पूरे प्रदेश में लागू कर दी गई है। वर्ष 2023 तक सर्वे का काम पूरा कर सभी को उनके घरों का सरकारी रिकॉर्ड में भी स्वामी घोषित कर दिया जाएगा। फायदा यह होगा कि गृह स्वामी इस संपत्ति के आधार पर बैंक से कर्ज और वित्तीय सहायता ले सकेगा। इसे प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के नाम से देश में भी लागू किया है।

बनाई। बेटी के जन्म से लेकर संपूर्ण जीवन के साथ उनके सुखद जीवन की व्यवस्था की। महिलाओं के संपोषण और सुरक्षा पर काम किया। महिलाओं को स्व-सहायता समूह से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया। आज मेरे प्रदेश में 3 लाख से अधिक महिला स्व-सहायता समूह कार्य कर रहे हैं, इनमें 38 लाख 10 हजार महिलायें जुड़ी हुई हैं और आत्मनिर्भर हो रही हैं। हमने उनके द्वारा तैयार किए गये उत्पादों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की समुचित व्यवस्था की है। इनको इस वित्तीय वर्ष में 2550 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया जायेगा, जिसमें 600 करोड़ रुपये का ऋण उन्हें प्रदान किया जा चुका है।

अन्नदाता की खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए निरंतर प्रयास किये गये हैं। पहले उन्हें 18 प्रतिशत पर मिलने वाले ऋण को घटा कर 0 प्रतिशत पर उपलब्ध कराया। हमने कोरोना के संकटकालीन समय में भी एक लाख 49 हजार 670 करोड़ रुपये की राशि किसानों के खातों में डाली। हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों को पूरा सम्मान देते हुए किसानों के खाते में प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये किसान सम्मान निधि के देने प्रारंभ किये। इसमें हमने किसान कल्याण योजना के माध्यम से 4 हजार रुपये प्रतिवर्ष जोड़कर कुल 10 हजार रुपये प्रति वर्ष की राशि देना प्रारंभ की है। इसके अंतर्गत प्रदेश के 74 लाख 50 हजार किसानों को वर्ष 2020-2021 एवं 2021-2022 में मिलाकर लगभग 4500 करोड़ रुपये दिये हैं।

हमनें प्रदेश में गरीबों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रदेश के 6 लाख 20 हजार शहरी एवं ग्रामीण पथ व्यवसायियों को 10-10 हजार रुपये का ब्याज मुक्त ऋण उनकी आज़ीविका के लिये दिया है। इन पथ व्यवसायियों के खातों में कोरोना काल में भी एक-एक हजार की आर्थिक सहायता अलग से दी गई है।

प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिये हमने अनेक कार्य किये हैं। आज प्रदेश के हर जिले में प्राथमिक और शासकीय चिकित्सा केंद्रों का जाल बिछा हुआ है। जहां लोगों को समय पर उपचार मिल रहा है। प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत गरीबों को निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना में प्रदेश में 2 करोड़ 55 लाख से अधिक नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं। यह कार्ड बनाने में मध्यप्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर है। आज प्रदेश में 20 मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुके हैं। जननी एक्सप्रेस एवं निःशुल्क 108 सुविधा ने लाखों लोगों के प्राणों की रक्षा की है। कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जनभागीदारी मॉडल के माध्यम से प्रभावी नियंत्रण किया। इस मॉडल से मिले सुखद परिणामों का नतीजा है कि अन्य राज्यों ने भी जनभागीदारी मॉडल को अपनाया। प्रदेश में अब तक 7 करोड़ कोविड वैक्सीन की

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट

किसी राज्य की आर्थिक सेहत कैसी है, यह उस राज्य के शहरों को देख कर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। लिहाजा प्रदेश के इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन सहित सात शहरों को स्मार्ट सिटी में तब्दील करने का काम तेजी से चल रहा है। स्मार्ट बनाने के लिए 6566 करोड़ 70 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं। एक साथ 567 प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। इसके अलावा भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल का काम भी तेजी से चल रहा है। यह योजनाएं शहरी विकास को नई दिशा देने जा रही हैं। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश में शहरों के लिए जो रोडमैप तैयार किया गया है, उसमें इसे प्रमुखता से शामिल किया गया है।

कृषि अधोसंरचना विकास

किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लिए कृषि अधोसंरचना विकास योजना लागू की गई है। खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए जरूरी है कि किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी की जाए। राज्य सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए लगातार कोशिशों में लगी है। नतीजा अब मध्यप्रदेश कृषि क्षेत्र में भी देश के अग्रणी राज्यों में शुमार हो गया है। इसमें अब कृषि अधोसंरचना विकास योजना अब बड़ी भूमिका निभाने की तैयारी में है। कृषि क्षेत्र के चौतरफा विकास के लिए इस योजना को लांच किया गया है। एक वर्ष की अवधि में ही इस योजना पर 7500 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। यह योजना किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होगी।

महिलाओं को आर्थिक मजबूती

यदि मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है तो आधी आबादी यानी महिलाओं को भी आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त करना होगा। इस कड़ी में मप्र सरकार ने महिला स्व सहायता समूहों को सशक्त करने की योजना तैयार की गई है। इसके तहत मप्र में 44 हजार से अधिक गांवों में तीन लाख 22 हजार से अधिक स्व सहायता समूहों का गठन कर दिया गया है। इसके माध्यम से 36 लाख 53 हजार से अधिक महिलाओं को जोड़ा गया है। समूहों को 1400 करोड़ रुपए का कर्ज भी दिया गया है। अब तो इन समूहों के जिम्मे रेडी टू इट की जिमेदारी भी आ गई है। इन समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने के लिए भी कई उपाय किये जा रहे हैं।

डोज लगायी जा चुकी हैं जिसके कारण संभावित तीसरी लहर के खतरे को कम करने में कामयाब हुए हैं।

हमने जब प्रदेश का दायित्व संभाला तब कभी-कभी बिजली आती थी, अब प्रदेश के हर कोने में 24 घंटे बिजली उपलब्ध है। किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर बिजली मिल रही है। यही नहीं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है। प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाने का काम किया। सड़कों की प्राथमिकता तय करने और तकनीकी आधारित स्थिति के आंकलन के लिए रोड ऐसेट मैनेजमेंट सिस्टम की स्थापना की। नागरिकों को बेहतर सुविधाओं का लाभ मिले इसके लिए देश में पहली बार मध्यप्रदेश ने लोक सेवा गारंटी योजना शुरू की। सुशासन लाने के लिए स्थापित मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी से मिले सुखद परिणामों के बाद अन्य राज्यों ने भी इस मॉडल को अपनाया।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना भी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश के बेटा-बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले इसके लिए हमने मध्यप्रदेश में 9200 सीएम राइज स्कूल शुरू करने का निर्णय लिया। प्रदेश के प्रमुख मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीटों को बढ़ाए जाने का फैसला किया।

प्रदेश के युवाओं को रोज़गार देने की दिशा में भी हमने अनेक कदम उठाये हैं। प्रदेश में उद्योगों में वर्ष 2019-20 की तुलना में वर्ष 2021 में 40 प्रतिशत अधिक रोज़गार सृजित हुये हैं। पिछले 17 महीने में 880 नई औद्योगिक इकाई प्रारंभ हुई हैं जिनमें 16 हजार 700 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश हुआ है तथा 47 हजार से अधिक लोगों को रोज़गार प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार से प्रदेश में 1 हजार 893, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रारंभ हुए हैं, जिनमें 40 हजार लोगों को रोज़गार मिला है। प्रदेश में 13 नये क्लस्टर प्रारंभ होंगे, जिनमें लगभग 25 हजार लोगों को रोज़गार प्राप्त होगा। रोजगार सेतु पोर्टल के माध्यम से युवाओं एवं श्रमिकों के लिये रोज़गार की समुचित व्यवस्था की गयी है। युवाओं के पास स्वयं का अपना रोज़गार हो इसके लिए हम उनको मुख्यमंत्री स्व-रोज़गार के माध्यम से स्व-रोज़गार प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के माध्यम से युवा आज नौकरी देने की स्थिति में पहुंच गए हैं। इन सभी प्रयासों से तथा जनभागीदारी से हमारा प्रयास है कि हम जल्द ही मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनायें।

मैं आशा करता हूं कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के स्वप्न को साकार करने के लिए आपका प्रेम और विश्वास मुझे आगे भी उसी तरह प्राप्त होता रहेगा, जिस तरह से अब तक प्राप्त हुआ है। आइये हम सब मिलकर स्वर्णिम, समृद्ध और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाएं। आप सभी को मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर एक बार फिर बधाई और शुभकामनाएं। ■

सहकारिता के पितृ-पुरुष

मध्यप्रदेश में सहकारिता आंदोलन को ऊंचाई तक पहुँचाने के लिए अनेक लोगों का योगदान रहा है। छोटी-छोटी संस्थाओं की इकाई खड़ी करना और उसे दिन रात की मेहनत से दहाई में बदलकर सहकारिता क्षेत्र के कुछ आधार स्तंभों ने मप्र में दूर-दराज के क्षेत्रों तक विकास को ले जाने का काम किया है। हम प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सहकारिता को मजबूत बनाने के लिए काम करने वाले ऐसे ही कुछ कर्मवीरों को याद कर रहे हैं जिन्होंने कतार के अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने का सपना देखा और उसे साकार भी किया।

स्व.काशीप्रसादजी पांडे

स्व. पं. काशी प्रसादजी पांडे का जन्म 1887 में जानसन गंज (इलाहाबाद) में स्व. जयराम पांडे के घर में हुआ। आपने एम.ए. एल.एल.बी. तक शिक्षा प्राप्त की। पं. काशीप्रसादजी अनेक सहकारी संस्थाओं से संबद्ध रहे। 1922 से 1972 तक आप निरंतर विष्णुदत्त को-ऑपरेटिव बैंक, जबलपुर से जुड़े रहे। स्व. काशीप्रसादजी विष्णुदत्त को- ऑपरेटिव बैंक और राज्य सहकारी बैंक के संस्थापक सदस्य भी रहे। विष्णुदत्त को-ऑपरेटिव बैंक सिहोरा जो बाद में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के रूप में प्रसिद्ध देश की प्रथम सहकारी बैंक के रूप में प्रतिष्ठित हुई। आपका स्वर्गवास 1 मार्च 1984 को हुआ।

पं. रामगोपाल तिवारी

स्व. श्री पं. रामगोपाल तिवारी का जन्म 31 अगस्त 1917 को गणेश चतुर्थी के दिन बिलासपुर जिले में हुआ। आपकी शिक्षा और सहकारिता में गहरी रूचि रही है। 1951 में इन्होंने सहकारी बैंक के उपसचिव निर्वाचित हो सहकारिता के क्षेत्र में प्रवेश किया। 1956-73 के बीच के बिलासपुर जिला सहकारी संघ, उपभोक्ता भंडार एवं भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष एवं संचालक आदि पदों पर भी रहे। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के 10 वर्ष तक अध्यक्ष रहे हैं। प्रदेश के सभी सहकारी संस्थाओं के माध्यम से सहकारिता का प्रदेश व्यापी विस्तार प्रसार हुआ। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ भोपाल के भी 10 वर्ष तक अध्यक्ष रहे हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ मर्यादित (एन.सी.सी.एफ.), नई दिल्ली के निदेशक मंडल एवं कार्यकारिणी समिति के 1973 के सदस्य रहे। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर एक अद्वितीय सहकारी नेतृत्व के रूप में स्थापित रहे। राष्ट्रीय-उपभोक्ता सहकारी संघ दिल्ली के 1983 में 3 वर्षों के लिए अध्यक्ष निर्वाचित हुए तथा उसके गुणात्मक विकास में राष्ट्रव्यापी योगदान दिया। म.प्र. में इसका प्रथम कार्यालय खुलवाया। आपने सहकारिता के क्षेत्र में विश्व का व्यापक रूप से भ्रमण किया है।

स्व. लक्ष्मण प्रसाद भार्गव

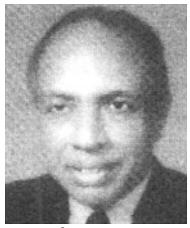

उज्जैन ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में कौन नही जानता बहुमुखी प्रतिमा के धनी सुप्रसिद्ध व लब्ध प्रतिष्ठित भार्गव परिवार में जन्मे स्वर्गी पं. राम प्रसादजी भार्गव के पुत्र स्व. श्री लक्ष्मणप्रसाद भार्गव को। प्रदेश ही नहीं वरन पूरे देश के सहकारी जगत में श्री लक्ष्मणप्रसाद भार्गव का नाम एक कर्मठ व सुयोग्य कार्यकर्ता के रूप में प्रख्यात रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर श्री भार्गव के सेवाओं को मान्यता प्रदान करते हुए भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री देवगोड़ा ने उन्हें 'बेस्ट को-ऑपरेटर' के सम्मान से नवाजा था। इसी प्रकार विधि जगत में श्री लक्ष्मणप्रसाद भार्गव की सेवाओं की मान्यता प्रदान कर बार काउंसिल ऑफ इंडिया का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश के प्रारंभ से ही वे सदस्य रहे तथा वर्षों तक उसके उपाध्यक्ष व अध्यक्ष रहे।

दाऊ सरदासिंहजी

स्व. श्री सरदारसिंह बुंदेला (दाऊ साब) का जन्म 9 मार्च 1927 को टीकमगढ़ जिले के ग्राम देवरदा में भुजबलसिंह बुंदेला के घर हुआ। इंटर पास दाऊ साब टीकमगढ़ जिले में सहकारिता आंदोलन के प्रवर्तकों में से थे। रचनाकार प्रथम पुरुष थे। टीकमगढ़ जिले में 1963 में सहकारी बैंक ने कार्य प्रारंभ किया था। हालाँकि 1956 में विंध्य सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि. रीवा की एक शाखा की स्थापना की गई थी। बाद में 1959 में अपेक्स बैंक की एक शाखा बुंदेलखंड के नाम से स्थापित की गई थी। जब 1 जुलाई 1963 को बैंक ने विधिवत कार्य प्रारंभ किया तो प्रथम सहकारी बैंक का प्रथम अध्यक्ष स्व.दाऊ साहब को निर्वाचित किया गया था तथा आप वर्ष 1967 से 1977 तक भी बैंक के अध्यक्ष रहे। आप 16 दिसंबर 1982 को असीम में विलीन हो गए।

स्व. श्री ताराचंद अग्रवाल

स्व. श्री ताराचंद अग्रवाल का जन्म 1 जुलाई 1932 को अम्बिकापुर में हुआ। आपने हिन्दी व राजनीति विज्ञान में

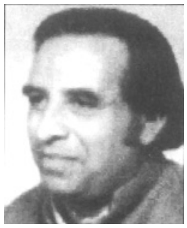

स्नातकोत्तर तक शिक्षा ली तथा एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की। स्व. श्री ताराचंद अग्रवाल म.प्र. की सहकारिता की अमूल्य धरोहर रहे हैं। आपने प्रदेश की शीर्ष सहकारी संस्थाओं में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आप म.प्र. राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक में 1966 से 1970 तक उपाध्यक्ष रहे तथा बाद में अध्यक्ष बने। आप राज्य सहकारी बैंक व राज्य सहकारी संघ में भी विभिन्न पदों पर आसीन रहे। सरगुजा जिला सहकारी भूमि विकास बैंक, जिला सहकारी संघ तथा विपणन सहकारी संस्था में भी पदाधिकारी रहे हैं।

आनंद नारायण मुशरान

श्री मुशरान सन् 1935 में नरसिंहपुर म्युनिसिपल कमेटी के सचिव, 1936 में लोकल बोर्ड के अध्यक्ष, 1937 में केंद्रीय सहकारी बैंक के संयुक्त मानसेवी सचिव, 1939 से 1942 तक जिला कौंसिल के अध्यक्ष, 1947 से 1952 तक नरसिंहपुर जनपद सभा के अध्यक्ष, 1957 से 63 तक केंद्रीय सहकारी बैंक के सचिव, 1965 से 66 तथा 74 में पुनः केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष, 1975 से 77 तक नरसिंहपुर जिला भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1972 से 75 तक मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक भोपाल के उपाध्यक्ष रहें। आपने अंतरराष्ट्रीय सहकारी महासंघ के आमंत्रण पर वर्ष 1974 में लंदन में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया था।

डॉ. नारायणप्रसाद सोनी

माँ नर्मदा नदी के पावन भूमि मंडला मुख्यालय से 20 कि.मी. दूरी पर स्थित ग्राम बम्हनी बंजर में दिनांक 19.3.1923 को डॉ. नारायण प्रसाद सोनी का जन्म हुआ। आप प्रारंभ से ही समाज सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों में जुड़े रहे। डॉ. सोनी विपणन सहकारी समिति मर्यादित, मंडला से बैंक का प्रतिनिधित्व करते हुए 11.7.72 को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित मंडला के अध्यक्ष पद पर पदासीन हुए तथा 5 वर्षों तक सराहनीय योगदान दिया। श्री सोनी 21.9.77 तक अध्यक्ष पद पर पदासीन रहे। इसी दरम्यान म.प्र. राज्य सहकारी बैंक, भोपाल के संचालक मंडल में संचालक पद पर बैंक का प्रतिनिधित्व किया। 14.8.85 को उनका देहावसान हुआ।

स्व. ठाकुर शिवकुमार सिंह

सहकारिता के विकास को नए आयाम देने वाले स्व. ठा.शिवकुमार सिंह का जन्म 26 जनवरी 1944 को श्री नवलसिंह के घर हुआ। एम.कॉम., एल.एल.बी करने के बाद आपको साहित्य रत्न की उपाधि दी गई। आप 1981 से नवलसिंह सहकारी शक्कर करखाना खलकोद के अध्यक्ष रहे तथा 1984 में नवलसिंह सूत मिल खरकौद की स्थापना की तथा संस्थापक अध्यक्ष भी बने। आपने बुरहानपुर नगर व जिले की अनेक सामाजिक सांस्कृतिक रहे। आप कृषि की उन्नति के लिए कृत संकल्प थे। ■

वर्गीकृत विज्ञापन सेवा

'हरियाली के रास्ते' के पाठकों और तहसील, पंचायत स्तर के छोटे विज्ञापनदाताओं के लिए वर्गीकृत विज्ञापन सेवा में आप निम्न प्रकार से विज्ञापन प्रकाशित करा सकते हैं।

व्यक्तिगत क्लासीफाइड

विज्ञापन के लिए निर्धारित कैटेगरी

खरीदना/बेचना, ट्रैक्टर ट्रॉली, थ्रेशर, खेत, मकान, मोटर, साइकल, पशु, मोटर, जनरेटर आदि, बीज, औषधीय फसल

मात्र 800 रु. में 4 माह तक प्रत्येक संस्करण अधिकतम 25 शब्द

अतिरिक्त शब्दों के लिए 3 रु. प्रति शब्द अधिकतम 40 शब्दों तक

प्रकाशन शुल्क का अग्रिम भुगतान नगद/ मनी ऑर्डर/ बैंक ड्राफ्ट द्वारा भेज सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :-

डिस्प्ले क्लासीफाइड

विज्ञापन के लिए निर्धारित कैटेगरी

बीज कंपनी, कीटनाशक, जैविक खाद, ट्रैवल्स, तीर्थयात्राएँ, आवश्यकता, ऑटोमोबाइल, कृषि सेवा केन्द्र, शिक्षण संस्थाएँ, प्रशिक्षण, बारदाने, कोल्ड स्टोरेज, गोदाम, होस्टल, वित्तीय सेवाएँ, चिकित्सा, एग्री क्लीनिक आदि

विज्ञापन दर : 15 रु./वर्ग सेमी/ प्रति अंक

आकार : न्यूनतम 4×5 सेमी = 20 वर्ग सेमी
अधिकतम 8×5 सेमी = 40 वर्ग सेमी

सम्पर्क करें : **हरियाली के रास्ते**

111/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर

मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186, ई-मेल : hariyalikeraste2010@gmail.com

सहकारिता में समन्वय जरूरी

■ **यशोवर्धन पाठक**

प्राचार्य, सहकारी प्रशिक्षण केंद्र जबलपुर

प्रबंध में समन्वय एक ऐसा कार्य है जो परस्पर सहयोग के बिना अपूर्ण है। जब तक कर्मचारियों में सहयोग नहीं होगा तब तक उनमें समन्वय भी उत्पन्न नहीं हो सकता। सहकारी क्षेत्र में भी शीर्ष प्रबंध को समन्वयन के लिए सक्रिय प्रयास इस प्रकार करना होगा जिससे कर्मचारियों को सुविधा भी हो और सहकारी संस्था का विकास भी।

सहकारी क्षेत्र का विकास विशेष रूप से सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों पर ही निर्भर है। सहकारी क्षेत्र के कर्मचारियों में निष्ठा और कर्तव्य परायणता के साथ परस्पर सहयोग का भी होना अति आवश्यक है। परस्पर सहयोग अर्थात 'एक सबके लिए और सब एक के लिए' की मूल भावना का विकास। परस्पर सहयोग के इस अनुपम व प्रेरक वाक्य को सहकारी संस्थाओं के कर्मचारी आत्मसात करें, इसके लिए जरूरी है कि उनमें समन्वय की भावना सम्मिलित हो। आज प्रायः देखने में आ रहा है कि सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों के मध्य समन्वय की भावना कम होती जा रही है जबकि यही समन्वय की भावना कर्मचारियों के मध्य अभिप्रेरणा और मनोबल दोनों को जाग्रत करने में एक मददगार माध्यम सिद्ध होती है।

समन्वय के लिए सक्रिय प्रबंध अत्यंत आवश्यक

कर्मचारियों के मध्य समन्वय कैसे स्थापित करें, इस पर विचार करने के पूर्व यह चिंतन आवश्यक हो जाता है कि हम यह जान लें कि समन्वय वास्तव में है क्या? किसी भी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सक्रिय प्रबंध आवश्यक है और यह सक्रिय प्रबंध निर्भर करता है प्रबंध के प्रमुख कार्यों के समुचित क्रियान्वयन पर क्योंकि प्रबंध के कार्यों के सफल प्रयोग के बिना किसी भी लक्ष्य की पूर्ति असंभव है। प्रबंध के जो कार्य सहकारी क्षेत्र में मान्य है उनमें समन्वय भी एक महत्वपूर्ण कार्य है। प्रबंध के कार्यों में नियोजन, संगठन, संचालन, नियंत्रण, पर्यवेक्षण, नेतृत्व के साथ ही समन्वय की भी प्रबंध के कार्य के रूपमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अगर यह कहा जाए कि प्रबंध के सभी कार्य एक-दूसरे के पूरक होते हैं तो यह गलत न होगा।

समन्वय को समझने के लिए समन्वय की एक ऐसी सार्थक परिभाषा पर चिंतन करना आवश्यक है जो कि समन्वय के आशय की गंभीरतापूर्वक स्पष्ट करती हो। इस दिशा में प्रबंध

के एक विद्वान चिंतक मेकफरलेंड की परिभाषा सहायक सिद्ध हो सकती है। मेकफरलेंड के अनुसार 'समन्वयन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक प्रबंधक अपने अधीनस्थों में सामूहिक प्रयास का एक सुव्यवस्थित स्वरूप विकसित करता है तथा सामूहिक उद्देश्य की प्राप्ति के लिए क्रिया संबंधी एकता स्थापित करता है।' उक्त परिभाषा से यह स्पष्ट होता है कि अपने अधीनस्थों में समन्वय की प्रक्रिया के अंतर्गत एक प्रबंधक सामूहिक प्रयास का एक सुव्यवस्थित स्वरूप का विकास कर क्षेत्र के कर्मचारियों में समन्वय की भावना का अभाव महसूस किया जा रहा है जो कि एक चिंतनीय पहलू है और इस पर आज के परिप्रेक्ष्य में विचार करना आवश्यक है।

जैसा कि मेकफरलेंड की परिभाषा में भी कहा गया है और अगर हम समन्वय की विशेषताओं पर विचार करें तो देखेंगे कि कर्मचारियों में समन्वय स्थापित करना सामान्यतया उच्चाधिकारियों का ही दायित्व होता है। और इसलिए जरूरी है कि संस्था के उच्चाधिकारी इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करें और विशेषकर सहकारी संस्थाओं के परिप्रेक्ष्य में जहाँ कि सामूहिक प्रयासों का सुव्यवस्थित स्वरूप विकसित करना संस्था के आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है। सहकारी संस्थाओं की गतिविधियाँ जो कि सहकारिता के सिद्धांतों पर आधारित होती है क्या वहाँ कर्मचारियों के क्रियाकलापों में आज सहयोग और समन्वय का स्वरूप नजर आ रहा है? आज की परिस्थितियों में यह एक विचारणीय तथ्य है क्योंकि सहकारिता और समन्वय को प्रबंध के क्षेत्र में संस्था और कर्मचारी दोनों के विकास के लिए एक-दूसरे का पूरक समझा जाता है। प्रबंध के अंतर्गत सहकारी संस्था से संबंधित कर्मचारियों में समन्वय के द्वारा प्रत्यक्ष संबंध स्थापित किया जा सकता है और यह सामूहिक प्रयासों का क्रमबद्ध संयोजन ही नहीं है वरन सामान्य उद्देश्यों की पूर्ति को सरल एवं सुविधाजनक भी बनाता है और इसीलिए समन्वय को प्रबंध का कार्य मात्र नहीं वरन सार भी कहा गया है। आज सामूहिक लक्ष्यों की पूर्ति के बिना समन्वय स्थापित करना कठिन है इसलिए जरूरी है कि इस पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया जाए कि सहकारी संस्थाओं के विकास के लिए कर्मचारियों में किस प्रकार समन्वय स्थापित किया जाए, लेकिन इस संबंध में यह समझना आवश्यक है कि समन्वय व्यक्ति के आंतरिक रूप से उत्पन्न वाली प्रक्रिया है जिसके लिए कर्मचारियों को बाध्य नहीं किया जा सकता है। इसके लिए अभिप्रेरणा और मनोबल के माध्यम से व्यक्ति के स्वभाव को समन्वय की ओर प्रेरित किया जा सकता है।

पर्याप्त सुविधाएँ और भरपूर सराहना जरूरी

आज देखा जा रहा है कि समन्वय के अभाव में कर्मचारियों में असंतोष की भावना बढ़ती जा रही है। कर्मचारियों में समन्वय की प्रबलता देखने उसी समय मिल सकती है जबकि शीर्ष प्रबंध कर्मचारियों से कार्य करवाने के लिए सार्थक उपाय न केवल सोचे बल्कि उसे अमल में लाएँ। कर्मचारियों में समन्वय की भावना उत्पन्न करने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि उन्हें जो कार्य सौंपा जाए उसे करने के लिए पर्याप्त सुविधा दी जाए और कार्य पूर्ण होने पर उनकी भरपूर सराहना भी की जाए। इससे उनमें उत्साह का संचार होगा और आगे कार्य करने के लिए प्रेरणा भी मिलेगी। कर्मचारियों में समन्वय उत्पन्न करने के लिए शीर्ष प्रबंध को स्वभाव और व्यवहार में बिना भेदभाव के निष्पक्षता और सरलता अपनाना होगी।

प्रबंध के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए हेनरी फेयोल ने प्रबंध के 14 सिद्धांतों का प्रतिपादन किया था। ये 14 सिद्धांतों का परिपालन प्रबंध में समन्वय सहित सभी कार्यों के विकास में सहायक सिद्ध हो सकता है। यह ध्यान रखना होगा कि प्रबंध में समन्वय एक ऐसा कार्य है जो परस्पर सहयोग के बिना अपूर्ण है। जब तक कर्मचारियों में सहयोग नहीं होगा तब तक उनमें समन्वय भी उत्पन्न नहीं हो सकता। पुराने समय की

एक फिल्म का गीत 'साथी हाथ बढ़ाना' आज भी सहयोग व समन्वय की भावना व वातावरण विकसित करने हेतु एक प्रासंगिक व प्रेरक गीत है।

कर्मचारियों में समन्वय किस प्रकार स्थापित किया जाए इसके लिए शीर्ष प्रबंध को ही मुख्य रूप से अपने दायित्वों का निर्वाह करना होगा। इसलिए जरूरी है कि सहकारी क्षेत्र में भी शीर्ष प्रबंध को समन्वयन के लिए सक्रिय प्रयास इस प्रकार करना होगा जिससे कर्मचारियों को सुविधा भी हो और सहकारी संस्था का विकास भी। ■

सभी किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ

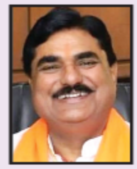

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

श्री जगदीश कन्नौज (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सह.)

श्री अम्बरीश वैद्य (उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आर.एस. वसुनिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से
श्री आशीष माहेश्वरी (शा.प्र. पारा)
श्री राधेश्याम बारिया (शा.प्र. कल्याणपुरा)
श्री देवेन्द्र मिश्रा (शा.प्र. पेटलावद)
श्री बी.एस. चौहान (शा.प्र. बामनिया)
श्री देवीसिंह कलमे (शा.प्र. रायपुरिया)
श्री संजय रोहित सिंह(शा.प्र. सारंगी)
श्री फूलसिंह डाबर (शा.प्र. उमराली)

आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. पारा, जि.झाबुआ श्री रणवीर सिंह (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. टेमरिया, जि.झाबुआ श्री कमलेश ओझा (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. मोहनकोट, जि.झाबुआ श्री रमेशचंद पाटीदार (प्रबंधक)
आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. पिथनपुर, जि.झाबुआ श्री संजय सादेरा (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. बामनिया, जि.झाबुआ श्री भेरूलाल पाटीदार (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. सारंगी, जि.झाबुआ श्री मनोहर वर्मा (प्रबंधक)
आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. रजला, जि.झाबुआ श्री इकमसिंह टैगोर (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. करवड़, जि.झाबुआ श्री रमेश सोलंकी (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. मठमठ, जि.झाबुआ श्री गेन्दालाल पाटीदार (प्रबंधक)
आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. खरडूबड़ी, जि.झाबुआ श्री माँगीलाल चोपड़ा (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. खवासा, जि.झाबुआ श्री विक्रम बैरागी (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. बोड़ायता, जि.झाबुआ श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार (प्रबंधक)
आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. कल्याणपुरा, जि.झाबुआ श्री शंकरसिंह निनामा (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. भामल, जि.झाबुआ श्री विक्रम बैरागी (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरवेट, जि.झाबुआ श्री अन्नूसिंह गामड़ (प्रबंधक)
आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. खेड़ा, जि.झाबुआ श्री नटवरसिंह नायक (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. रायपुरिया, जि.झाबुआ श्री लालसिंह डोडियार (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. उमराली, जि.अलीराजपुर श्री जगदीश डाबर(प्रबंधक)
आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. पेटलावद, जि.झाबुआ श्री कमलेश ओझा (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. बेकल्दा, जि.झाबुआ श्री भँवरसिंह चौहान (प्रबंधक)	आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. वालपुर, जि.अलीराजपुर श्री भेरूसिंह ओहरिया (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

संस्थाओं का मजबूतीकरण

सहकारी संस्थाएँ लगभग सभी क्षेत्रों में गठित की गई। लेकिन शासन के आदेश से रातोंरात संस्थाओं की स्थापना, सहकारिता विभाग के अधिकारियों तथा सहकारी कार्यकर्ताओं या नेताओं ने (यथा कथित) अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए कर दी। गत 58 वर्षों में, 40 हजार सहकारी संस्थाएँ सभी स्तर, प्राथमिक- जिला एवं राज्य की विभिन्न 38, वर्तमान में 50 जिलों में की गई। जिनके लिए संस्थाएँ स्थापित की गई, उन्हें अधिकांश को पता नहीं कि वे इनके मालिक हैं, प्रबंध एवं ग्राहक हैं। क्षेत्र में जनता इस अर्थव्यवस्था में विश्वास रखती है, उसे समझती है, इसका कोई ख्याल नहीं रखा गया। प्रदेश की राजधानी से गाँव तक सभी अधिकारियों ने अपने लक्ष्य पूरा करने तथा अपनी दक्षता दिखाने के लिए ऐसा कार्य किया तथा प्रशंसा प्राप्त की। कुछ संस्थाएँ जो विधिविधान पूर्वक स्वयं सदस्यों ने सोच-समझकर, विचार-विमर्श के पश्चात अपने साधनों से स्थापित की हो वे अल्प ही थी। परिणाम यह हुआ है कि अधिकांश क्षेत्रों में सहकारिता विफल हुई है। निष्क्रिय संस्थाएँ अनेक हैं, हानि में चलने वाली संस्थाएँ कम नहीं हैं। कुछ क्षेत्र यथा, उपभोक्ता, विपणन, हैंडलूम, साग-सब्जी विपणन, तिलहन इत्यादि में तो संस्थाओं की स्थिति- प्राथमिक स्तर पर अत्यंत दयनीय है। आवास सहकारिता, माफियाओं के लिए लाभ का साधन बन गई है। लघु वनोपज सहकारिता, वनाधिकारियों की जागीर बनकर रह गई है। सदस्य सहभागिता केवल लघु वनोपज संग्रहण में है, शेष में अता-पता नहीं। सहकारिता में प्रजातंत्र प्रबंध का मजाक देखना हो तो यह अच्छा क्षेत्र है। अधिकांश सहकारिताओं में कुशल प्रबंध का अभाव है। शासन का हस्तक्षेप चरम सीमा पर है। सदस्य सहभागिता की कमी है। लाभदेयता, उत्पादकता वित्तीय स्वावलंबन तथा सुदृढ़ता गायब है। तकनीकी का उपयोग नगण्य है। पारदर्शिता का मजाक बनाया जा रहा है। नियोजन की स्थिति भी चिंताजनक हैं, नियंत्रण कमजोर है।

कृषि साख सहकारिता : सहकारिता का पर्याय

कृषि साख सहकारिता (अल्पकालीन) बनकर रह गई है। इस त्रिस्तरीय संरचना में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक तथा उसकी 24 संभागीय एवं अमानत शाखाएँ, 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंकें तथा उनकी 400 शाखाएँ तहसील एवं विकासखंड स्तर पर कार्यरत हैं। इसके आधार- गाँव स्तर पर 4526 प्राथमिक कृषि साख समितियाँ गठित की गई हैं, जिन्हें लैम्पस, वृहताकार, सेवा समिति इत्यादि नाम से संबोधित करते हैं। सभी एक से कार्य करती है। मुख्यतः कृषि ऋण उपलब्ध कराना कुछ अमानतें-एकत्रित करना, शासन के आदेश से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत आवश्यक वस्तुओं का वितरण शासन की नीतियों के अंतर्गत करना। शासन की योजना के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूँ एवं सोयाबीन का उपार्जन करना। अधिकांश संस्थाएँ प्रायः प्रत्येक जिले के गाँवों में यही कार्य कर संस्थाएँ अपनी इतिश्री समझती हैं।

संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण के कतिपय पहलू

प्राथमिक कृषि सहकारी साख संस्थाओं की उपविधियों में लगभग 20-22 कार्य करने के लिए प्रावधान है। परंतु उपरोक्त के अलावा अन्य कार्य संस्थाएँ करती नहीं। कभी विचार-विमर्श भी नहीं होता है। अधिकांश को ज्ञात नहीं कि संस्थाएँ और क्या कर सकती हैं। जि.स.के. बैंक जो जिनकी संघ है तथा म.प्र. राज्य स. बैंक, अपैक्स बैंक शीर्ष संघ है, इन संस्थाओं को म.प्र. राज्य के सहकारी अधिनियम 1960 की धारा 47 के अंतर्गत मार्गदर्शन नहीं दे रहे हैं। उन कर्तव्यों को भी नहीं कर रही है। जिनके लिए इनकी स्थापना की गई है। केवल उनका उपयोग अपने व्यापार को बढ़ाने तथा लाभदेयता की वृद्धि हेतु कर रही है। प्राथमिक संस्थाओं की स्थिति दयनीय है, हकीकत यही है। लेकिन कोशिश अच्छा दर्शाने की जाती है। अतएव प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं को सभी दृष्टि से सुदृढ़ करने की परमावश्यकता है, यह 21वीं शताब्दी की पुकार है, जिसमें सभी संबंधित को अपना योगदान देना होगा। सुदृढ़ता के क्षेत्र निम्न हैं।

(1) सहकारी व्यापार का विविधिकरण- संस्थाएँ अपनी परिस्थितियों एवं क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी व्यावसायिक गतिविधियों का विविधीकरण करें। प्रस्तावित क्षेत्र (1) बीमा व्यवसाय (2) कृषि यंत्रों को किराए पर देना (3) फलों की खेती करना (4) मधुमक्खी पालन (5) हर्बल औषधि विक्रय (6) उपभोक्ता वस्तुओं हेतु विभागीय माल (7) सहकारी शिक्षण एवं कृषि मार्गदर्शन (8) बिजली, पानी तथा अन्य बिलों का भुगतान ग्रहण करना (9) डेरी तथा पशु उद्योग (10) बायो ऊर्जा उत्पादन (11) प्राथमिक शिक्षा (12) मनोरंजन केंद्र (13) हाट बाजार की व्यवस्था (14) शादी तथा अन्य उत्सवों हेतु टेंट तथा अन्य सामग्री उपलब्ध इत्यादि। इसमें इफको तथा कृभको योग प्रदान करें, एनसीडीसी भी योजना बनाए एवं नाबार्ड सक्रिय भूमिका निभाए। केंद्रीय बैंकों में समिति मार्गदर्शन एवं व्यवसाय विकास का विंग हो। इसके माध्यम से सतत क्रियाएँ की जाएँ।

(2) सदस्य सहभागिता- संस्था का प्रत्येक सदस्य समिति की वित्तीय, प्रबंधकीय एवं व्यावसायिक गतिविधि में सक्रिय भाग ले। इस हेतु उसे सभी क्षेत्रों का व्यवहारिक ज्ञान दिया जाए। आमसभा तथा प्रबंध समिति के विषय में उसे जागरूक किया जाने। उसे समझाया जाने की कुल व्यवसाय संस्था से करें। प्रत्येक को भलीभाँति जागरूक किया जाए। केंद्रीय बैंक तथा म.प्र. राज्य सहकारी बैंक को इस दिशा में आगे आना होगा।

अपनी इन सदस्य संस्थाओं के प्रति अपने क्षेत्र में आवश्यक मार्गदर्शन देना आवश्यक है। सहभागिता के रास्ते में जो समस्या है उनको हल करना होगा। शासन विकास एजेंसी की भूमिका निभाएँ। संस्था के प्रबंध प्रशासन को भी जागरुकता के साथ अपनी भूमिका निभाकर सदस्यों में विश्वास बढ़ाना होगा।

(3) प्रत्येक सदस्य किसी न किसी प्रकार से संस्था के कार्यों में सहभागिता करें- इस हेतु संस्था उन सभी कार्यों को सम्पादित करें, जो सदस्य चाहते हैं। उन्हें समय-समय पर सहभागिता हेतु प्रेरित किया जाए। सभी स्थानों पर मार्गदर्शन दिया जाए। सदस्य संस्था को व्यापार विकास एवं व्यवसाय कुशलता के विषय में सुझाव दें।

(4) समर्पित एवं ईमानदार संचालक मंडल एवं पदाधिकारी : संस्था सदस्य ऐसे संचालकों को निर्वाचित करें, जो समर्पित हों तथा संस्था के कार्यों को ईमानदारी तथा उसके हित की दृष्टि से कार्य करें। सच्चाई, समर्पण तथा नैतिकता से संस्था का विकास होता है। इस संबंध में सदस्य सदैव संचालकों का मूल्यांकन भी करते रहें। इससे संस्था का बहुमुखी विकास होगा एवं सदस्यों के हितों का संवर्द्धन होगा।

(5) विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रबंध की प्रशंसा : शासकीय विभागों के अधिकारियों को सदैव संस्था के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों के कार्य की प्रशंसा करनी चाहिए। उन्हें प्रोत्साहित करें, केवल गलतियाँ न निकालें बल्कि सुझाव देकर उन गलतियों को समाप्त करने का प्रयास करें। अच्छे कार्यकर्ताओं को प्रतिवर्ष सम्मानित किया जाए। उनके साथ संवर्द्धन की व्यवस्था करें। सभी के कार्यों में पारदर्शिता आए। संस्था अंकेक्षण निष्पक्षता से अपना कार्य करें। एक विकास एजेंट की भूमिका निभाएँ। संस्था के कार्यों में हस्तक्षेप न करें। विकास अधिकारी की भूमिका निभाएँ।

(6) समिति आमसभा एवं प्रबंध समिति मीटिंग नियमित आयोजित : संस्था की आमसभा भलीभाँति सम्पादित हों। आमसभा रिपोर्ट प्रकाशित हो। विषयों पर चर्चा हो। सबको विचार व्यक्त करने का अवसर दिया जाए। सभी संचालक सक्रिय रूप से भाग लें। एक औपचारिकता न रहे जो प्रायः होता है। सभी विषयों पर जो प्रस्ताव पारित हो, वे सभी को लिखित में भेजे जाएँ। संस्था की प्रबंध समिति मीटिंग नियमित एवं सतत रूप से आयोजित हो। विषयों पर पूर्ण चर्चा हो। सभी प्रपत्र विधिवत बने, प्रकाशित हों तथा सभी संबंधित को भेजी जाए। सामान्य सदस्यों को भी प्रबंध समिति में आमंत्रित करें।

(7) सभाओं में अन्य विभागों, संस्थाओं तथा विशेषज्ञों को आमंत्रण : समिति की सीमाओं में संबंधित विभागों, संस्थाओं तथा विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाए। उनसे समिति के समस्त कार्यों का सहकारी विशेषज्ञों को बुलाकर उनसे चर्चा करें। इससे सभी को मार्गदर्शन मिलेगा। प्रबंध कुशलता बढ़ेगी, नए व्यवसाय प्रारंभ किए जा सकेंगे।

(8) वन मैन शो- उन्मूलन : देखने में आया है कि एक-दो व्यक्ति संसार पर हावी हो जाते हैं। उन्हें शासन, विभाग तथा अन्य सहयोगियों का सहयोग मिलता है। इससे संस्था का भविष्य समाप्त हो जाता है। अतएव सब मिलकर इस 'शो' का उन्मूलन करें। सदस्य जागृति तथा सतत प्रशिक्षण आवश्यक प्रक्रिया है।

(9) सदस्य, प्रबंध एवं प्रशासन प्रशिक्षण : प्रत्येक बैंक में 'प्राथमिक संस्था शिक्षण, प्रशिक्षण एवं विकास का कक्ष स्थापित किया जाए। बैंक लाभ का 20 प्र.श. इस मद में अनिवार्य रूप से हस्तांतरित किया जाए। सदस्यों को कृषि एवं कृषि उत्पाद के विषय का व्यवहारिक प्रशिक्षण व्यवस्था करें। सहकारी प्रशिक्षण भी व्यवहारिक दिया जाए। विषय नित्य प्रति के व्यवहार के हों। संस्था प्रबंध हेतु सतत मार्गदर्शन व्यवस्था हो। संस्था की गतिविधि मूल्यांकन अध्ययन किया जाए। इस हेतु अनुभवी अधिकारी/शिक्षकों को विभिन्न क्षेत्रों से लिया जाए।

(10) संस्था प्रबंध एवं प्रशासन में समभाव तथा मार्गदर्शन : संस्था पदाधिकारी नीति निर्माण एवं मूल्यांकन का कार्य करें तथा शासन नीतियों का पालन करें। पदाधिकारी प्रशासन से मार्गदर्शन करें तथा कमियों को समझें। सभी से चर्चाकर संस्था की सही स्थिति का पता लगाएँ।

(11) संस्था ऑडिट तथा सुपरविजन- कुशल बनें : प्राथमिक संस्थाओं का ऑडिट- इतिहास बन गया है, नियंत्रण अस्त्र नहीं। ऑडिट की गुणवत्ता प्रश्नवाचक है। ऑडिट रिपोर्ट पर प्रबंध समिति सदस्यों से चर्चा नहीं होती। आवश्यकता यह है कि खाते रोज बंद हों, उनका कम्प्यूटरीकरण हो। जब तक नहीं होता है, रोकड़ का पूरा पेज कार्बन कापी से बनकर वापस भेजा जाए। ऑडिटर प्रशिक्षित हो। केंद्रीय बैंक मार्गदर्शन दें। शाखा का सुपरवाइजर सतत रूप से सुपरविजन करें। वर्तमान में स्थिति दयनीय है, परंतु दुरुपयोग बढ़ा है, प्रकरण कोर्ट में हैं। संस्थाएँ इस पर व्यवहारिक दृष्टि से काम करें।

(12) व्यवसाय विकास नियोजन : संस्थाओं का विकास नियोजन बनाया जाता है। वह एक औपचारिकता बन गई है। केंद्रीय बैंक तथा नाबार्ड खुश है कि संस्था ने व्यवसाय विकास नियोजन पत्रक बनाया है। व्यवहारिक नियोजन, मूल्यांकन सतत मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है।

उपरोक्त सुझावों के अतिरिक्त आज आवश्यकता है कि प्रत्येक ब्रांच के अनुसार समिति स्थिति पर चर्चा, सभी संबंधित करें। हकीकत को सब समझें। नाबार्ड, अपैक्स बैंक, केंद्रीय सहकारी बैंक, संबंधित सभी संगठन, इन ग्रामीण स्तर की संस्थाओं की स्थिति पर ध्यान दें। केवल अपना लाभ, अपनी आर्थिक स्थिति तथा अपना शीर्ष एवं शीर्षस्थ स्थान लंबे समय तक काम नहीं देगा। नाबार्ड के जिला अधिकारी, कृषि साख संस्थाओं का अखिल भारतीय संघ तथा सहकारिता विभाग। शाखानुसार समितियों की समीक्षा सही, व्यवहारिक कर उनक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के उपाय करें। सहकारी संघवाद, केवल अपने उद्देश्यों की पूर्ति की इजाजत नहीं देता है। आवश्यकता है संस्थाएँ सभी दृष्टि से सुदृढ़ हों, नाम की नहीं, काम की हकीकत को सामने लाया जाए। समय इंतजार नहीं करेगा। का वर्षा जब कृषि सुखाने। ■

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

दीपोत्सव की हार्दिक बधाइयाँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

सौजन्य से

श्री विजय कुमार अवास्या (शा.प्र. किल्लौद)
श्री श्रीराम राजपूत (पर्य. किल्लौद)
श्री विवेक जोशी (शा.प्र. खालवा)
श्री आर.सी. साकल्ये (पर्य. खालवा)
श्री प्रदीप दुबे (शा.प्र. खारकलां)
श्री वीरेन्द्रसिंह शेखावत (पर्य. खारकलां)
श्री गणेश प्रसाद मनकेल (शा.प्र. रोशनी)
श्री अनिल सातले (पर्य. रोशनी)

श्री जगदीश कन्नौज (बैंक प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सह.)

श्रीमती मीना डावर (उपायुक्त सहकारिता)

श्री ए.के. हरसोला (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

श्री गजेन्द्र अत्रे (वित्त प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गंभीर, जि.खंडवा
श्री विजयसिंह राजपूत (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खालवा, जि.खंडवा
श्री गणेश राजवैद्य (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खारकला, जि.खंडवा
श्री रविन्द्र दुशाने (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मालूद, जि.खंडवा
श्री मिनिल कुमार सोनी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गुलई, जि.खंडवा
श्री विक्रम अवाल्या (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खेड़ी, जि.खंडवा
श्री विजय राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बिल्लौद, जि.खंडवा
श्री शंकरसिंह चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सुंदरदेव, जि.खंडवा
श्री संतोष राजवैद्य (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. देवलीकलां, जि.खंडवा
श्री वीरेन्द्रसिंह शेखावत (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पिपलानी, जि.खंडवा
श्री श्रीरामसिंह राजपूत (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कालाआम खुर्द, जि.खंडवा
श्री सुनील गंगराड़े (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सुकवी, जि.खंडवा
श्री चम्पालाल राठौड़ (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोमगाँव खुर्द, जि.खंडवा
श्री श्रीरामसिंह राजपूत (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सेधावल, जि.खंडवा
श्री नासिर अहमद कुरैशी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. रोशनी, जि.खंडवा
श्री अनिल सातले (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खुदिया, जि.खंडवा
श्री दिनेश मार्कण्डेय (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कोठा, जि.खंडवा
श्री राजेश साँखला (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पाडल्या, जि.खंडवा
श्री सुभाष पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. किल्लौद, जि.खंडवा
श्री भगवतसिंह चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पोखरकलां, जि.खंडवा
श्री वीरेन्द्रसिंह शेखावत (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. धावड़ी, जि.खंडवा
श्री तुलसीराम पाल्दी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

समितियाँ ऐसे करें ऋण वसूली

■ ऋतुराज रंजन

वसूली का माहौल तैयार करने में संस्था के पदाधिकारी तथा क्षेत्र के लोक सेवक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। सर्वप्रथम इन व्यक्ति यों से वसूली प्रारंभ करना चाहिए। इसके बाद बड़े बकायादारों एवं पुराने कालातीत सदस्यों से वसूली की जानी चाहिए।

सहकारिता क्षेत्र में अन्य कई गतिविधियों के साथ एक सबसे महत्वपूर्ण कार्य है अपने सदस्यों को ऋण उपलब्ध कराना। इसे तकनीकी भाषा में साख कहते हैं। साख सहकारी समितियों के लिए यह एक सतत कार्य व्यापार है। समयावधि के मान से यह दो प्रकार की होती है-

(1) **अल्पकालीन साख :** यह बार-बार संपन्न होने वाले काम के लिए है। जैसे फसल के लिए ऋण देना। तब यह अल्पकालीन कहलाता है। इसे बार-बार वसूल कर फिर उन्हीं या नए सदस्यों को दे दिया जाता है।

(2) **दीर्घकालीन साख :** अधिक लागत एवं अधिक दिन चलने वाले कार्यों जैसे कूप निर्माण, ट्रैक्टर क्रय, भूमि विकास तथा भवन निर्माण आदि के लिए दिया जाने वाला ऋण दीर्घकालीन ऋण होता है।

सामान्य तौर पर वसूली की कार्यवाही में संस्था स्तर पर निम्न असावधानियाँ दृष्टिगत होती है, जिससे वसूली पर प्रतिकूल असर पड़ता है। अतः सर्वप्रथम इन असावधानियों को ध्यानपूर्वक दूर किया जाए एवं एक चेक लिस्ट बनाकर सुनिश्चित कर लिया जाए कि उन असावधावनियों/कमियों/ चूकों को दूर कर लिया गया है।

- सदस्य का के.वाय.सी. फार्म भराया जाना अनिवार्य है।
- भूमि के स्वामित्व से संबंधित अद्यतन दस्तावेज अनुसार संस्था के रिकॉर्ड में उसकी पूर्ति।
- सभी फसलों के लिए ऋणमान के नार्म्स अलग-अलग हैं जो किसान द्वारा फसल बोई जाए उस फसल के मान के हिसाब से ही ऋण स्वीकृत किया जाए ताकि इससे एक ओर जहाँ वसूली में आसानी होगी वहीं किसान को भी फसल बीमा की राशि प्राप्त कराने में असुविधा नहीं होगी।
- किसान को ऋण स्वीकृति के पूर्व इस बात का आकलन करना जरूरी है कि उस किसान की ऋण अदा करने की क्षमता है भी या नहीं।

ऋणों की अवधिवार सूची/सारणी तैयार करना

समिति अपने कालातीत एवं अकालातीत ऋणों के बकायादारों की ऋण की प्रकारवार सूची तैयार करें, बड़े बकायादारों अर्थात रु. 20 हजार से अधिक ऋण के कालातीत ऋणियों एवं एक ही परिवार के बकायादारों की पृथक-पृथक सूची बनाएँ, इसी प्रकार समितियों को प्रदत्त ऋणों की अवधिवार वर्गीकरण कर सूची तैयार की जाए एवं इन सूचियों की एक प्रति शाखा स्तर पर शाखा प्रबंधक के पास तथा मुख्यालय स्तर पर क्षेत्राधिकारियों के पास रखने की व्यवस्था की जाए।

यह भी देखने में आया है कि समितियों द्वारा जो माँग सूची/पंजी तैयार की जाती है उसके कालम अपूर्ण होते हैं, लिहाजा यह सुनिश्चित किया जाए कि माँग सूची/पंजी में सदस्य को ऋण वितरण दिनांक, जाति एवं सदस्य की अंशपूँजी का आवश्य रूप से कालम हो, साथ ही माँग सूची/पंजी में डिक्रीधारी ऋणियों के नाम के समक्ष लाल स्याही से मार्क बनाया जाए ताकि फील्ड भ्रमण के दौरान एक नजर में यह मालूम हो सके कि किस ग्राम में कितने डिक्रीधारी ऋणी हैं और अभी कितने ऋणियों के लिए और धारा 84 में वाद दायर कराए जाना शेष हैं। माँग सूची में वसूली योग्य अंशपूँजी का कालम अवश्य बनाएँ, ताकि वसूली करते समय मूलधन, ब्याज की वसूली के साथ-साथ बकाया अंशपूँजी की वसूली भी की जाए। माँग सूची का प्रारूप परिशिष्ट-1

- माँग सूची तैयार करने में कालातीत सदस्यों के नाम सावदानी

से भरे जाने चाहिए।

- धारा 84 में दावा दर्ज किए जाने वाले सदस्यों का सूची में उल्लेख होना चाहिए।
- डिक्रीधारी सदस्यों के विरुद्ध पुनः दावा दर्ज करने की आवश्यकता नहीं है।
- बड़े बकायादारों संस्था के पदाधिकारी एवं कर्मचारी एवं शासकीय सेवक को सूची में चिह्नित किया जाना आवश्यक है।

सदस्यों की माँग सूची तैयार करते समय माँग सूची के सभी कॉलम अनिवार्य रूप से भरे जाएँ। सात में उसमें स्पष्ट उल्लेख करें किन सदस्यों के विरुद्ध बिक्री प्राप्त हो चुकी है तथा किन सदस्यों पर धारा 84 में वाद दायर किया जाना है।

अवार्ड/दावा तैयार करवाने की कार्यवाही

30.6.2016 पर शेष कालातीत बकायादारों, जान-बूझकर वसूली नहीं करने वाले सदस्यों तथा समस्त योजनाओं के कालातीत ऋणियों के विरुद्ध शत-प्रतिशत प्रकरणों में दावे, अवार्ड की संपूर्ण कार्यवाही पूर्ण कर ली जाए तथा समिति स्तर पर धारा 84/84 'क' के दावे के प्रकरण तैयार कर न्यायालय सहायक/उप पंजीयक के यहाँ कार्यक्रम अनुसार समय पर प्रस्तुत करें।

- ऐसे प्रकरणों में जहाँ यह महसूस किया जाए कि कालातीत ऋणी धारा 64 अथवा धारा 84/84 'क' के विवाद के अंतर्गत निर्णय होने के पूर्व अपनी अचल संपत्ति को खुर्दबुर्द कर सकता है ऐसे प्रकरणों में सक्षम सहकारी न्यायालय से, निर्णय के पहले कुर्की का आदेश (अटेचमेंट बिफोर अवार्ड) लिया जा सकता है। सिविल प्रक्रिया संहिता- 1908 के आर्डर- 38 में दी गई प्रक्रिया के अंतर्गत निर्णय से पहले कुर्की की व्यवस्था म.प्र. सहकारी अधिनियम की धारा-68 के अंतर्गत दी गई है। इस प्रावधान का लाभ उपरोक्त परिस्थितियों में लिया जाकर अटेचमेंट बिफोर अवार्ड की कार्यवाही की जा सकती है। परिशिष्ट-2

प्रत्येक कालातीत ऋणी सदस्य का पृथक-पृथक वाद दायर किया जाना चाहिए यदि वाद दायर करते समय ऋणी द्वारा संपत्ति के खुर्द-बुर्द की संभावना हो तो अटेचमेंट बिफोर अवार्ड की कार्यवाही की जानी चाहिए।

वसूली कार्यक्रम का निर्धारण

संस्था ऋणों की माँग की स्थिति का आंकलन किया जाए तता मासिक वसूली के लक्ष्य आने वाली फसल के आधार पर निर्धारित किए जाएँ। फसलों के बाजार में विक्रय हेतु आने की स्थानीय स्थिति को ध्यान में रखकर माह अगस्त से आगामी वर्ष के माह जून तक शत प्रतिशत वसूली के लक्ष्य समितियों के लिए निर्धारित करें तथा मासिक लक्ष्य निर्धारित कर चार्ट बनाकर प्रत्येक संस्था एवं शाखा को भेजें।

खरीफ फसलों के मंडी में आते ही अक्टूबर से वसूली भ्रमण के लिए समिति स्टाफ को कार्यक्रम बनाने हेतु निर्देशित करना आवश्यक है। फसलें जैसे मूँग, मक्का, धान, सोयाबीन आदि अक्टूबर माह से आना प्रारंभ होती है, इसके अतिरिक्त नवंबर-दिसंबर में आने वाली फसलों तथा जनवरी, फरवरी एवं मार्च में मंडियों में आने वाली फसलों को ध्यान में रखकर सदस्यों से संपर्क करना तथा फसलों की बिक्री अनुसार वसूली प्राप्त करने की कार्यवाही करने से उपयोगी परिणाम प्राप्त हो सकेंगे। परिशिष्ट-3

वसूली कार्यक्रम का निर्धारण फसल को मंडी में पहुँचने के पूर्व समस्त वैधानिक कार्यवाहियों को पूर्ण कर लेना चाहिए।

- वसूली कार्यक्रम में धारा 84 में प्रभार प्रवर्तन का आदेश सितंबर माह तक प्राप्त होना चाहिए एवं वसूली अधिकारी से डिक्री माह अक्टूबर प्राप्त हो जाना चाहिए।
- यदि किसी कारण निर्धारित वसूली कलेंडर अनुसार वैधानिक कार्यवाही पूर्ण नहीं होती है तो माह जनवरी में पुनः एक बार कालातीत सदस्यों एवं उनके विरुद्ध प्राप्त डिक्री की समीक्षा की जाए।
- यदि कोई कालातीत सदस्य के विरुद्ध डिक्री प्राप्त नहीं है तो समस्त वैधानिक कार्यवाही जनवरी एवं फरवरी माह तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाना चाहिए।

सदस्य संपर्क रजिस्टर

समिति स्तर पर सदस्य संपर्क रजिस्टर समिति स्टाफ के कार्यक्षेत्र विभाजन अनुसार रखे जाएँ तथा प्रत्येक सदस्य से किन-किन तारीखों में कितनी बार संपर्क किया गया इसका उल्लेख उस रजिस्टर में हो। सदस्य ने कौन-कौनसी फसलें कितने एकड़ में बोई है, इसकी जानकारी भी संपर्क रजिस्टर में एकत्रित की जाए। सदस्य से बार-बार संपर्क होने पर वसूली का वातावरण बनता है तथा कालातीत ऋणियों से वसूली के सघन प्रयास होने पर ही वसूली प्राप्त हो सकती है। यदि फसल आते ही वसूली के प्रयासों के तहत कालातीत एवं अकालातीत ऋणियों से संपर्क किए जाएँ तथा उन्हें नोटिस तामीली कराई जाए, तो कृषकों द्वारा फसल का पैसा अन्य उपयोग में लेने के पूर्व सहकारी समिति के ऋण की वसूली पहले की जा सकती है। किसान के पास पहले जो पहुँचता है, वह उसी का कर्ज पहले चुकाता है। मासिक बैठक में संपर्क रजिस्टर बुलवाकर देखा जाए। अक्टूबर अंत तक संस्था के समस्त सदस्यों से संपर्क हो जाए तथा माह मार्च तक न्यूनतम तीन बार सदस्यों से संपर्क किया जाना सुनिश्चित करें। समिति स्तर पर संधारित की जाने वाली संपर्क पंजी का प्रारूप त्वरित संदर्भ हेतु संलग्न है। संपर्क वसूली करते समय टोकन वसूली प्राप्त रने का प्रयास कर रसीद काटने की व्यवस्था को प्रोत्साहित करें। परिशिष्ट-4

संपर्क करते समय सर्वप्रथम संस्था के कालातीत पदाधिकारी, कर्मचारी एवं शासकीय कर्मचारियों से संपर्क किया जाना चाहिए। इसके बाद बड़े बकायादारों से संपर्क किया जाए। संपर्क में वोहनी (टोकन वसूली) को रसीद काटकर अवश्य प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री विनोद सिंह (प्रशासक एवं उपायुक्त सह.)

श्री मगेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री अनूप जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री भगवान पाटीदार (शा.प्र. बागोद) श्री शिवराम यादव (शा.प्र. बालसमंद) श्री गजानंद निहाले (शा.प्र. आंजनगाँव)
श्री ओमप्रकाश रघुवंशी (शा.प्र. मं.का.खरगोन) श्री विष्णु पाटीदार (शा.प्र. निमरानी) श्री राजेन्द्र थोबाईत (पर्य. निमरानी)
श्री चंद्रभान पटेल (शा.प्र. सैलानी) श्री भगवान यादव (पर्य. सैलानी) श्री अशोक वैद्य (शा.प्र. गोगावाँ)
श्री शांतिलाल सोनी (पर्य. गोगावाँ) श्री रमेशचंद यादव (शा.प्र. बामंदी) श्री भगवान पाटीदार (शा.प्र. सिनगुन)
श्री शोभाराम अवचरे (पर्य. सिनगुन) श्री के.डी. यादव (शा.प्र. ठीबगाँव) श्री सुंदरलाल पाटीदार (पर्य. ठीबगाँव)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बागोद, जि.खरगोन श्री नवीन शर्मा (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बामखल, जि.खरगोन श्री प्रभुदयाल यादव (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. जेठवाय, जि.खरगोन श्री यशवंत पटेल (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. लोहारी, जि.खरगोन श्री गणेश यादव (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बालसमंद, जि.खरगोन श्री विट्ठल पटेल (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. गोगाँवा, जि.खरगोन श्री पर्वतसिंह गेहलोत (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भीलगाँव, जि.खरगोन श्री भोलूसिंह मंडलोई (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. अंदड़, जि.खरगोन श्री के.सी. यादव (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. आंजनगाँव, जि.खरगोन श्री विनोद बिल्लौरे (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बिटनेरा, जि.खरगोन श्री शांतिलाल सोलंकी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कालधा, जि.खरगोन श्री विष्णु लाड़ (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बामंदी, जि.खरगोन श्री विजय पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मेनगाँव, जि.खरगोन श्री शंकरलाल पाटीदार (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बलकवाड़ा, जि.खरगोन श्री कर्मेन्द्र मंडलोई (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. नागझिरी, जि.खरगोन श्री नारायण चौधरी (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. साटकुर, जि.खरगोन श्री हुकुम पटेल (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. निमरानी, जि.खरगोन श्री शिवराम यादव (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सिनगुन, जि.खरगोन श्री शोभाराम अवचरे (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भोइंदा, जि.खरगोन श्री राजेन्द्र थोबाइत (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मलतार, जि.खरगोन श्री तिलक यादव (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पीपलझोपा, जि.खरगोन श्री सुरेशसिंह निकुम (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. डाबरी, जि.खरगोन श्री परसराम कामले (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सैलानी, जि.खरगोन श्री नंदराम मंडलोई (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. ठीबगाँव, जि.खरगोन श्री गजानंद पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. ओझरा, जि.खरगोन श्री राधाकृष्ण तारे (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बलवाड़ी, जि.खरगोन श्री प्रेमलाल यादव (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

बकाया कालातीत ऋण की वसूली वरीयता में

● शासकीय/अशासकीय संस्थाओं के कर्मचारियों पर बकाया कालातीत ऋण की विभागवार सूची तैयार कर उनके वेतन से राशि काटने हेतु कलेक्टर के माध्यम से नियोक्ता को पत्र जारी करवाकर वसूली सुनिश्चित की जाए। यह भी उल्लेखनीय है कि म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम- 1965 की धारा-17 के अंतर्गत किसी भी शासकीय सेवक को ऋण प्राप्त करने के पूर्व अपने कार्यालय प्रमुख की अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है। कई बार ऐसे दृष्टांत प्रकाश में आए हैं कि विभागीय कर्मचारियों द्वारा अपने नियोक्ता से इस संबंध में अनुमति न लेते हुए बैंकों/समितियों से ऋण प्राप्त किया है। ऐसी दशा में नियोक्ता यह कहकर अपनी जवाबदेही से मुक्त हो जाते हैं कि उनके द्वारा चूँकि कोई अनुमति नहीं दी गई है लिहाजा ऋणी कर्मचारी के वेतन से ऋण राशि/कालातीत किस्त राशि काटने का कोई प्रश्न नहीं उठता है। ऐसी दशा में म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम- 1965 की धारा-17 के अंतर्गत ऐसे नियोक्ताओं को उनके कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही (ऋणग्रस्त- Indebtness; होने की सूचना अपने नियोक्ता को न देना ग्रास मिसकंडक्ट/ दुराचार के अंतर्गत वर्गीकृत है) करने के लिए बैंक, जिला कलेक्टर के माध्यम से उन्हें निर्देश जारी करवाएँ तथा ऐसे ऋणी कर्मचारियों के विरुद्ध यथोक्त कार्यवाही हुई है या नहीं इसके लिए आवश्यक फॉलोअप सिस्टम को भी डेवलप करें।

● दीर्घकालिक दोषियों अर्थात क्रानिक डिफाल्टर्स (जो शासकीय/ अर्द्धशासकीय सेवा में कार्यरत नहीं है) को कलेक्टर के हस्ताक्षर से सूचना पत्र जारी करवाने से अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं। इस हेतु जिला कलेक्टर इन क्रानिक डिफाल्टर्स को अच्छे एवं कानून पालक नागरिक का कर्तव्य पालन न करने का हवाला देते हुए पत्र जारी कर सकते हैं। अतः जिला प्रशासन का सहयोग, प्रभावी लोगों से वसूली प्राप्त करने में किया जाए।

● समितियों के अनुसूचित जाति/जनजाति के ऐसे सदस्य, जिनके द्वारा लिया गया ऋण, योजना के निष्फल होने या अन्य कारकों के विपरीत प्रभाव के कारणों से फलीभूत नहीं हुआ है या कृषक सदस्य के नाम से फर्जी रूप से नामे कर दिया गया हो, ऐसी दशा में म.प्र. शासन की 'संदिग्ध ऋण दायित्व निवारण योजना' के अंतर्गत जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति में प्रकरण को प्रस्तुत करवाकर, क्लेम प्राप्त करने हेतु जिला कलेक्टर का सहयोग प्राप्त किया जाए।

● व्यवहार में पाया गया है कि समिति में कार्यरत समिति प्रबंधक, सहायक समिति प्रबंधक, लिपिक/विक्रेता, चौकीदार, भृत्यों को दिए गए ऋण की वसूली में जान-बूझकर इनका नाम माँग सूची में सम्मिलित नहीं किया जाता है। यह भी देखा गया है कि इन्हीं कर्मचारियों के संबंधियों के नाम भी माँग सूची में प्रदर्शित नहीं किए जाते हैं। अतः इनकी समिति वार पृथक से माँग सूची बनाकर वसूली की जाए।

● समितियों के संचालक मंडल एवं उनके परिजनों को दिए गए ऋण की वसूली में समिति प्रबंधक दबाव में आकर वसूली नहीं कर पाते हैं। अतः संचालक मंडल एवं उनके परिजनों की वसूली की माँग सूची उप पंजीयक सहकारी संस्थाएँ को प्रेषित करते हुए वसूली की कार्यवाही की जाए।

प्रथमतः यह कोशिश की जाए कि शासकीय एवं अशासकीय कर्मचारियों से कालातीत ऋणों की वसूली प्राप्त करने हेतु जिलाध्यक्ष महोदय से आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाए। कतिपय स्थितियों में यदि ऐसा महसूस होता है कि स्थानीय प्रशासन/संबंधित विभागों से वांछित सहयोग प्राप्त नहीं हो रहा है तो उस दशा में पंजीयक, सहकारिता को वस्तुस्थिति से अवगत कराया जाए एवं आवश्यक सहयोग लिया जाए। इसके अतिरिक्त बैंक एवं संबद्ध समितियों से सहकारिता विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के द्वारा जो ऋण लिए गए हैं, उनकी सूची भी तैयार कर सीधे पंजीय, सहाकारी संस्थाएँ, म.प्र. को प्रेषित की जाए।

वसूली के तरीके

ऐसे चिह्नित प्रकरण जो कि कतिपय रूप से अत्यधिक उलझे/विवादित हों, उन प्रकरणों में या जहाँ पर हितग्राही की ऋण भुगतान क्षमता/आर्थिक दशा कतिपय कारणों से अत्यधिक दुर्बल हो गई हो, वहाँ पर शाखा प्रबंधक, मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के परामर्श से न्यूनतम वसूली योग्य राशि (मिनिमम रिकवरेबल एमाउंट- एम.आर.ए.) निर्धारित कर लोक अदालतों में प्रकरण प्रस्तुत कर, प्रकरणों को निपटाने का प्रयास कर सकते हैं। लोक अदालतों के निर्णय एवं डिक्री कानूनी मान्यता प्राप्त हैं और यह सभी पर बंधनकारी है, इसलिए जिन बैंकिंग विवादों में विवादित राशि रु. बीस लाख से कम हो, ऐसे विवादों को लोक अदालत के माध्यम से निपटान करना लाभकारी होगा। यहाँ यह इंगित करना जरूरी होगा कि लोक अदालतों के गठन के बारे में लीगल सर्विसेस अथॉरिटी एक्ट-1987 की धारा-19 एवं 20 में आवश्य प्रावधान किए गए हैं तथा म.प्र. शासन विधि एवं विधायी कार्य विभाग के परिपत्र क्रमांक- 723/21- ब (दो), दिनांक 21.3.2002 द्वारा पूर्व में प्रत्येक विभाग में पृथक से लोक अदालत के आयोजन के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में उचित फार्मूला एवं योग्य नीति अपनायी जाकर, तदुपरांत प्रकरणों को बैंक के संचालक मंडल में प्रस्तुत कर लोक अदालत के माध्यम से निपटान की कार्यवाही तत्काल की जाए।

यह देखने में आया है कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक एवं संबद्ध प्राथमिक कृषि साक समितियों द्वारा इसका पूरा लाभ नहीं उठाया जा रहा है। जिला बैंकों द्वारा अपने एवं प्राथमिक कृषि साख समितियों के कालातीत सदस्यों से लोक अदालत योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं योजना के तहत समझौता करने हेतु सघन रूप से शाखा स्तर पर/ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल कैंप लगाया जाए। इस कैंप में मुख्यालय के सभी वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी अपरिहार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। समिति सेवकों/पर्यवेक्षकों द्वारा लोक अदालत योजना का पूर्ण रूप से अध्ययन नहीं किया जाता है, फलस्वरूप उनके द्वारा इस संबंध

में किए गए प्रयास पूर्ण एवं ठोस नहीं होते हैं, लिहाजा कैंप लगाने का उद्देश्य यह है कि एक तो मौके पर ही प्रकरणों के त्वरित एवं सुनिश्चित निराकरण हो सकेगा, दूसरा यह कि ग्रामीण क्षेत्रों में इसका भली-भाँति प्रचार होने से अधिक से अधिक कालातीत ऋणियों से समझौता हो सकेगा एवं किसी प्रकार के विवाद अथवा द्वितीयक राय (सेकंडरी ओपिनियन) लेने का कोई मौका नहीं रहेगा। साथ ही फील्ड स्टाफ का भी इस योजना के प्रति पूर्ण ज्ञान एवं आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। वसूली में सर्वप्रथम काउंसलिंग के माध्यम से वसूली का प्रयास किया जाना चाहिए। इसके बाद प्रशासकीय कार्यवाही एवं वैधानिक कार्यवाही की प्रक्रिया प्रारंभ करना चाहिए। पुराने कालातीत ऋणियों को लोक अदालत के माध्यम से समझौता कर वसूली का प्रयास किया जाना चाहिए।

वसूली मनोविज्ञान

यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो कि सामान्य जनजीवन के मनोविज्ञान से जुड़ा हुआ है। हम सभी भली-भाँति अवगत है कि हम अपने कार्य की शुरुआत किसी धनात्मक एवं शुभ संकेत से ही करते हैं, जैसे कि- कोई व्यापारी सुबह उधार सामान नहीं बेचता है। इसी मनोविज्ञान का उपयोग हम अपनी वसूली अभियान में कर सकते हैं। सर्वप्रथम बड़े ऋणी काश्तकारों का सम्मिलन आयोजित कर उनसे वसूली की चर्चा करना, उन्हें प्रोत्साहित कर विश्वास लेना अत्यंत आवश्यक है। तत्पश्चात यही प्रक्रिया छोटे ऋणी काश्तकारों के साथ की जानी चाहिए। हमें करना यह है कि जब भी हम ऋणी काश्तकार से वसूली लेने जाएँ, हम खाली हाथ न लौटें। इस संबंध में काश्तकार से यह कहा जाए कि भले ही ऋण चुकता करने के लिए वह बड़ी राशि न दे, हम अपने दिन की शुरुअत या आपके लिए अपनी बोहनी खराब नहीं करना चाहते हैं, अतः थोड़ी ही राशि अंशपूँजी कमी/वसूली के रूप में दे। चूँकि अस कार्यक्रम के अंतर्गत हम अपने प्रत्येक काश्तकार से कुछ न कुछ रकम प्राप्त करेंगे फलस्वरूप यह प्रक्रिया समिति स्तर पर प्रथमतया अंश पूँजी की कमी को पूरा करने में सहायक होगी एवं उसके बाद ऋणी के प्रति समिति की माँग को धीरे-धीरे कम करेगी।

सामान्यतः यह देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों के कुछ छोटे एवं बड़े काश्तकार स्थायी रूप से शहरों में निवास करते हैं और ऋण लेने के दौरान वे संबंधित समिति में जाकर ऋण प्राप्त करते हैं। ऐसी दशा में वसूली के दौरान ग्राम में उनसे संपर्क नहीं हो पाता है और वे दीर्घकालिक कालातीत ऋणी हो जाते हैं। अनुभव से यह पाया गया है कि इन काश्तकारों से शहर से संपर्क करने पर उनसे वसूली की राशि अपेक्षाकृत आसानी से प्राप्त हो जाती है। चूँकि वसूली के माहों के दौरान वसूली स्टॉफ का सारा ध्यान ग्रामीण क्षेत्रों में ही केंद्रित रहता है, अतः इस प्रकार के ऋणी संपर्क होने से छूट जाते हैं। इस संबंध में निम्न कार्यवाही की जा सकती है-

- तदुपरांत इनके शहर के निवास के पते पर इस आशय का सूचना पत्र भिजवाएँ कि उनके द्वारा समिति में दिए गए पते के अलावा अन्यत्र निवास किया जा रहा है तथा वसूली के दौरान ग्राम में उनसे संपर्क नहीं हो पाता है लिहाजा कालातीत ऋण राशि जमा कराएँ।
- उक्त ऋणियों के द्वारा यदि कालातीत ऋण राशि जमा नहीं कराई जाती है तब माह के कम से कम 3 दिनों में समस्त संबंधित समितियों के स्टाफ को लेकर एक बड़ा शहरी वसूली दल बनाया जाकर (जिसमें कम से कम 10 से 15 कर्मचारी हों) शहर में इस प्रकार के ऋणियों से संपर्क किया जाए।
- कोशिश यह की जाए कि यह कार्यक्रम सुबह 8 बजे से शुरू हो एवं सूर्यास्त के ठीक पूर्व तक चलता रहे एवं अधिकतम संख्या में इस प्रकार के ऋणियों से संपर्क कर वसूली प्राप्त की जाए।
- यह भी उचित होगा कि इस संबंध में स्थानीय प्रशासन/पुलिस के नुमाइंदों की भी उपस्थिति रहे।
- इस शहरी वसूली कार्यक्रम के अंतर्गत ऋणी की हैसियत/सामाजिक परिस्थियों को ध्यान में रखकर अन्य प्रकार के भी अभिनव/सृजनात्मक तरीके अपनाए जा सकते हैं।
- कुल मिलाकर इस शहरी वसूली कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि कालातीत ऋणियों पर भारी सामाजिक दबाव बने एवं इस प्रकार के कार्यक्रमों का व्यापक प्रसार हो। इसके लिए यह भी उचित होगा कि इस प्रकार के आयोजन के सचित्र समाचार तुरंत ही समाचार-पत्रों में प्रकाशित हों।
- समितियों के क्रानिक डिफाल्टरों का नाम एवं कालातीत ऋण वितरण को भी समिति एवं समिति से संबंधित शाखा प्रिमाइसेस के अंदर रेगजीन नोटिस बोर्ड में अंकित कराकर टाँगा जा सकता है।
- संस्था द्वारा क्षेत्र के समस्त डिफॉल्टरों (चाहे वे किसी भी बैंक या संस्था से संबंधित हो) की सूची बनाई जाए एवं यह प्रयास किया जाए कि संचालक मंडल के निर्वाचन में उन्हें उम्मीदवारी न मिले।
- म.प्र. सोसायटी नियम, 1962 के क्रमांक 3 (25-ए/क. उधार आदि की प्रज्ञापना तहसीलदार को दी जाना- (1) धारा 37 की उपधारा (1-ए/क) के उपबंधों के अनुपालन के अतिरिक्त प्रत्येक सोसायटी, जब रजिस्ट्रार द्वारा ऐसा निर्देश दिया जाए, उस तहसील के, जिसमें सोसायटी स्थित हो, तहसीलदार को, प्रारूप आई/झ एवं जे/ञ में अपने पूर्व, वर्तमान और मृत, सदस्यों की सूची भेजेगी जिसमें पिछले सहकारी वर्ष की समाप्ति पर उन पर बकाया उधार या अग्रिमों की रकम दर्शाई जाएगी एवं तद्नुरूप कार्यवाही की जाएगी।

वसूली का माहौल तैयार करने में संस्था के पदाधिकारी तथा क्षेत्र के लोक सेवक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। सर्वप्रथम इन व्यक्तियों से वसूली प्रारंभ करना चाहिए। इसके बाद बड़े बकायादारों एवं पुराने कालातीत सदस्यों से वसूली की जानी चाहिए। इसमें टोकन वसूली (वोहनी) की कार्यवाही का बहुत महत्व है। कालातीत सदस्यों को किसी भी सहकारी संस्था के प्रबंधन में कोई भागीदारी न हो यह सुनिश्चित कराया जाना चाहिए। उपरोक्त चेक लिस्ट का पालन वसूली कार्यवाही को काफी प्रभावी बनाता है। ■

समस्त किसान भाइयों को
दीपावली की
शुभकामनाएँ
मासिक पत्रिका
'हरियाली के रास्ते'
के 12वें वर्ष में
प्रवेश पर बधाइयाँ
साँची
सहकारिता
विशेषांक के
प्रकाशन पर
हार्दिक
बधाइयाँ
SANCHI
श्री मोतीसिंह पटेल
(अध्यक्ष)
स्वाद और शक्ति से भरपूर साँची
श्री जे.एन.कंसोटिया
(प्रशासक, म.प्र. राज्य को-ऑपरेटिव
डेयरी फेडरेशन लि., भोपाल)
संचालकगण
श्री रामेश्वर गुर्जर
श्री किशोर परिहार
श्री विक्रम मुकाती
श्री जगदीश जाट
श्री राजेन्द्रसिंह पटेल
श्री रामेश्वर रघुवंशी
श्री तँवर सिंह चौहान
श्री सुरेश पटेल
श्री प्रहलादसिंह पटेल
श्री कृपालसिंह सेंधव
श्री महेन्द्र चौधरी
श्री ए.एन. द्विवेदी
(मुख्य कार्यपालन अधिकारी)
इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ मर्या.
तलावली चांदा, मांगलिया, जिला इन्दौर (फोन : 0731-2811189, टोल फ्री नं. : 1800 233 2535

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

- किसान क्रेडिट कार्ड (फसल ऋण)
- ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए ऋण
- स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण
- कृषक को खेत पर शेड बनाने के लिए ऋण
- कम्बाइन हार्वेस्टर एवं रिपर कम बाइंडर क्रय ऋण

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री सुनील सिंह (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता) | श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री पी.एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

समस्त किसान भाइयों को

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री सुनील खड़कोदकर (शा.प्र.मल्हारगढ़) | श्री राजेश सोनी (शा.प्र.पिपल्यामंडी) | श्री धर्मेन्द्र जाजू (शा.प्र. करजू) | श्री अरविंद रावल (शा.प्र. भावगढ़)

श्री अशोक रावल (पर्य.मल्हारगढ़) श्री अरुण कुमार शर्मा (पर्य.करजू)
श्री दशरथ चौधरी (पर्य.पिपल्यामंडी) श्री दशरथलाल भटेवरा (पर्य.भावगढ़)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. मल्हारगढ़, जि.मंदसौर श्री यदुनंदन बटवाल (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बहेपुर, जि.मंदसौर श्री बृजेन्द्रसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बरखेड़ापंथ, जि.मंदसौर श्री अशोक रावल (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. नांदवेल, जि.मंदसौर श्री दशरथलाल भटेवरा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. पहेड़ा, जि.मंदसौर श्री रामस्वरूप व्यास (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. कनघट्टी, जि.मंदसौर श्री दशरथ चौधरी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बरखेड़ादेव डुगरी, जि.मंदसौर श्री प्रकाश प्रजापति (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बोतलगंज, जि.मंदसौर श्री दशरथ चौधरी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. करजू, जि.मंदसौर श्री अरुण कुमार शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. देवरी, जि.मंदसौर श्री जगदीशचंद्र भादविया (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. नन्दावता, जि.मंदसौर श्री अरुण कुमार शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. लसुड़िया राठौर, जि.मंदसौर श्री श्यामसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. देहरी, जि.मंदसौर श्री अरुण कुमार शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बालागुढ़ा, जि.मंदसौर श्री सद्दुद्दीन मेव (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. भावगढ़, जि.मंदसौर श्री दशरथलाल भटेवरा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. दोरवारा, जि.मंदसौर श्री जगदीशचंद्र भादविया (प्रबंधक)
	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बड़ी गुड़भेली, जि.मंदसौर श्री श्यामसिंह राठौर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंको से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
सभी किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री पी.एन. गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एस.धनवाल (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. धार

सभी किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सह.एवं प्रशासक)
श्री विनोद कुमार सिंह (उपायुक्त सहकारिता)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री अनूप जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. खरगोन

नवंबर माह के कृषि कार्य

गेहूँ फसल

● कण्डूआ रोग की रोकथाम के लिए कार्बेन्डाजिम अथवा थीरम 2.5 ग्रा./ किग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें। गेहूँ की समय से बुआई के लिए नवम्बर माह उपयुक्त समय है।

● पूसा 3038 (पूसा गौतमी) एचडी 3059 (पूसा पछेती), एचडी 3042 (पूसा चैतन्य) एचडी 2967 (पूसा सिंधू गंगा), एचडी 2851 (पूसा विशेष) गेहूँ की समय पर बुआई के लिए उपयुक्त किस्में है।

● गेहूँ बुआई के 21 दिन बाद पहली सिंचाई करें।
● गेहूँ में 120:50:40 एनपीके की दर से उर्वरक डालें। बुवाई के समय नाईट्रोजन की आधी तथा फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा आधार खुराक के रूप में उलें।

सब्जियाँ

● टमाटर तथा फूलगोभी की पछेती किस्मों की रोपाई करें।
● रोपाई से पहले खेत में 20-25 टन प्रति हैक्टेअर की दर से गोबर की खाद व 120:100:60 किग्रा नाईट्रोजन फास्फोरस पोटाश प्रति हैक्टेयर भूमि में डालें।

● गाजर, शलजम व मूली की बुवाई करें।
● प्याज की नर्सरी तैयार करें। प्याज की उन्नत किस्में पूसा रेड, पूसा माधवी, पूसा रिद्धी किस्मों की नर्सरी में बुआई करे।
● पालक में यदि सफेद रतुआ के लक्षण दिखाई दें तों मैंकोजेब या रिडोमिल एमजैड 72 दव का 2.5 ग्रा./लिटर पानी में घोल बनाकर छिडाव करें।

फल फसलें

● आम के पौधों मे जहां गोंद निकलने के लक्षण दिखें उन्हे खूरच कर साफ करे तथा घाव पर वबोरडेक्स दवा का लेप कर दें।
● फलों के पेड पर यदि शाखाओं पर शीर्षरंभी क्षय बीमारी के लक्ष्ण दिखाई दें तो उन शाखाओं को काटकर 0.3 प्रतिशत कॉपर ऑक्सीक्लोराईड के घोल का 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
● पपीते, मौसम्बी, ग्रेप तथा चकोतरे की तुडाई करें।

दलहनी फसलें

● मध्य अक्टूबर से नवम्बर के पहले सप्ताह तक चने की बुवाई कर दें। छोटे दाने वाली किस्मों के लिए बीज दर 80 किग्राम/है. तथा मोटे दानों वाली किस्मों के लिए 100 किग्रा/ हैक्टेयर की दर से बुआई करे।

● दलहन की बुवाई के 45 तथा 75 दिन बाद 2 सिंचाई करें।
● बुआई के समय नाईट्रोजन फास्फोरस गंधक जिंक की 20:50:20:25 किग्रा /है. की मात्रा आधार खुराक के रूप में डाले।

● नवम्बर के दूसरे सप्ताह तक मटर की बुआई कर दें। मटर की किस्मे पूसा प्रभात, पूसा प्रगति व पूसा पन्ना की बुआई करें। ■

सभी किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से

श्रीमती आभा तिवारी
(शा.प्र. चिमनगंज मंडी)
श्री दीनदयाल शर्मा
(पर्य. चिमनगंज मंडी)
श्री मनोज कुमार तिवारी
(शा.प्र. ताजपुर)
श्री अनवर पटेल
(पर्य. ताजपुर)

श्री बी.एल. मकवाना (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री ओ.पी. गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री विशेष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अम्बोदिया, जि.उज्जैन
श्री प्रहलादसिंह जादौन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मवई रावड़िया, जि.उज्जैन
श्री देवदत्त बार्चे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मलक, जि.उज्जैन
श्री मोहनलाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जैथल, जि.उज्जैन
श्री प्रहलादसिंह जादौन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढाबला रेहवारी, जि.उज्जैन
श्री राजेशसिंह तोमर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उन्डासा, जि.उज्जैन
श्री दीनदयाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ताजपुर, जि.उज्जैन
श्री शेरसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हरसौदन, जि.उज्जैन
श्री अनवर पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुरजनवाला, जि.उज्जैन
श्री सुभाषचंद्र जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भैंसोदा, जि.उज्जैन
श्री आनंदीलाल सोलंकी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

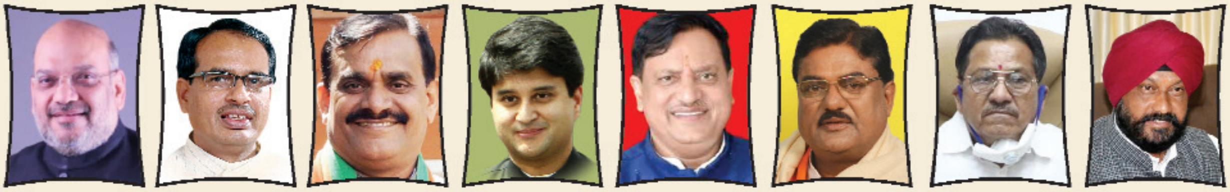

दीपावली की शुभकामनाएँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सह.एवं प्रशासक) | श्री विनोद कुमार सिंह (उपायुक्त सहकारिता) | श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री अनूप जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से : श्री खेमचंद सोलंकी (शा.प्र.बड़वानी), **श्री रमेशचंद्र काग** (पर्य..बड़वानी), **श्री प्रदीप रावल** (शा.प्र. नगर बड़वानी), **श्री महेश मुकाती** (शा.प्र.पलसूद), **श्री फहीम खान** (पर्य. पलसूद), **श्री मकसूद शेख** (शा.प्र.पाटी), **श्री मनोहर सोनी** (पर्य. पाटी), **श्री सुभाष कानूनगो** (शा.प्र.जुलवानिया), **श्री दिलीप बागदरे** (पर्य. जुलवानिया), **श्री गौरव शुक्ला** (शा.प्र.खेतिया), **श्री जावेद मंसूरी** (शा.प्र.निवाली), **श्री रायसिंह खरते** (पर्य. निवाली), **श्री रेमालसिंह खरते** (शा.प्र.भवती)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बड़वानी, जि.बड़वानी
श्री जगदीश मुकाती (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सोन्दुल, जि.बड़वानी
श्री मनोज मालवीय (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बोरलाय, जि.बड़वानी
श्री राजेश यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. तलवाड़ा बु., जि.बड़वानी
श्री रमेशचंद काग (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भवती, जि.बड़वानी
श्री बादल शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पलसूद, जि.बड़वानी
श्री उमेश शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मेणीमाता, जि.बड़वानी
श्री मनोहर गुप्ता (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. उपला, जि.बड़वानी
श्री राजेन्द्र जोशी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. चिखल्या, जि.बड़वानी
श्री ध्रुव कुमार गुप्ता (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पाटी, जि.बड़वानी
श्री शंकरसिंह चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. गंधावल, जि.बड़वानी
श्री देवीलाल यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बोकराटा, जि.बड़वानी
श्री राजेन्द्र सिंह ठाकुर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. लिम्बी, जि.बड़वानी
श्री मनोहर सोनी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. जुलवानिया, जि.बड़वानी
श्री सुरेशचंद शारदे (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. अगलगाँव, जि.बड़वानी
श्री रामदास जायसवाल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. ठान, जि.बड़वानी
श्री मनीराम वर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खेतिया, जि.बड़वानी
श्री प्रकाश ठाकरे (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. राखीखुर्द, जि.बड़वानी
श्री जी.बी. भावसार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. निवाली, जि.बड़वानी
श्री विनोद कुमार मंडलोई (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बझर, जि.बड़वानी
श्री रायसिंह खरते (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. धवली, जि.बड़वानी
श्री राजाराम चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. दुगानी, जि.बड़वानी
श्री सुरेश आर्य (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

राष्ट्रपति श्री कोविंद द्वारा वर्ष 2020 एवं 2021 के पद्म पुरस्कार वितरित

पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन को पद्म भूषण

राष्ट्रपति श्री कोविंद से पद्म भूषण प्राप्त करती श्रीमती सुमित्रा महाजन।

राष्ट्रपति श्री कोविंद से पद्म श्री प्राप्त करती अभिनेत्री कंगना रनौट।

नई दिल्ली। राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में वर्ष 2021 के लिए पद्म पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद द्वारा वर्ष 2020 के लिए पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। भोपाल के श्री अब्दुल जब्बार खान को (मरणोपरांत), इंदौर के श्री पुरुषोत्तम दाधीच, इंदौर के ही श्री नेमनाथ जैन और रतलाम की डॉ. सुश्री लीला जोशी को पद्मश्री से विभूषित किया गया। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौट को भी पद्मश्री से नवाजा गया। वर्ष 2021 के लिए पूर्व सांसद श्रीमती सुमित्रा महाजन को पद्म भूषण, भोपाल के श्री कपिल तिवारी को मध्यप्रदेश की लोक कलाओं के संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देने और जनजातीय चित्रकार बहन भूरी बाई को पद्म श्री से सम्मानित किया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज विदिशा संसदीय क्षेत्र से सांसद रही। उन्हें सार्वजनिक जीवन में विशेष योगदान के लिए पद्म विभूषण 2020 से सम्मानित किया गया। श्रीमती सुषमा स्वराज लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष भी रही। केन्द्रीय विदेश मंत्री के रूप में विदेश मंत्रालय को जन-जन से जोड़ने का श्रेय श्रीमती सुषमा स्वराज को जाता है।

भोपाल के श्री अब्दुल जब्बार खान को सामाजिक कार्य के लिए पद्म श्री 2020 से मरणोपरांत सम्मानित किया गया। श्री खान भोपाल गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन के संयोजक थे। उन्होंने गैस पीड़ितों, उनके परिवार वालों के इलाज और पुनर्वास के लिए लगभग 30 वर्ष तक संघर्ष किया। इंदौर के श्री पुरूषोत्तम दाधीच को कला क्षेत्र में कत्थक नृत्य एवं कोरियोग्राफी के लिए पद्म श्री 2020 से सम्मानित किया गया। रतलाम की डॉ. सुश्री लीला जोशी को मेडिसिन के क्षेत्र में पद्म श्री 2020 से सम्मानित किया गया। डॉ. जोशी रेलवे से मेडिकल ऑफीसर के पद से सेवानिवृत्त हुई। डॉ. लीला जोशी को एनीमिया से प्रभावित महिलाओं के लिए किए गए प्रभावी कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। वे मदर ऑफ रतलाम के नाम से विख्यात हैं। इंदौर के श्री नेमनाथ जैन को उद्योग तथा व्यापार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए पद्म श्री 2020 प्रदान किया गया है। श्री जैन प्रेस्टीज ग्रुप इंदौर के संस्थापक और चेयरमेन हैं। श्री जैन भारत में सोयाबीन सेक्टर को विकसित करने वाले अग्रणी व्यक्तियों में से एक है।

राष्ट्रपति श्री कोविंद से पद्म श्री प्राप्त करती रतलाम की डॉ. लीला जोशी।

सार्वजनिक क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए पूर्व सांसद श्रीमती सुमित्रा महाजन को पद्म भूषण 2021 से सम्मानित किया गया। श्रीमती महाजन 16वीं लोकसभा की स्पीकर रही। वे भारत की पहली महिला हैं जो लगातार 8 बार सांसद रही। भोपाल के श्री कपिल तिवारी को साहित्य एवं शिक्षा के लिए पद्म श्री 2021 से सम्मानित किया गया। जनजातीय संस्कृति में रामायण आधारित कला के प्रकटीकरण के क्षेत्र में श्री तिवारी का विशेष योगदान रहा है। प्रदेश की लोक कलाओं को सहेजने और उनके संवर्धन में श्री तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनजातीय चित्रकार बहन भूरी बाई को कला के लिए पद्म श्री 2021 से सम्मानित किया गया है। मूलतः झाबुआ की भूरी बाई अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भील चित्रकार हैं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

एक डोज लगाने के लिए हर घर दस्तक अभियान शुरू

अब घर-घर जाकर लगाएँगे टीके : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने टीकाकरण के कम कवरेज वाले जिलों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कोविड वैक्सीन की पहली खुराक की 50 प्रतिशत से कम कवरेज वाले और दूसरी खुराक की निम्न कवरेज वाले जिलों को शामिल किया गया। प्रधानमंत्री ने झारखंड, मणिपुर, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय और अन्य राज्यों के अंतर्गत टीकाकरण के कम कवरेज वाले 40 से अधिक जिलों के जिलाधिकारियों के साथ बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने टीकाकरण कराने में हिचकिचाहट के मुद्दे और इसके पीछे के स्थानीय कारकों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कई तरह के विचारों पर चर्चा की जिन्हें इन जिलों में शत-प्रतिशत टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित करने के लिए लागू किया जा सकता है। उन्होंने धार्मिक एवं सामुदायिक नेताओं के माध्यम से सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ाने की बात कही। उन्होंने सभी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया कि देश, वर्ष के अंत तक अपने टीकाकरण कवरेज का विस्तार करे और नए आत्मविश्वास व विश्वास के के साथ नए साल में प्रवेश करे। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने देश में टीकाकरण कवरेज की जानकारी दी। उन्होंने राज्यों में टीके की खुराक की शेष मात्रा की उपलब्धता का लेखा-जोखा दिया तथा टीकाकरण कवरेज को और बेहतर बनाने के लिए राज्यों में चलाए जा रहे विशेष टीकाकरण अभियानों के बारे में भी बात की।

प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि टीकाकरण केंद्र तक जाकर लोगों के सुरक्षित टीकाकरण के लिए की गई व्यवस्थाओं को बदल कर घर-घर जाकर टीके लगाने का प्रबंध करें। उन्होंने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे 'हर घर टीका, घर घर टीका' यानी प्रत्येक घर पर जाकर टीका, के उत्साह के साथ सभी घरों तक पहुंचें। उन्होंने पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक घर पर अपनी उपस्थिति के लिए हर घर दस्तक की भावना से जाने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा, अब हम टीकाकरण अभियान को प्रत्येक घर तक ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। 'हर घर दस्तक' के मंत्र के साथ ऐसे हर दरवाजे, हर घर पर दस्तक दें जो वैक्सीन की दो खुराकों के सुरक्षा कवच से वंचित है।

प्रधानमंत्री ने आगाह करते हुए कहा कि हर घर में दस्तक देते हुए दूसरी खुराक के साथ-साथ पहली खुराक पर भी समान रूप से ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि जब भी संक्रमण के मामले कम होने लगते हैं तो कई बार इसकी आवश्यकता को लेकर भावना कमी आ जाती है। लोगों के बीच टीके लगवाने की अत्यावश्यकता कम हो जाती है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा, आपको उन लोगों से संपर्क करना होगा जिन्होंने प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय के बावजूद दूसरी खुराक नहीं ली है, इसे अनदेखा करने से दुनिया के कई देशों के लिए समस्याएं पैदा हो गई हैं।

श्री तोमर ने किया कृषि भवन का निरीक्षण

नई दिल्ली। स्वच्छता अभियान के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि भवन का निरीक्षण किया और यहां स्थित सभी मंत्रालयों के अधिकारियों के साथ एक बैठक में साफ-सफाई एवं विभिन्न कार्यालयों के लंबित मामलों के निपटारे की समीक्षा की गई। इस दौरान श्री तोमर ने कहा कि स्वच्छता स्वभावगत और संस्कारगत होना चाहिए और हमारे स्वभाव में रचना-बसना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वच्छता के लिए देशव्यापी अलख जगाई है, जिसके सद्परिणाम भी सामने आए हैं और व्यापक रूप से जागरूकता का प्रसार हुआ है। समीक्षा बैठक में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी व कृषि सचिव श्री संजय अग्रवाल सहित कृषि, ग्रामीण विकास, उपभोक्ता मामलों व खाद्य वितरण, सहकारिता, पशुपालन तथा अन्य मंत्रालय/विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। श्री तोमर ने कहा कि स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जो अपेक्षा हम जनता से करते हैं, उसका पालन सभी भवनों व कार्यालय परिसरों में भी किया जाना चाहिए। स्वच्छता के महत्व के प्रति सभी को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

12वाँ स्थापना वर्ष

खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)

मत्स्य पालन हेतु ऋण

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

दीप पर्व की मंगल कामनाएँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

श्री वी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री मनोज गुप्ता (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से

श्री भरत यादव (शा.प्र. शाजापुर)
श्री शिवलाल चाँदना (पर्य. शाजापुर)

श्री राजेन्द्रसिंह बैस (शा.प्र. खोकराकलां)
श्री प्रेमनारायण शर्मा (पर्य. खोकराकलां)

श्री अशोक कुमार चौहान (शा.प्र. मो. बड़ोदिया)
श्री दिलीप सिंह (पर्य. मो. बड़ोदिया)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुनेरा, जि.शाजापुर
श्री मेहरबान सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कांजा, जि.शाजापुर
श्री कैलाश कारपेंटर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रिछोदा, जि.शाजापुर
श्री भूपेन्द्र सिंहजी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धाराखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री प्रकाश सौराष्टीयजी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दिल्लोद, जि.शाजापुर
श्री हरनाथसिंह चापड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुपाड़ा, जि.शाजापुर
श्री अब्दुल जलील मेव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खेरखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री सजनसिंह जी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हिरपुरटेका, जि.शाजापुर
श्री शिवनारायण जी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पतोली, जि.शाजापुर
श्री संजय पाठक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोपीपुर, जि.शाजापुर
श्री दयाराम जी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खोकराकलां, जि.शाजापुर
श्री मुकेश पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भैंसायागढ़ा, जि.शाजापुर
श्री बोन्दरसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आगखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री महेश सोनानिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खरदौनकलां, जि.शाजापुर
श्री प्रेमनारायण शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खरदौनखुर्द, जि.शाजापुर
श्री अनिल खान अंसारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मो. बड़ोदिया, जि.शाजापुर
श्री राजेश मालवीय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करजू, जि.शाजापुर
श्री चन्दरसिंह चंद्रवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोहना, जि.शाजापुर
श्री रामेश्वर ईटावदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धितका, जि.शाजापुर
श्री रूगनाथसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धतरावदा, जि.शाजापुर
श्री रमेशचंद्र चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देहरीपाल, जि.शाजापुर
श्री गफूर खाँ मंसूरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरनावद, जि.शाजापुर
श्री माँगीलाल चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिजाना, जि.शाजापुर
श्री नरेन्द्र कुमार गुर्जर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सारसी, जि.शाजापुर
श्री दीपक आर्य (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

12 वाँ स्थापना वर्ष

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

श्री चंद्रशेखर ठाकुर
(कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री भूपेन्द्र सिंह
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री मुकेश श्रीवास्तव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री देवकरण जावरिया (शा.प्र. आष्टा)
श्री धरमसिंह परमार (पर्य. आष्टा)
श्री हुकुमसिंह राजपूत (शा.प्र. कोठरी)
श्री जगदीश शर्मा (पर्य. कोठरी)
श्री करणसिंह वर्मा (शा.प्र. खाचरोद)
श्री चंदरसिंह बड़ोदिया (पर्य. खाचरोद)
श्री उदयसिंह ठाकुर (शा.प्र. जावर)
श्री जिनेन्द्र जैन (पर्य. जावर)
श्री दयाराम पाटीदार (शा.प्र. मेहतवाड़ा)
श्री मनोहरसिंह ठाकुर (पर्य. मेहतवाड़ा)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डाबरी, जि.सीहोर श्री रूपचंद्र वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धामन्दा, जि.सीहोर** श्री घीसीलाल वर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खड़ीहाट, जि.सीहोर श्री बद्रीप्रसाद वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कन्नोज मिर्जी, जि.सीहोर** श्री कमलसिंह ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पगारिया राम, जि.सीहोर श्री नरेन्द्र पाठक (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पगारिया हाट, जि.सीहोर** श्री तुलसीराम बड़ोलिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बमूलिया भाटी, जि.सीहोर श्री देवीसिंह जायसवाल (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिद्धिकगंज, जि.सीहोर** श्री संतोष जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भंवरा, जि.सीहोर श्री नरेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खामखेड़ा जत्रा, जि.सीहोर** श्री राजकुमार उदैनिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बागेर, जि.सीहोर श्री माँगीलाल ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कजलास, जि.सीहोर** श्री नियाज मोहम्मद (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुगाली, जि.सीहोर श्री राजाराम वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जावर, जि.सीहोर** श्री जिनेन्द्र जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लसुड़िया पार, जि.सीहोर श्री रामेश्वर विश्वकर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुरावर, जि.सीहोर** श्री इन्दरसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेदाखेड़ी, जि.सीहोर श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भंवरीकलां, जि.सीहोर** श्री जिनेन्द्र जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ग्वाखेड़ा, जि.सीहोर श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मेहतवाड़ा, जि.सीहोर** श्री मनोहर ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कोठरी, जि.सीहोर श्री इन्दरसिंह चौहान (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ग्वाली, जि.सीहोर** श्री दीनदयाल दुबे (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपानियाकलां, जि.सीहोर श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भाऊखेड़ा, जि.सीहोर** श्री जयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अमलाहा, जि.सीहोर श्री चन्दरसिंह वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. फूडरा, जि.सीहोर** श्री यशवंतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

आत्म-निर्भर मप्र के लिये समाज का साथ आवश्यक

भोपाल। मध्यप्रदेश का 66वाँ स्थापना दिवस आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश की थीम पर मध्यप्रदेश उत्सव के रूप में मनाया गया। राज्य-स्तरीय कार्यक्रम भोपाल के लाल परेड ग्राउण्ड में राष्ट्रगान और मंत्रोच्चारण के साथ शुरू हुआ। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नागरिकों को आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प दिलवाया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सभी प्रदेशवासी एकजुट होकर आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के लिए प्रयास करें। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के लिए सरकार के साथ समाज खड़ा हो, तभी हमारा विकास का संकल्प पूरा होगा। विकास में आम जनता का सहयोग और साथ चाहिए। प्रत्येक नागरिक कोई एक कार्य हाथ में ले। पर्यावरण सुरक्षा में भी सहयोग दें। हर व्यक्ति विशेष अवसरों पर पौधा लगाये। करीब 300 कलाकारों ने इसमें हिस्सा लिया। पार्श्व गायक श्री मोहित चौहान ने भी अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया।

सौंसर में 6 करोड़ की लागत से बनेगा बागवानी केन्द्र

छिंदवाड़ा। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री तथा छिन्दवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री श्री कमल पटेल ने विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण कर छिन्दवाड़ा वासियों को सौगातें दीं। उन्होंने विकासखण्ड सौंसर के ग्राम कुड्डम में 6 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले उत्कृष्ट बागवानी केन्द्र का भूमि-पूजन किया। श्री पटेल ने कुण्डीपुरा थाना की धर्मटेकरी पुलिस चौकी और अर्द्ध-शहरी थाना (देहात) के नव-निर्मित भवनों का शुभारंभ भी किया। मंत्री श्री पटेल ने जनपद पंचायत मोहखेड़ के नव-निर्मित भवन का भी लोकार्पण किया। उन्होंने भ्रमण के दौरान किसानों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना अंतर्गत चने के बीज का वितरण भी किया। शाम को कृषि मंत्री श्री पटेल ने जिला मुख्यालय पर आयोजित मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह में हिस्सा लिया।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने छिन्दवाड़ा वासियों के साथ ही प्रदेशवासियों को मध्यप्रदेश के 66वें स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामना दी। श्री पटेल जिला मुख्यालय पर सायंकाल 6.30 बजे आयोजित जिला-स्तरीय समारोह में सम्मिलित हुए। इसके पूर्व सौंसर के कुड्डम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता के कल्याण के लिये निरंतर कार्य कर रही है। सरकार सबका साथ-सबका विकास के मूल-मंत्र पर कार्य करते हुए सभी को लाभान्वित करने के लिये कल्याणकारी योजनाएँ संचालित कर रही है। मंत्री श्री पटेल ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर विकासखण्ड सौंसर के ग्राम कुड्डम में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्ट बागवानी केन्द्र) का भूमि-पूजन कर शिला-पट्टिका का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि लगभग पौने सात करोड़ की लागत से बनने वाले बागवानी केन्द्र से निम्बू और संतरा की फसलों का उत्पादन करने वाले कृषकों को उत्तम गुणवत्ता वाले पौधे उपलब्ध होंगे। इससे किसानों की उत्पादन लागत कम होगी, साथ ही उत्पादन बढ़ेगा। किसान आत्म-निर्भर होंगे। किसानों की आत्म-निर्भरता के लिये यह बागवानी केन्द्र जिले में मील का पत्थर साबित होगा।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने मोहखेड़ में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन में किसानों को चना बीज का वितरण किया। उक्त बीज चना फसल के क्लस्टर प्रदर्शन अंतर्गत किसानों को वितरित किया गया है। आज के कार्यक्रम में 6 किसानों को चना बीज के मिनी किट वितरित किये गये।

सैनिकों के लिए आयुष्मान योजना प्रारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में आयुष्मान सीएपीएफ योजना की राष्ट्रीय स्तर पर शुरुआत की। गृह मंत्री ने इसकी शुरुवात एनएसजी के जवान को आयुष्मान कार्ड सौंप कर की, साथ ही एनएसजी के महानिदेशक को आयुष्मान सीएपीएफ योजना के स्वास्थ्य कार्ड सौंपे, ताकि ये कार्ड सभी एनएसजी कर्मियों को दिया जा सकें । धन्वंतरि पूजा के शुभ अवसर पर, जो चिकित्साशास्त्र के देवता' के सम्मान में मनाई जाती है, सीएपीएफ कर्मियों को स्वास्थ्य कार्ड वितरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आज से सभी सीएपीएफ में स्वास्थ्य कार्ड वितरण किया जाएगा और वितरित किए गए कार्डों की संख्या का दैनिक ब्यौरा गृह मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित होगा। लगभग 35 लाख कार्डों का वितरण का कार्य दिसंबर, 2021 तक पूरा कर लिया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कर्मियों और उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए 23 जनवरी, 2021 को असम राज्य में पायलट आधार पर आयुष्मान सीएपीएफ योजना शुरू की थी। यह योजना गृह मंत्रालय तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) की एक संयुक्त पहल है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सदैव देश के सुरक्षा बलों के हितों को सर्वोपरि रखा है और सीएपीएफ कर्मी व उनके परिवारों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए उनके कल्याण की दिशा में अनेक क़दम उठाए हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि आप बिना किसी चिंता के देश की सुरक्षा करे आपके परिवार की चिंता मोदी सरकार करेगी। इस योजना को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि इसके तहत गृह मंत्रालय के अधीन आने वाले सात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, अर्थात्, असम राइफल्स, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड और सशस्त्र सीमा बल के सभी सेवारत कर्मी और उनके आश्रित कवर होंगे।

इंदौर को एयर कनेक्टिविटी के क्षेत्र में मिली बड़ी सौगात

इंदौर। इंदौर शहर जिसे आज तक मिनी मुंबई कहा जाता रहा है वह मिनी मुंबई नहीं बल्कि मिनी-इंडिया है जो भारत के हृदय स्थल पर बसा है। आज का यह दिन मां अहिल्याबाई की नगरी के लिए महत्वपूर्ण दिवस है। इंदौर संस्कृति, कला, व्यापार, आधुनिकता और परंपरा का अनूठा संगम है। स्मार्ट सिटी, स्वच्छता, वाटर प्लस आदि हर क्षेत्र में इंदौर नंबर वन है, इसी दिशा में इंदौर अब कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भी नंबर वन बनने के पथ पर अग्रसर है। इंदौर जो पहले केवल 12 शहरों से जुड़ा था विगत 4 माह के अंदर 23 शहरों से हवाई कनेक्टिविटी के माध्यम से जुड़ गया है। यह बात केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इंदौर से प्रयागराज, जोधपुर एवं सूरत के लिए सीधी हवाई यात्रा के वर्चुअल शुभारंभ के अवसर पर कही।

कार्यक्रम में इंदौर एयरपोर्ट से जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, पद्मश्रीमती जनक पलटा मगिलिगन, पद्मभालू मोंढे, महामंडलेश्वर अन्ना महाराज, स्वामी लक्ष्मण दास जी महाराज, प्रमोद टंडन, गोलू शुक्ला तथा वर्चुअल माध्यम से केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पूर्व लोक सभा स्पीकर श्रीमती सुमित्रा महाजन, कैलाश विजयवर्गीय, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ तथा इंडिगो एयरलाइन के चीफ कमर्शियल ऑफिसर विलियम बोल्टर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण शामिल हुये।

तुलसीराम सिलावट ने कहा कि आज इंदौर के लिए बहुत ही ऐतिहासिक क्षण है कि यहां से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के लिए सीधी उडान सेवा शुरू हो रही है। हम सभी के लिए प्रयागराज एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थान है। सांसद शंकर लालवानी ने केन्द्रीय मंत्री सिंधिया को इंदौर की जनता की ओर से धन्यवाद प्रकट किया। उल्लेखनीय है कि इंदौर से जोधपुर, सुरत एवं प्रयागराज के लिये इंडिगो एयर लाइन द्वारा 31 अक्टूबर से प्रतिदिन हवाई यात्रा संचालित की जा रही है। इसी के साथ जून 2021 के बाद से इन्दौर से नई उडानों के शुरू होने से प्रतिमाह 42 हजार यात्रियों की संख्या से बढ़ कर प्रतिमाह एक लाख 50 हजार हो गई है।

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण | दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन) | मत्स्य पालन हेतु ऋण | स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

श्री पी.के. सिद्धार्थ (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री पी.आर. कावड़कर (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता) | श्री एम.के. ओझा (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री डी.के. राय (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

संयोजक
श्री शैलेन्द्र शर्मा (शा.प्र. मालथौन)
श्री विक्रमसिंह ठाकुर (शा.प्र. नरियावली)
श्री सुरेश कुमार सेन (शा.प्र. खुरई)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. मालथौन, जि.सागर श्री उपेन्द्र मिश्रा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. वारधा, जि.सागर श्री शिवराजसिंहं गौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रौंडा, जि.सागर श्री रमेश तिवारी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रुसल्ला, जि.सागर श्री कृष्णकुमार कुर्मी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सेमरालोधी, जि.सागर श्री अश्विनी श्रीवास्तव (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. झारई, जि.सागर श्री ओमप्रकाश असाटी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. हिरनछिपा, जि.सागर श्री रामकुमार रिछारिया (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. खजरा हरचंद, जि.सागर श्री डेलनसिंह कुर्मी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बीकोरकला, जि.सागर श्री अरुण कुमार वर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सिलौधा, जि.सागर श्री कैलाश प्रसाद दुबे (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. खटोराकलां, जि.सागर श्री मनोहर तिवारी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. भीलौन, जि.सागर श्री विनोद तिवारी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रजवांस, जि.सागर श्री अवध किशोर सेन (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. धांगर, जि.सागर श्री महेश चौबे (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बंगेला, जि.सागर श्री सत्येन्द्र सिंह राजपूत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बहरोल सिंगपुर, जि.सागर श्री कुंजबिहारी तिवारी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. नरियावली, जि.सागर श्री अरविन्द सोनी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. विनायठा, जि.सागर श्री सुनील श्रीवास्तव (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. जेरई, जि.सागर श्री पुष्पेन्द्रसिंह राजपूत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बरोदिया नौनगर, जि.सागर श्री सूरजसिंह ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. कनेरानीखर, जि.सागर श्री संतोष कुमार बाघ (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. गढ़ौला जागीर, जि.सागर श्री प्रमोद कुमार साहू (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. खाकरोन, जि.सागर श्री जगदीश प्रसाद दीक्षित (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. उजनेट, जि.सागर श्री विश्वनाथ चंदेल (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. जरुवाखेड़ा, जि.सागर श्री श्याम मनोहर पाठक (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. तेवरा, जि.सागर श्री निरंजनसिंह चंदेल (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

प्रदेश में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसान आश्वस्त रहें, हम पूरी ताकत से खाद की व्यवस्था में लगे हैं और इसमें हमें भारत सरकार का पूरा सहयोग भी मिल रहा है। चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, बस धैर्य रखें यह मेरा निवेदन है। 31 अक्टूबर तक प्रदेश में 32 रैक आ रही हैं। मैं लगातार भारत सरकार के संपर्क में हूँ। आपूर्ति के संबंध में मैंने केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री मनसुख मांडविया से फोन पर चर्चा की है। उन्होंने नवंबर के लिए आश्वस्त किया है कि मध्यप्रदेश को आवश्यकता अनुसार यूरिया और डी.ए.पी. उपलब्ध कराया जाएगा। किसान भाइयों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री श्री चौहान निवास से प्रदेश में खाद की उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव कृषि श्री अजीत केसरी, मार्कफेड के एमडी श्री पी. नरहरि, सहकारिता आयुक्त श्री नरेश पाल कुमार, कृषि संचालक श्रीमती प्रीति मैथिल नायक तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने समीक्षा के उपरांत मीडिया को जारी संदेश में यह बात कही।

बैठक में जानकारी दी गई कि केन्द्र द्वारा नवम्बर माह के लिए 6 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 6 लाख मीट्रिक टन डी.ए.पी. की प्रदेश को आपूर्ति की जाएगी। अतः प्रदेश में खाद की कमी की स्थिति नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसान भाई खाद की कमी की मानसिकता को छोड़ें। इसके परिणामस्वरूप अधिक खाद खरीदने की प्रवृत्ति बनती है। केन्द्र सरकार द्वारा नवम्बर माह में पर्याप्त खाद की आपूर्ति की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कंट्रोल रूम बनाकर जिलों में खाद की आपूर्ति और न्यायपूर्ण वितरण की व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जाए। जो जरूरत से अधिक खाद खरीद रहे हैं, उन पर नजर रखी जाए। कलेक्टर अपने स्तर पर लोगों को खाद की आपूर्ति और राज्य सरकार द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं के संबंध में जागरूक करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिला प्रशासन को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि जो खाद की कालाबाजारी करेगा उसे रासुका में जेल भेजा जाएगा। खाद को ब्लैक में बेचने वालों को कुचल दिया जाएगा।

बकाया ऋण वसूली के लिए एकमुश्त समझौतायोजना

भोपाल। राज्य सहकारी आवास संघ ने प्राथमिक गृह निर्माण संस्थाओं और उनके सदस्यों को बकाया ऋण की वसूली के लिये एकमुश्त समझौता योजना लागू की है। योजना में दण्ड ब्याज में 100 फीसदी छूट देने का प्रावधान किया गया है।

अरविंदसिंह भदौरिया

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया ने बताया कि आवास संघ द्वारा गृह निर्माण संस्थाओं और उनके सदस्यों को वितरित किये गये। 15 वर्ष से अधिक के ऋण प्रकरणों के 421 करोड़ 54 लाख रुपये के ऋण की वसूली हो सकेगी। एकमुश्त समझौता योजना से लाभान्वित करने के लिये पहल की गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में संघ द्वारा दी गई राशि पर ब्याज, दण्ड-ब्याज मिलाकर वर्तमान की परिस्थितियों में ब्याज की दर अत्याधिक हो जाती है। इससे खाताधारकों के ऊपर बोझ बढ़ रहा है। साथ ही वसूली में भी आसानी नहीं होती और वैधानिक जटिलताओं की स्थिति बनती है। आवास संघ और गृह निर्माण संस्थाओं के सदस्यों के हितों को ध्यान में रखते हुए एकमुश्त समझौता योजना को लागू किया गया है।

आवास संघ के एमडी श्री अरविंदसिंह सेंगर ने बताया कि एकमुश्त योजना में बकायादार को आवेदन तिथि से 30 दिन में कुल मांग की 25% राशि जमा कर समझौते के पात्र हो जाएंगे। इसके बाद बकायादार को अगले 6 माह में पूरी ऋण राशि जमा करना होगी। एकमुश्त समझौता की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रखी गई है।

एकमुश्त योजना का लाभ लेने के लिये ऋणी सदस्यों और क्षेत्रीय कार्यालय आवास संघ से संस्था निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्राप्त कर सकती है। ऋणी सदस्यों को संस्था के आवेदन पर क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा योजना में सम्पूर्ण बकाया राशि और योजना का लाभ देने के बाद, शेष बकाया राशि की वसूली की जानकारी दी जायेगी। आवेदन को अनुशंसा कर आवास संघ मुख्यालय भेजा जाएगा। आवास संघ मुख्यालय में आवेदन प्राप्त होने के 30 दिन की समयावधि में प्रकरण का निराकरण कर दिया जाएगा।

बेहतर सड़कें बनाने को प्राथमिकता दें : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अधो-संरचना के क्षेत्र में जितना कार्य होगा, उतने ही रोजगार के अवसर निर्मित होंगे और प्रदेश के विकास की प्रक्रिया को गति मिलेगी। जहाँ भी आवश्यकता है और ट्रेफिक अधिक है, वहाँ बेहतर सड़कें बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। वाहनों पर टोल लगाने के संबंध में दो मॉडल विकसित करना आवश्यक है। सामान्यत~ कम दूरी के लिए चलने वाले वाहनों के लिए पृथक व्यवस्था तथा लंबी दूरी के लिए चलने वाले व्यावसायिक वाहनों के लिए अलग व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कृषि उपयोग से संबंधित वाहनों को छोड़कर शेष अन्य सभी वाहनों से टोल लेने पर विचार किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड के संचालक मंडल की बैठक को संबोधित कर रहे थे। लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनोज गोविल और प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री नीरज मंडलोई उपस्थित थे। बैठक में जबलपुर-दमोह मार्ग, नसरूल्लागंज-कौसनी, सिवनी-बालाघाट, रतलाम-झाबुआ, हरदा-खण्डवा, ब्यौहारी-शहडोल, पिपरिया-नरसिंहपुर, रीवा-ब्यौहारी, होशंगाबाद-टिमरनी, होशंगाबाद-पिपरिया और छतरपुर-राजनगर मार्ग पर जारी कार्यों की प्रगति से अवगत कराया गया।

सड़क विकास निगम द्वारा ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट-2021) की रैकिंग की वरीयता के आधार पर प्रबंधक यांत्रिकी के 10 पदों पर नियुक्ति की गई है। संचालक मंडल ने जेंडर फोकल (फीमेल) के एक पद पर संविदा नियुक्ति का अनुमोदन प्रदान किया। जेंडर फोकल के पद पर महिला अधिकारी की नियुक्ति महिला सुरक्षा के प्रावधानों के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। बैठक में पर्यावरण सुरक्षा विशेषज्ञ, आंतरिक लेखा परीक्षक, एशियन डेवपलमेंट बैंक द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं के संबंध में विचार-विमर्श हुआ।

1 लाख मछुआ क्रेडिट कार्ड बनाए जाएँ : श्री सिलावट

भोपाल। जल संसाधन, मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास मंत्री श्री तुलसी राम सिलावट ने कहा कि आने वाला एक साल विकास कार्यों के लिए महवपूर्ण है। इसमें विभाग का हर स्तर पर कायाकल्प किया जाएगा और उपलब्धि के साथ मछुआरों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। कोरोना काल में सभी प्रकार के काम रुक गए थे, विभागीय गतिविधि भी स्थगित थी इससे मछुआरों की आय भी प्रभावित हुई। वर्ष 2022 काम के लिए सही समय है। इसमें मछली पालन और उत्पादन को उच्चतम स्तर पर ले जाना है। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए सभी अधिकारी प्राथमिकता से काम करें और दिसंबर, 2021 तक एक लाख मछुआरों के क्रेडिट कार्ड बनाए जाएँ। मार्च 22 तक लक्षित सभी मछुआरों को क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराए जाएँ।

मछुआरों की आय में वृद्धि के लिए जरूरी है कि मछली पालन में नवाचार को अपनाया जाय और नई तकनीक से मछली पालन किया जाए। इसके लिए मछुआरों को प्रशिक्षित किया जाए और मार्केट भी उपलब्ध कराया जाए। श्री सिलावट ने कहा कि सभी जिले प्रतिस्पर्धा के साथ काम करें और सबसे अच्छा काम करने वाले अधिकारियों को प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। मार्केट डिमांड के अनुसार मछली उत्पादन किया जाए, जिससे मछुआरों की आय और जीवन स्तर को बेहतर किया जा सके।

मंत्री श्री सिलावट ने सीहोर, राजगढ़, रायसेन और विदिशा जिलों में मत्स्य बीज उत्पादन कम होने पर नाराजगी व्यक्त की और उत्पादन तथा प्रदेश में हेचरी को बढ़ाने के निर्देश भी दिए। भोपाल के पड़ोस के सभी जिलों में एक-एक नई हेचरी बनाने के निर्देश भी दिए। मंत्री श्री सिलावट ने कहा इस वर्ष मत्स्य उत्पादन 43 हजार टन है इसको 50 हजार टन तक बढ़ाया जाए।

मंत्री श्री सिलावट ने प्रदेश में मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए नई योजना बनाने हेतु सुझाव विभाग के संचालक को भेजने के निर्देश दिए, जिससे मछली उत्पादन बढ़ाकर मछुआरों की आर्थिक उन्नति की जा सके।

किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर **हार्दिक बधाइयाँ**

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री जगदीश कन्नौज (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सह.) | श्री अम्बरीश वैद्य (उपायुक्त सहकारिता) | श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री आर.एस. वसुनिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री कमलसिंह भूरिया (शा.प्र. रानापुर)
श्री किशोर फलट (पर्य. रानापुर)

श्री पी.एस. मुनिया (शा.प्र. थांदला)
श्री गुलाबसिंह निनामा (पर्य. थांदला)

श्री मन्नूसिंह खतेड़िया (शा.प्र. मेघनगर)
श्री संजय नागर (पर्य. मेघनगर)

आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. मेघनगर, जि.झाबुआ श्री संजय नागर (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. थांदला, जि.झाबुआ** श्री राजू देवदा (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. रानापुर, जि.झाबुआ** श्री शांतिलाल मेढ़ा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. रंभापुर, जि.झाबुआ श्री गरवरसिंह कटोटा (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. परवलिया, जि.झाबुआ** श्री अर्जुनसिंह हाड़ा (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. मोरडुडिया, जि.झाबुआ** श्री सलीम खान (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. मदरानी, जि.झाबुआ श्री मानसिंह वसुनिया (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. खजुरी, जि.झाबुआ** श्री निहालसिंह कनोज (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. पाडल्या, जि.झाबुआ** श्री शांतिलाल जैन (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. नौगाँवा, जि.झाबुआ श्री दिनेश सोलंकी (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. बड़ी धामनी, जि.झाबुआ** श्री राजेन्द्र राठौर (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. सहोई, जि.झाबुआ** श्री प्रदीप कमाली (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. भाडली, जि.झाबुआ श्री नटवरसिंह हाड़ा (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. काकनवानी, जि.झाबुआ** श्री गुलाबसिंह निनामा (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. कुंदनपुर, जि.झाबुआ** श्री राजू नायक (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. पचपिपल्या, जि.झाबुआ श्री इन्द्र पालसिंह राठौर (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. हरिनगर, जि.झाबुआ** श्री शिवराम श्रीवास्तव (प्रबंधक)	

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

उड़ान योजना से आम नागरिक उड़ान भर सकेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कानपुर-बेंगलुरू के बीच इंडिगो फ्लाइट का उद्घाटन किया। कानपुर और मुंबई और हैदराबाद के बीच उड़ानें भी आज से शुरू हो गई हैं। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, नागरिक उड्डयन मंत्री, उत्तर प्रदेश श्री नंद गोपाल गुप्ता (नंदी), औद्योगिक विकास मंत्री श्री सतीश महाना, सांसद श्री सत्यदेव पचौरी और श्री देवेंद्र सिंह भोले भी इस वर्चुअल कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारी और इंडिगो के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

श्री सिंधिया ने कहा कि यह नया मार्ग न केवल कानपुर से और कानपुर के लिए संपर्क को बढ़ाएगा बल्कि इन क्षेत्रों के बीच व्यापार, वाणिज्य और पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि कानपुर न केवल देश का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र है, बल्कि इसका ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। इसने 1857 में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके वस्त्र और चमड़ा उद्योग के कारण, कानपुर को पूर्व का मैनचेस्टर कहा जाता था। तीन प्रमुख शहरों के साथ शहर के जुड़ने से वहां से विमान की आवाजाही प्रति सप्ताह 20 से बढ़कर 41 हो जाएगी, जिससे औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार भी पैदा होगा। जहां तक एविएशन के लिए बुनियादी ढांचे का सवाल है, 106 करोड़ रुपये की लागत से कानपुर शहर के लिए नया टर्मिनल जल्द ही निर्धारित समय के भीतर तैयार हो जाएगा।

प्रधानमंत्री के ऐतिहासिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण ने उड़ान योजना की शुरुआत की जिसने आम नागरिक को भी उड़ान भरने में सक्षम बनाया और इस क्षेत्र का लोकतंत्रीकरण किया। उन्होंने कहा कि हवाई किराए में काफी गिरावट आई है और हवाई किराए अब लंबी दूरी की ट्रेनों से कम हो गए हैं। योजना के तहत 100 नए हवाई अड्डे बनाए जाएंगे और 1000 नए रूट शुरू होंगे।

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के लक्ष्यों को ध्यान रखकर करें कार्य

भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम के संचालक मण्डल की बैठक हुई। बैठक में मंत्री श्री डंग ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति और पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए राज्य और केन्द्र सरकार का जोर ग्रीन एनर्जी उत्पादन पर है। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए कार्य-योजना बनायें और क्रियान्वित करें। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं और परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करें। बैठक में प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे, ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री विवेक पोरवाल और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बीज व्यापार हेतु लायसेंस ऑनलाइन

उज्जैन। सब्जी बीज विक्रय करने वाली संस्थाओं को उद्यानिकी विभाग से लेना होगा बीज लायसेंस। भारत शासन के बीज नियंत्रण के अन्तर्गत जिले के प्रभारी उप/सहायक संचालकों को 'अनुज्ञापन (लाईसेंस) अधिकारी' के रूप में अधिकृत किया गया है। अधिसूचना के अन्तर्गत जिले के उप/सहायक संचालक उद्यान को बीज नियंत्रण के तहत 'निरीक्षक' के रूप में नियुक्त किया गया है। इस आदेश के अनुसार उद्यानिकी बीजों के व्यापार करने हेतु व्यापरियों को बीज लायसेंस प्राप्त करना होगा, जिसके लिये लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से विभाग में ऑनलाईन आवेदन किया जावेगा। यदि किसी व्यापारी के द्वारा बिना लायसेंस प्राप्त किये उद्यानिकी बीजों का विक्रय किया जाता है, उसके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

महँगा उर्वरक बेचने की शिकायत करें

रतलाम। रतलाम जिले में किसानों को वाजिब मूल्य पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम ने कहा है कि जिले में यदि किसी विक्रेता द्वारा किसान से उर्वरक की ज्यादा कीमत मांगी जाती है तो किसान अपनी शिकायत लैंडलाइन नंबर 07412-270401 पर दर्ज करा सकता है। संबंधित विक्रेता के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर-उज्जैन के संभागीय अधिकारियों की कार्यशाला

सहकारी बैंकों में व्यावसायिक बैंकों की तरह सुविधाएँ

इंदौर। कम्प्यूटराइजेशन के वर्तमान युग में सहकारी बैंकों में अन्य व्यावसायिक बैंकों की तर्ज पर समस्त बैंकिंग सुविधाएँ प्रारंभ की हैं, उसमें इंदौर एवं उज्जैन संभाग बैंकिंग कार्य संस्कृति में अग्रणी है। फिर भी वर्तमान चुनौतियों के दौर में सहकारी बैंकों को गबन, धोखाधड़ी से बचने के लिए और अधिक सजग होने की आवश्यकता है। यह कार्यशाला शंकाओं के समाधान से मील का पत्थर साबित होगी। अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री पी.एस. तिवारी ने उक्त बात सहकारिता विभाग एवं अपेक्स बैंक के संयुक्त तत्वावधान में आईसीएआई के ऑडिटोरियम में इंदौर और उज्जैन संभाग के संयुक्त/उप/सहायक आयुक्त जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, शाखा प्रबंधकों एवं अपेक्स बैंक के शाखा प्रबंधकों तथा जिला बैंकों के सतत अंकेक्षकों का सतत अंकेक्षण की गुणवत्ता संवर्द्धन हेतु कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कही।

इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त सहकारिता श्री जगदीश कन्नौज एवं श्री बी.एल. मकवाना, नाबार्ड के डीडीएम श्री नागेश चौरसिया, आईसीएआई के प्रतिनिधि श्री गगन झँवर, वरिष्ठ सी.ए. श्री अमूल रांगणेकर, अपेक्स बैंक के सहायक महाप्रबंधक डॉ. रवि ठक्कर एवं संभागीय शाखा प्रबंधक श्री गणेश यादव ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। श्री जगदीश कन्नौज ने सहकारिता विभाग की अंकेक्षण एवं निरीक्षण की बारीकियों की चर्चा करते हुए विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उपायुक्त सहकारिता श्री एम.एल. गजभिये ने सहकारिता विभाग की अपेक्षा पर, सी.ए. श्री अमूल रांगणेकर ने ऑडिट के कवरेज पर ध्यान देने वाले महत्वपूर्ण बिंदुओं पर, सी.ए. श्री गगन झँवर ने खातों के लो- मीडियम-हाई फार्मुले पर, डीडीएम श्री नागेश चौरसिया ने सहकारी बैंकों से नाबार्ड की अपेक्षाओं पर एवं अपेक्स बैंक के ओएसडी श्री आर.के. गंगेले ने सीबीएस के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यशाला की भूमिका एवं महत्ता पर अपेक्स बैंक के सहायक महाप्रबंधक डॉ. रवि ठक्कर ने प्रकाश डाला।

कार्यशाला में उपायुक्त सहकारिता रतलाम श्री एस.के. सिंह, उज्जैन श्री ओ.पी. गुप्ता, शाजापुर श्री मनोज गुप्ता, देवास श्री महेन्द्र दीक्षित, धार श्री परमानंद गोडरिया, खरगोन श्री विनोद कुमार सिंह एवं जिला सहकारी बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अनूप जैन, श्री एस.के. खरे, श्री आर.एस. वसुनिया, श्री आलोक जैन, श्री पी.एन. यादव, श्री विशेष श्रीवास्तव, श्री के.के. रायकवार सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। संभागीय शाखा प्रबंधक श्री गणेश यादव ने सबका आभार माना।

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री सुनील सिंह (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आलोक कुमार जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री प्रहलादसिंह पायल (शा.प्र. शिवपुर)
श्री दिलीपसिंह चौहान (शा.प्र.पिपलौदा)
श्री देवेन्द्र कुमार जोशी (शा.प्र. बिरमावल)
श्री सुरेश कुमार जायसवाल (शा.प्र. बाजना)
श्री धर्मेन्द्रसिंह राठौर (शा.प्र. रावटी)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलखुंटा, जि.रतलाम
श्री राजेश चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. विरमावल, जि.रतलाम
श्री राजेश चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिमलावदा, जि.रतलाम
श्री राजेश चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाजना, जि.रतलाम
श्री गौतमलाल खराड़ी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छावनी झोडिया, जि.रतलाम
श्री गौतमलाल खराड़ी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देवली, जि.रतलाम
श्री गौतमलाल खराड़ी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रावटी, जि.रतलाम
श्री बहादुरसिंह भाभर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उमर, जि.रतलाम
श्री बहादुरसिंह भाभर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हरथल, जि.रतलाम
श्री बहादुरसिंह भाभर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नौगाँवा जागीर, जि.रतलाम
श्री वीरेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लुनेरा, जि.रतलाम
श्री शिवकुमार सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शिवपुर, जि.रतलाम
श्री शिवकुमार सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रिगल्दा, जि.रतलाम
श्री शिवकुमार सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलौदा, जि.रतलाम
श्री अशोक बाफना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरगढ़, जि.रतलाम
श्री अशोक बाफना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नादलेटा, जि.रतलाम
श्री अशोक बाफना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अम्बा, जि.रतलाम
श्री अशोक बाफना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शेरपुर, जि.रतलाम
श्री अशोक बाफना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. वड़ा मलावदा, जि.रतलाम
श्री अशोक बाफना (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

श्री रनवीरसिंह गनाबे
(प्रभारी उपायुक्त)

श्री हर्ष दीक्षित
(कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री दिलीप चौहान
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से : **श्री दिनेश शर्मा** (शा.प्र. सारंगपुर) **श्री सूरजसिंह सोलंकी** (पर्य. सारंगपुर)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तलैनी, जि.राजगढ़
श्री सजनसिंह पुष्पद (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सारंगपुर, जि.राजगढ़
श्री देवीलाल पुष्पद (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मऊ, जि.राजगढ़
श्री सुरेशसिंह खत्री (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धनोरा, जि.राजगढ़
श्री कैलाश नारायण राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मगराना, जि.राजगढ़
श्री जुझारसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पढ़ाना, जि.राजगढ़
श्री सुरेशसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आसारेटा, जि.राजगढ़
श्री कालूराम काड़ोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गुलावता, जि.राजगढ़
श्री सूरजसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बालौड़ी, जि.राजगढ़
श्री गजराजसिंह उमठ (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोपालपुरा, जि.राजगढ़
श्री कुमेरसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ब्यावरा माण्डू, जि.राजगढ़
श्री सूरजसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पा. माता, जि.राजगढ़
श्री रामप्रसाद पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भैसवामाता, जि.राजगढ़
श्री सुरेशचंद्र खत्री (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हराना, जि.राजगढ़
श्री कालूराम गोस्वामी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजूरिया, जि.राजगढ़
श्री मोहनलाल नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढांकनी, जि.राजगढ़
श्री त्रिलोकचंद्र नाहर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुग्या, जि.राजगढ़
श्री बद्रीप्रसाद चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पीपल्यापाल, जि.राजगढ़
श्री शिवचरण कलमोदिया (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

श्री के.एन. त्रिपाठी सेवानिवृत्त

देवास। उपायुक्त सहकारिता श्री के.एन. त्रिपाठी विगत दिनों सेवानिवृत्त हुए। श्री त्रिपाठी ने 13 वर्ष तक पशुपालन विभाग और 27 वर्ष सहकारिता विभाग में अपनी शानदार सेवाएँ प्रदान की। आप जिला सहकारी केंद्रीय बैंक देवास के उपायुक्त सहकारिता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर भी रहे हैं। जिला सहकारी बैंक देवास में आयोजित विदाई समारोह में बैंक के अधिकारियों-कर्मचारियों ने उन्हें सम्मान पूर्वक विदाई दी। हरियाली के रास्ते परिवार श्री त्रिपाठी के स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

श्री आर.एस. वसुनिया ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. झाबुआ के सीईओ का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री वसुनिया का स्वागत श्री राजेश राठौड़ सहित बैंक के अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया।

किसानो के लिए महत्वपूर्ण सलाह

सीहोर। जिले में 3 लाख 94 हजार 20 हेक्टर में रबी फसलों की बोनी का लक्ष्य रखा गया है जिसमें प्रमुख फसल गेहूँ का 3 लाख 16 हजार 200 एवं चना का 70 हजार हेक्टर में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिले में यूरिया की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में बनी हुई है। कृषकों की माँग अनुसार यूरिया का वितरण कराया जा रहा है। सोयाबीन की कटाई के पश्चात् खेतों में पर्याप्त नमी को देखते हुए गेहूँ एवं चना की बोनी का कार्य प्रारंभ किया गया। अभी तक जिले में 77 प्रतिशत गेहूँ की बोनी की जा चुकी है। बुदनी एवं नसरूल्लागंज में कमाण्ड क्षेत्र होने से बोनी का कार्य नवम्बर माह के अन्त तक जारी रहेगा जिले के सीहोर आष्टा एवं इछावर विकासखण्ड में बोनी का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है।

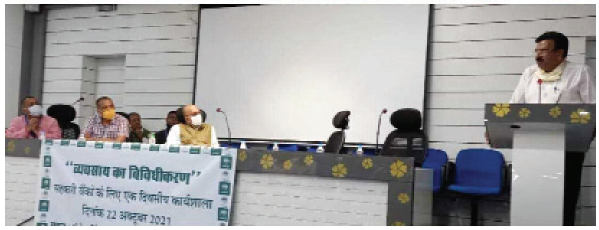

व्यवसाय का विविधिकरण पर कार्यशाला

इंदौर। इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लि. इंदौर में 'व्यवसाय का विविधिकरण' विषय पर सहकारी बैंकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। नाबार्ड द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में नई तकनीक को अपनाकर इमेज बिल्डिंग एवं गेम चेंजर पर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर नाबार्ड के जीएम श्री संजय तालुकदारजी, डीजीएम श्री साहूजी, एजीएम श्री सलिलजी एवं सीईओ श्री आलोक जैन सहित अधिकारी- कर्मचारीगण उपस्थित थे।

एनपीके-सुपर फास्फेट करें उपयोग

राजगढ़। उप संचालक कृषि श्री हरीश मालवीय ने किसानों से एनपीके और सुपर फास्फेट का उपयोग करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का भण्डारण होकर सुगमता से प्राप्त हो रहा है और किसान भाइयों से आग्रह किया है कि बुवाई में डीएपी उर्वरक के स्थान पर एन.पी.के. मिश्रित खाद एवं एसएसपी खाद का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि डीएपी के बैग में फास्फोरस 23 किलोग्राम एवं नाइट्रोजन 9 किलोग्राम होता है तथा कीमत 1200 रुपए है, जबकि 3 एसएसपी के बैग में एवं 1 बैग यूरिया की कीमत 1166 रुपए आती है। इसमें 24 किलोग्राम फास्फोरस तथा 24 किलो नाइट्रोजन तथा 16.50 किलोग्राम सल्फर होता है जो तिलहनी फसलों में तेल की मात्रा बढाने में सहायक होता है। उप संचालक कृषि श्री मालवीय ने बताया कि डीएपी के स्थान पर तत्व की मात्रा और कीमत दोनों में ही फायदे का सौदा है। इसलिए डीएपी उर्वरक के स्थान पर एनपीके मिश्रित उर्वरक एवं सिंगल सुपर फास्फेट के साथ यूरिया उर्वरक का उपयोग कर सकते हैं। एनपीके उर्वरक डीएपी की तुलना में बहुत अच्छा होता है। इसमें तीनों तत्व पाए जाते हैं। नाइट्रोजन फास्फोरस एवं पोटेशियम जबकि डीएपी में सिर्फ दो तत्व नाइट्रोजन व फास्फोरस ही पाए जाते हैं। किसान भाई डीएपी के स्थान पर एनपीके मिश्रित उर्वरक का उपयोग कर सकते हैं जिससे फसल को पोषक तत्वों की आपूर्ति हो सकेगी।

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
श्री बी.एल. मकवाना (प्रशासक एवं संयुक्तआयुक्तसहकारिता)
श्री सुनील सिंह (प्रभारी आयुक्तसहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री संजयसिंह आर्य (सहायक आयुक्त सह. नीमच)
श्री पी.एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
सभी किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ
श्री लक्ष्मीनारायण मीणा (शा.प्र. जावद)
श्री अब्दुल हकीम शेख (शा.प्र. मोरवन)
श्री बालकृष्ण पाराशर (पर्य. जावद)
श्री तेजपाल कुमावत (पर्य. मोरवन)
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. जावद, जि.नीमच
श्री गोपाल प्रसाद शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बाबल, जि.नीमच
श्री बालकृष्ण पाराशर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. खोर, जि.नीमच
श्री बालकृष्ण पाराशर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मोरवन, जि.नीमच
श्री राजेन्द्रसिंह शक्तावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. अठाना, जि.नीमच
श्री धर्मेन्द्रसिंह चौहान (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. लासूर, जि.नीमच
श्री धनराज राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. केशरपुरा, जि.नीमच
श्री अमृत शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. धामनिया, जि.नीमच
श्री धनराज राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सुवाखेड़ा, जि.नीमच
श्री धर्मेन्द्रसिंह चौहान (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सरवानिया महाराज, जि.नीमच
श्री तेजपाल कुमावत (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

किसान न करें जरूरत से ज्यादा खाद का इस्तेमाल

खरगोन। इंदौर संभाग के खरगोन जिले के किसान प्रतिवर्ष आवकश्यकता से अधिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करता जा रहा है। जबकि फसल के लिए अन्य तत्वों की जरूरत होती है। फिर भी किसान अन्य तरह का तत्व फसलों में उपयोग करता है। कृषि विभाग ने किसानों की ऐसी नजर अंदाजी और जानकारी के अभाव को दूर करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों के साथ मिलकर उर्वरकों के उपयोग और उनके लाभ के बारे में एडवायसरी जारी की है। इस एडवायसरी को सभी ग्राम पंयायतों, सेवा सहकारी समिति, विकासखंड मुख्यालय और ग्रामीण विस्तार केन्द्र पर प्रदर्शित करेंगे। कृषि उपसंचालक ने जानकारी देते हुए बताया कि किसानों को उर्वरक की खपत को सूझ-बूझ के साथ करने के लिए कृषि अमला पूरा सहयोग करेगा। जिले में गेहूं का 2.20 लाख हेक्टेयर और चने का 1.20 लाख हे. बुवाई का रकबा प्रस्तावित है। अब तक जिले में गेहूं लगभग 4000 हे. और चना 25000 हजार हे. बुवाई हो चुकी है। वहीं वर्तमान में रबी की फसलों के लिए जिले में पर्याप्त खाद की उपलब्धता है। जिले में अभी 10600 मेट्रिक टन यूरिया, 3255 मेट्रिक टन डीएपी, 1958 मे. टन पोटाश, 4994 मे. टन एनपीके और 12677 मे. टन एसएसपी खाद उपलब्ध है। कृषि उपसंचालक ने आगे बताया कि किसान गेहूं, चना फसल में रासायनिक खाद की अनुशंसित मात्रा का ही उपयोग करें। डीएपी और यूरिया के विकल्प के रूप में एनपीके व एसएसपी उर्वरकों का उपयोग कर अच्छा उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

जिपं सीईओ द्वारा तालाब निरीक्षण

धार। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आशीष वशिष्ठ द्वारा जनपद पंचायत नालछा के ग्राम जामनघाटी, कुराडिया, और करमतलाई में तालाब जीर्णोद्धार हेतु चयनित स्थलों का निरीक्षण किया जाकर जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। विदित हो कि जामनघाटी तालाब में वर्तमान में 25 हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित हो रही है तथा जीर्णोद्धार कार्य उपरांत तालाब से लगभग 15 हेक्टेयर की वृद्धि कृषि भूमि को सिंचित करने में होगी। साथ ही मत्स्य पालन भी यहां पर किया जा सकेगा। कुराडिया स्टाप डेम में सिल्ट एवं अप्रोन का कार्य होने पर लगभग 4 हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित हो सकेगी। वर्तमान में गाद जमा होने के कारण कृषि भूमि को सिंचित करने हेतु इसका उपयोग नही हो पा रहा था। सामरिया तालाब करमतलाई में विगत् दो वर्षो से वेस्ट वियर में कटाव हो रहा था, जिसकी जानकारी प्राप्त होने पर श्री वशिष्ठ के द्वारा उक्त स्थल का निरीक्षण किया गया तथा वेस्ट वियर में हो रहे कटाव को रोकने के लिए सहायक यंत्री विरेन्द्र खाण्डे को निर्देषित किया गया। नालछा वि.खं. में ऐसे ही लगभग 35 जल सरंचनाओ का जिर्णोद्धार करने हेतु चिन्हांकित किया गया है।

सेकंड डोज लगाने के लिए करें प्रेरित

इंदौर। इंदौर जिले में टीकाकरण महाअभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही है। कलेक्टर श्री मनीष सिंह के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा 30 नवंबर तक शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को कोरोना वैक्सीन का सेकंड डोज

लगाने का संकल्प लिया गया है। इस तारतम्य में कलेक्टर श्री मनीष सिंह की अध्यक्षता में डीएवीवी के ऑडिटोरियम में तीन चरणों में बैठक आयोजित की गई, जिसमे समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय, हायर सेकेण्डरी स्कूल, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा हाई स्कूल के प्राचार्य शामिल हुए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अभय बेडेकर सहित स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री मनीष सिंह ने जिले के सभी महाविद्यालय के प्राचार्यों को निर्देश दिए कि वे उनके महाविद्यालय में कार्यरत स्टाफ तथा 18 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थी एवं उनके परिवार के सभी सदस्य को कोरोना का दूसरा डोज लगाने के लिए प्रेरित एवं जागरूक करें। इसके लिए कॉलेज में नोडल टीचर नियुक्त किए जाएं जो ये सुनिश्चित करे कि सभी ने कोरोना वैक्सीन का दूसरा डोज लगवा लिया है। साथ ही उसका प्रमाण पत्र भी सभी से एकत्रित किया जाए।

विकसित समाज के लिए सुदृढ़ खेती आवश्यक

झाबुआ। विकसीत सम्पन्न और समृद्ध समाज के लिए खेती किसानी का सुदृढ होना अपरिहार्य रूप से आवश्यक हैं। राज्य स्तरीय कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान के संचालक के. पी. अहरवाल नें कृषि आदान विक्रेताओ के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अभ्यर्थीयों को सम्बोधित करते हुए उक्त बात कही। जिले में कृषि आदान विक्रेताओं के लिये कृषि विभाग द्वारा भारत सरकार के राष्ट्रीय कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान हैदराबाद के माध्यम से संचालित छ्एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स की कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में विगत दिवस आयोजित दो बेचेस के संचालित पाठ्यक्रम के मुल्याकंन और अनुश्रवण के लिए राज्य स्तरीय संस्थान के संचालक अपने आकस्मीक भ्रमण पर झाबुआ उपस्थित हुए। संचालक के. पी. अहरवाल द्वारा देसी डिप्लोमा कोर्स के जिले के विभिन्न विकासखण्डो के कृषि व्यवसायीयों से पाठ्यक्रम सम्बधित विस्तृत चर्चा की। अहरवाल द्वारा जिले के कृषि व्यावसायीयों को उर्वरक, कीटनाषक औषधी और बीज गुण नियंत्रण के लिए प्रावधानीत नियमों, अधिनियामों और आदेशो के अनुपालन के लिए प्रेरित करते हुए व्यावहारीक पहलुओं की विस्तृत व्याख्या करते हुए कृषि सम्बधी विभिन्न तकनीकी विशयों के वैज्ञानीक आयामों पर व्याख्यान दिया।

नरवाई जलाने से नुकसान के प्रति जागरूक करें

इंदौर। अपर मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त श्री शैलेन्द्र सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इंदौर संभाग के सभी जिलों में खरीफ 2021 की समीक्षा एवं रबी 2021-22 के कार्यक्रम निर्धारण के लिये आयोजित बैठक में कहा कि पशुपालकों के समग्र विकास के लिये राष्ट्रीय पशुधन मिशन का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये। जनता को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान से अवगत कराने के लिये जागरूकता का प्रचार-प्रसार करें।

एपीसी श्री सिंह ने जिलों में किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले प्रदूषण और अन्य पर्यावरणीय नुकसानों से अवगत कराने के लिये जागरूक करने के निर्देश दिये। श्री सिंह ने इंदौर संभाग में वर्ष 2020-21 उद्यानिकी फसलों का रकबा एवं उत्पादन की समीक्षा के साथ एक जिला-एक उत्पाद अंतर्गत जिलों को निर्धारित किये गये लक्ष्यों की समीक्षा भी की। उन्होंने सभी जिलों के जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिये कि एक जिला उत्पाद के तहत किसानों की आय और उत्पादन को दोगुना करने के लिये विभिन्न नवाचार अपनाये जाए। सहकारिता विभाग की समीक्षा करते हुए सहकारी समितियों के माध्यम से उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित कराने एवं अल्पावधि ऋण वितरण की शत-प्रतिशत पूर्ति कराने के निर्देश दिये गये।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिंह ने कलेक्टर्स को निर्देश दिये कि सभी पशुपालकों के समग्र विकास के लिये राष्ट्रीय पशुधन मिशन का प्रभावी क्रियान्वयन करने के लिये जिला स्तरीय कार्य-योजना तैयार करें। उन्होंने संभागायुक्त डॉ. शर्मा को संभाग में दुग्ध संघ को बढ़ावा देने के लिये बेहतर मार्केटिंग की दिशा में प्रयास करने एवं धार में दुग्ध सहकारी समिति द्वारा भूमि आवंटन के संबंध में की गई माँग की पूर्ति सुनिश्चित करने को कहा है। एपीसी श्री सिंह ने दुग्ध उत्पादक समितियों के माध्यम से इंदौर संभाग में दुग्ध कलेक्शन बढ़ाने के दिशा-निर्देश भी दिये।

प्रदेश स्तर से अपर मुख्य सचिव पशुपालन, प्रमुख सचिव मत्स्य, प्रमुख सचिव उद्यानिकी, संचालक किसान-कल्याण तथा कृषि विकास, इंदौर कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से संभागायुक्त सहित कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर इंदौर, धार, झाबुआ एवं बड़वानी अपने-अपने जिलों के एनआईसी कक्ष से वर्चुअली सम्मिलित हुए।

किसान न्याय योजना से खेती लाभकारी बनेगी : बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने रायपुर के समीप नरदहा में आयोजित छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत छत्तीसगढ़ में खरीफ की विभिन्न फसलों के लिए 9 हजार और धान के रकबे में अन्य फसल लेने पर 10 हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से किसानों को अनुदान राशि दी जा रही है। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और खेती अधिक लाभकारी बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में छत्तीसगढ़ के किसानों को धान की सबसे अधिक कीमत मिल रही है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के नवनिर्वाचित केंद्रीय अध्यक्ष श्री चोवाराम वर्मा ने शपथ ग्रहण किया। उनके साथ ही नवनिर्वाचित राजप्रधानों ने भी शपथ ग्रहण किया । समारोह में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सामाजिक पत्रिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अपने संबोधन के प्रारंभ में समाज के पुरखों और विभूतियों को नमन किया और कहा कि उन्होंने शिक्षा और समाज सुधार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। यह समाज मूलतः कृषक समाज है और स्वतंत्रता आंदोलन,राज्य निर्माण के साथ खेती किसानी को बढ़ावा देने में इस समाज का बड़ा योगदान रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शासन ने डॉ खूबचंद बघेल के नाम पर स्वास्थ्य योजना, स्वामी आत्मानंद के नाम पर उत्कृष्ट शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्कूल की योजना शुरू की है । इसी तरह डॉ नरेंद्र वर्मा द्वारा रचित गीत 'अरपा पैरी के धार...' को राजगीत बनाया गया है।

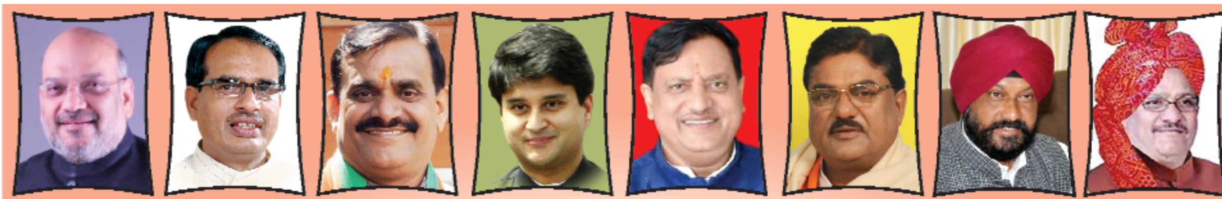

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

सौजन्य से

श्री गोविंद पाटीदार
(शा.प्र. ठीकरी)
श्री जगदीश बकावले
(पर्य. ठीकरी)
श्री अश्विनी पंवार
(शा.प्र. धनोरा)
श्री दिलीप बागदरे
(पर्य. धनोरा)
श्री अनिल मालाकार
(शा.प्र. राजपुर)
श्री जगन आंजने
(पर्य. राजपुर)

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सह.एवं प्रशासक)

श्री विनोद कुमार सिंह
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री अनूप जैन
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. ठीकरी, जि.बड़वानी
श्री रमेश यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. दानोद, जि.बड़वानी
श्री रमेश मुजाल्दे (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बरूफाटक, जि.बड़वानी
श्री महेश शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भागसूर, जि.बड़वानी
श्री लक्ष्मण चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. धनौरा, जि.बड़वानी
श्री पी.के.पंवार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या.वरला, जि.बड़वानी
श्री सायमल तिरोले (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. झिरी झामली, जि.बड़वानी
श्री अनिल अग्रवाल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बलवाड़ी, जि.बड़वानी
श्री गणेश अवस्थी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. राजपुर, जि.बड़वानी
श्री सीताराम मोगरे (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. दवाना, जि.बड़वानी
श्री सुभाष शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सनगाँव, जि.बड़वानी
श्री भगवान यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. ब्राह्मणगाँव, जि.बड़वानी
श्री राजेन्द्र धनगर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रणगाँव डेब, जि.बड़वानी
श्री मालूराम परिहार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. तलवाड़ा डेब, जि.बड़वानी
श्री यशवंत राठौर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सभी फसलों के लिए उपयोगी
गंगा एवं
जय जवान
NPK मिक्स फर्टिलाइजर
12:32:06 • 20:20:10
08:32:08 • 15:15:7½
देवपुत्र®
कार्बनिक खाद मिश्रण
सिटी कम्पोस्ट
वर्मी कम्पोस्ट
रत्नम
जिंक सल्फेट 21%
सिंगल सुपर फॉस्फेट
NPK मिक्स फर्टिलाइजर
12:32:06 • 20:20:10
08:32:08 • 15:15:7½
सभी सहकारी समितियों एवं विपणन संघ केन्द्रों पर उपलब्ध
दिव्यज्योति एग्रीटेक प्रा.लि.
चातक एग्रो (इं) प्रायवेट लिमिटेड
बालाजी फॉस्फेट्स प्रायवेट लिमिटेड
305, उत्सव एवेन्यू, 12/5, उषागंज (जावरा कम्पाउण्ड), इन्दौर (म.प्र.)
फोन: 0731-4064501, 4087471, मोबाइल: 98272-47057, 98270-90267, 94251-01385

विश्व ब्राह्मण समाज संघ के अलंकरण समारोह में राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल ने कहा

एकता, विश्वास और सहयोग ही समाज की ताकत

इंदौर। म.प्र. सेवा अलंकरण समारोह 2021 को रवीन्द्र नाट्य ग्रह में आयोजित किया गया। राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल ने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित किया। विश्व ब्राह्मण समाज संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि अति उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं के मनोबल को बढ़ाने के लिए सम्मानित किया जाना एक स्वस्थ और सार्थक पहल है। प्रदेश की विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित करने से समाज में सहयोग और एकता का वातावरण निर्मित होता है।

समाज में छुपी विभिन्न प्रतिभाओं को निखारना और उजागर करना भी हम सभी का दायित्व है। इसलिए मेरी आप सभी से अपेक्षा है कि आप म.प्र. के वंचित वर्गों के कल्याण में अपनी इन प्रतिभाओं का बेहतर उपयोग करेंगे। कार्यक्रम में श्री योगेन्द्र महंत, विजय दास सहित प्रशासनिक अधिकारी एं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इन प्रतिभाओं को किया सम्मानित

आयोजन में राज्यपाल ने डॉ. श्रद्धा तिवारी जबलपुर, रामप्रकाश शर्मा प्रभुजी, डॉ. मोहन शर्मा भोपाल, डॉ. अभय शर्मा, पं. देवेन्द्र शास्त्री खंडवा, आईजी बीएसएफ अशोक यादव, सेवानिवृत्त न्यायाधीश अनिल पारे, डॉ. प्रवीर बोड़खा उज्जैन, लक्ष्मी शर्मा ग्वालियर, अशोक चतुर्वेदी, अशोक शर्मा, जाह्नवी शर्मा, जाह्नवी चंदवानी, दिनेश गुरु, विशंभर बुधोलिया, प्रशांत महंत, चंद्रशेखर तिवारी, पं. रामचंद्र शर्मा वैदिक (भारद्वाज ज्योतिष एवं आध्यात्मिक शोध संस्थान के शोध निदेशक), कमलेश्वरसिंह सिसौदिया, नेत्र विशेषज्ञ सेवा अशोक टेमले, कला ठाकुर, वंदना जैन भोपाल, पुलिस अधीक्षक मनु जैन, अशोक नायक, डॉ. रेणु जैन, जितेन्द्र वैष्णव व समाज के कल्याण व चिकित्सा क्षेत्र में योगदान देने वाली अन्य विभूतियों को भी सम्मानित किया गया।

गृहमंत्री ने अवधेशानंद गिरिजी से मुलाकात की

हरिद्वार। गृहमंत्री और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने श्री हरिहर आश्रम, कनखल, हरिद्वार में जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर पूज्य स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज से आध्यात्मिक भेंट वार्ता की। जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज एवं देश के अन्य शीर्षस्थ संतों के साथ माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी की इस आध्यात्मिक परिचर्चा में प्रमुख रूप से राष्ट्र और समाज में आध्यात्मिक मूल्यों के विकास, राष्ट्र जागरण एवं लोक-कल्याण के विषय सम्मिलित थे। इसके बाद पूज्य स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज के पावन सान्निध्य में गृहमंत्री श्री अमित शाह जी ने भारत के सर्वविध अभ्युदय एवं विश्व-कल्याण के निमित्त भगवान महामृत्युंजय, पारदेश्वर महादेव का अर्चन, पूजन - अभिषेक तथा सिद्धि प्रदाता 'रुद्राक्ष वृक्ष' के दर्शन पूजन किया।

इस अवसर पर उत्तराखण्ड के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री पुष्कर सिंह धामी जी, योगगुरु स्वामी रामदेव जी महाराज (पतंजली योगपीठ), गीता ज्ञान संस्थानम, कुरुक्षेत्र के प्रमुख गीता मनीषी पूज्य स्वामी ज्ञानानन्द जी महाराज, हिन्दू धर्म आचार्य सभा के संयोजक पूज्य स्वामी परमात्मानन्द सरस्वती जी महाराज (राजकोट), पूज्य स्वामी निर्मलानंदनाथ जी महाराज, प्रमुख-आदि चुन चुन गिरि मठ (कर्नाटक), आचार्य श्री कृष्णमणि जी महाराज , प्रमुख कृष्ण प्रणामी संप्रदाय (गुजरात-राजस्थान), महामंडलेश्वर श्री स्वामी विश्वेश्वरानंद सरस्वती, मुंबई (सुरत गिरि बँगला, हरिद्वार), राज्यसभा सांसद व भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी श्री अनिल बलूनी एवं उत्तराखंड पुलिस के डी.जी.पी. श्री अशोक कुमार जी सहित अनेक गणमान्य विभूतियों की भी इस पूजा-अर्चना में पावन उपस्थिति रही ।

लखनऊ में प्रदेश के सहकारिता मंत्री श्री मुकुट विहारी वर्मा से जयदेव पुरोहित ने भेंट की तथा जिला सहकारी बैंक झाँसी सहकारिता विभाग की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। इस अवसर पर बुंदेलखंड के सभी जिला सहकारी बैंकों के सभापति श्री हरिराम निरंजन सभापति ललितपुर, श्री उदय सिंह पिण्डारी जालौन साथ रहे।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर पूज्य स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज ने आध्यात्मिक भेंट वार्ता की।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने भारत माता मन्दिर दर्शन पूजन किये एवं आचार्य महामण्डलेश्वर श्री स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी से भेंट की।

● आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

मेष

यह माह अत्यधिक खर्च और व्यर्थ की भागदौड़ के साबित होगा। आपकी परिवार के लोगों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती है। कार्यक्षेत्र में उन्नति और धनलाभ के योग बनेंगे। अधिकारियों से संभल कर व्यवहार करें।

वृषभ

विपरीत समय में परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। मेहनत व परिश्रम की अधिकता रहेगी। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। किसी अप्रिय घटना की आशंका है। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। यात्रा का जोखिम न लें।

मिथुन

कार्यस्थल पर स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। सामाजिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रों का कार्य में सहयोग मिलेगा। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। शुभ प्रवास होगा।

कर्क

घर परिवार में सुख शांति रहेगी। बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद बना रहेगा। साझेदारी में लाभ मिल सकता है। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। नवीन वस्त्र क्रय करने का मन बनेगा। सेहत से समझौता न करें।

सिंह

धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ लंबी दूरी की यात्रा हो सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। प्रतिस्पर्धा में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा।

कन्या

दैनिक कार्य आसानी से हो जाएंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात मन को प्रसन्नता देगी। वाहन सुख प्राप्त होगा। भूमि, भवन क्रय करने की योजना बनेगी। प्रतिस्पर्धी निराश होंगे। वित्तीय पक्ष उत्तम।

तुला

सामाजिक मान सम्मान बढ़ेगा। आवक बढ़ेगी। तय किए गए लक्ष्य प्राप्त होंगे। सरकारी कर्मचारी लाभ प्राप्त करेंगे। कामकाज के नए अवसर मिलेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

वृश्चिक

राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य संबंध मधुर बनेंगे। मित्रों के सहयोग से योजना सफल होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अध्ययन में विशेष ध्यान देना होगा। दुर्घटना का भय है।

धनु

बनते काम रुक सकते हैं। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शत्रु हावी हो सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिए समय उपयुक्त है। सरकारी कामकाज बनेंगे। भूमि, भवन क्रय करने की योजना बनेगी। प्रवास शुभ।

मकर

नौकरी के कार्य से यात्रा हो सकती है। आध्यात्मिकता की ओर रुझान बढ़ेगा। युवा वर्ग समय का सदुपयोग करेंगे। पुराने मित्र से मिलने पर मन प्रसन्न होगा। ईश्वर में आस्था बढ़ेगी। वाहन चलाने में सावधानी रखें।

कुम्भ

विद्यार्थियों के लिए समय उत्तम है। प्रतिभा के बल पर सफलता के नित नए आयाम को स्पर्श करेंगे। धन की आवक खुलेगी। वाणी माधुर्य का लाभ मिलेगा। व्यापार में उतार चढ़ाव बना रहेगा। खानपान में रुचि बढ़ेगी।

मीन

आलस्य का अनुभव करेंगे। नकारात्मकता को हावी न होने दें। कार्यों में अवरोध पैदा होंगे। पिता के स्वास्थ्य से परेशानी हो सकती है। व्यापार में उतार चढ़ाव बना रहेगा। पत्नी का सहयोग मिलेगा।

लिप सर्जरी के बाद ट्रोल हुई कटरीना

कटरीना कैफ बॉलीवुड की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। वो जो भी करती हैं वो तुरंत ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन जाता है। इन दिनों कटरीना अपनी आगामी फिल्म 'सूर्यवंशी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। लेकिन इसी के साथ वो विक्की कौशल के साथ अपनी शादी को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई है। रिपोर्ट्स की माने तो ये दोनों दिसंबर में शादी के बंधन में बंधने की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन इन सबके बीच कटरीना कैफ सोशल मीडिया पर बहुत ही बुरी तरह से ट्रोल हो रही हैं। लोग सोशल मीडिया पर कटरीना को उनके लुक के लिए काफी खरी-खोटी सुना रहे हैं। दरअसल कटरीना ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की। उनकी ये फोटोज अपने सोशल मीडिया पर डालने के बाद देखते ही देखते वायरल हो गईं और वो लोगों के निशाने पर आ गईं। कटरीना कैफ के चेहरे और उनके लिप के लिए लोग उन्हें खूब ट्रोल कर रहे हैं। बॉलीवुड सितारों को न सिर्फ उनके अभिनय के दम पर जज किया जाता है बल्कि उनके लुक्स को लेकर भी लोग कई बार उन्हें ट्रोल करते हैं। कटरीना कैफ के लाखों चाहने वाले हैं। उनके अभिनय के साथ-साथ लोग उनके लुक्स को भी काफी पसंद करते हैं। लेकिन अब उनके इन्हीं लुक्स को लेकर लोग उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि प्लास्टिक सर्जरी और बोटॉक्स ने उनके चेहरे को पूरी तरह बिगाड़ दिया है। ■

रणबीर को बांहों में भरकर रोमांटिक हुईं आलिया

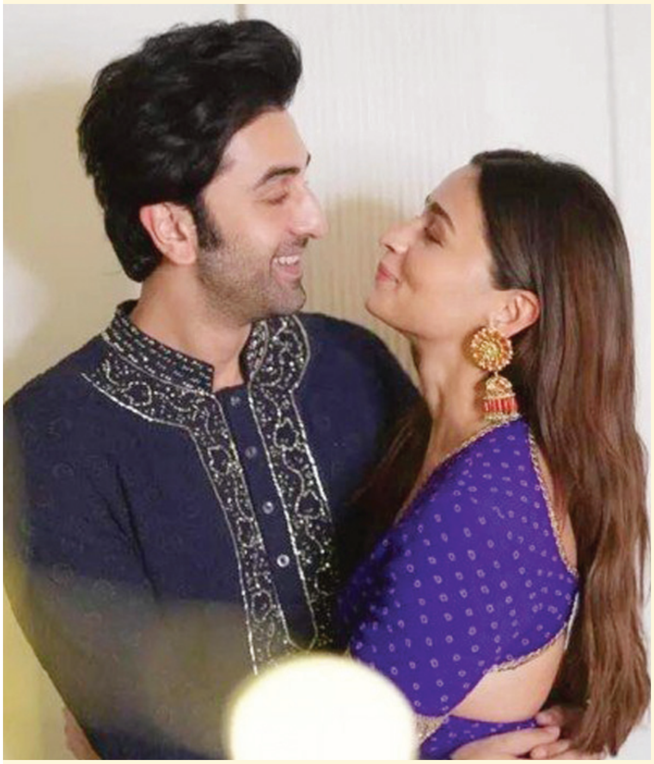

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इन दिनों सुर्खियों में छाए हुए हैं। अक्सर दोनों को साथ में स्पॉट किया जाता है। हाल में ही दोनों जोधपुर में एक दूसरे के साथ समय बिताते नजर आए थे। आलिया ने इस दौरान रणबीर का जन्मदिन जोधपुर में ही मनाया था। कहा जा रहा है कि दोनों जोधपुर में अपनी शादी की लोकेशन की तलाश में गए थे। जिसके बाद से ही दोनों की शादी की खबरें चर्चा में हैं। दोनों ने अब तक कभी खुल कर अपने प्यार का इजहार नहीं किया था। लेकिन आलिया ने पहली बार दिवाली के मौके पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट से रणबीर के संग रोमांटिक तस्वीर को साझा किया है। इस तस्वीर में रणबीर आलिया को अपनी बाहों में समेटे नजर आ रहे हैं। जिसे देख फैंस बेहद खुश हैं और जल्द ही उनकी शादी होते देखना चाहते हैं।

दरअसल, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर मुंबई में मां काली का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। इस दौरान दोनों एक-दूसरे पर प्यार लुटाते नजर आए। दोनों ने एक दूसरे के साथ खूबसूरत तस्वीरें खिंचवाई। आलिया ने इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया है और ये बता दिया है कि रणबीर उनकी जिंदगी में कितने खास हैं। तस्वीर शेयर करने के साथ ही उन्होंने कैप्शन में संमवन स्पेशन और हार्ट इमोजी का कैप्शन दिया है। ■

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज पर फसल ऋण
समस्त किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.एल. गजभिये (प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक एवं प्रभारी सीईओ)
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 11वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
सौजन्य से : इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लि., इंदौर

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक)
श्री अम्बरीश वैद्य (उपायुक्त)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.एस.वसुनिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. झाबुआ

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, के-29, एलआयजी कॉलोनी, इंदौर से मुद्रित एवं 111-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17